जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, रविवार 4 अक्टूबर, 2026

RERA No.: RAJ/P/2023/2387

इतिहास में पहली बार
रियल एस्टेट में क्लीयरेंस सेल
10 लाख का फ्लैट डिस्काउंट

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड, जयपुर

FLAT STARTS ~~74 Lacs~~ @64 Lacs | KOTHI STARTS ~~1.175 Cr~~ @1.075 Cr

AJMER ROAD
JAIPUR

RERA No.: RAJ/P/2023/2387

Kedia's THE KOTHI
भव्य-उत्कृष्ट-श्रेष्ठ

KOTHI STARTS
~~50 Lacs~~ @40 Lacs

SIRSI ROAD
JAIPUR

RERA No.: RAJ/P/2021/1523

A Project By Kedia
THE KUNBA
नई पीढ़ियों के लिए

SHOP ~~30 Lacs~~ @20 Lacs | KOTHI STARTS ~~70 Lacs~~ @60 Lacs

PRATAP NAGAR
JAIPUR

RERA No. RAJ/P/2022/1900

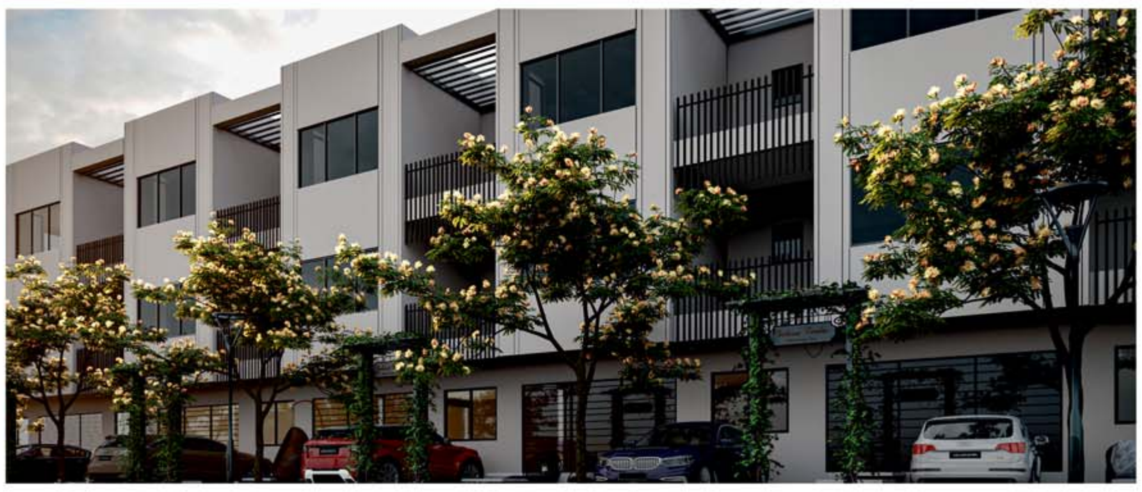

KEDIA'S Corporate Club
RESIDENTIAL APARTMENTS

2BHK ~~37 Lacs~~ @27 Lacs | 3BHK ~~45 Lacs~~ @35 Lacs

VAISHALI EXTENSION
JAIPUR

RERA No.: RAJ/P/2017/178

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

जनता की आवाज़ ईश्वर की आवाज़ है। –कहावत

वनकर्मियों के प्राण और सत्ता की संवैधानिक जवाबदेही

वन की सीमा पर डंडा लिए खड़ा वनरक्षक राज्य की संप्रभु शक्ति का सबसे अंतिम प्रतिनिधि है। अतिक्रमण रोकते, अवैध खनिज से लदा वाहन थामते या कटान का माल ज़ब्त करते समय वह विधि द्वारा सौंपा गया लोक-कर्तव्य निभा रहा होता है। ऐसे लोकसेवक पर घातक प्रहार एक व्यक्ति की हत्या भर नहीं, विधि के शासन पर सीधा आक्रमण है। राष्ट्रीय वन शहीद दिवस (11 सितम्बर) पर स्मारकों के सामने दोहराए गए संकल्प अभी ताज़ा हैं, और कर्तव्य-निर्वहन के दौरान वनकर्मियों की हत्याएँ वही प्रश्न फिर सामने रख रही हैं जिसे दशकों से पत्रावलियों में दबाया जाता रहा है: जो वन की रक्षा करते हैं, उनके प्राणों की रक्षा का दायित्व किसका है?

हत्यारों की तत्काल विधिसम्मत गिरफ्तारी तथा ठोस साक्ष्यों पर आधारित प्रभावी अभियोजन सुनिश्चित करना राज्य का अनिवार्य दायित्व है। अभियोजन इतना सुदृढ़ होना चाहिए कि दोषियों को कठोरतम दंड मिले और मृत्युदंड की विधिक शर्तें पूरी होने पर उन्हें मृत्युदंड दिलाया जा सके। सरकार मात्र बुलडोज़र चलाकर अपने संवैधानिक एवं विधिक दायित्वों से मुक्त नहीं हो सकती।

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 103 हत्या के लिए मृत्युदंड अथवा आजीवन कारावास का प्रावधान करती है। लोकसेवक को कर्तव्य से विरत करने के आशय से हमला या आपराधिक बल का प्रयोग (धारा 132) और इसी आशय से उपहति या घोर उपहति कारित करना (धारा 121) स्वतंत्र अपराध हैं। जहाँ हत्या वन-उपज, खनिज या वन्यजीव के अवैध कारोबार को बचाने के लिए हुई हो, वहाँ वन, वन्यजीव और खनन विधियों के उल्लंघन तथा आपराधिक षड्यंत्र भी आरोप-पत्र का अंग बनें।

मृत्युदंड 'विरलतम में विरल' प्रकरणों के लिए है, जहाँ गुरुतर परिस्थितियाँ शमनकारी परिस्थितियों पर भारी पड़ें; कर्तव्यरत लोकसेवक की हत्या, या उसके विधिसम्मत कर्तव्य-पालन के परिणामस्वरूप की गई हत्या, गुरुतर परिस्थिति मानी जाती है। किन्तु न्यायालय की तौल उतनी ही विश्वसनीय होती है जितना अनुसंधान: भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 176(3) के अनुरूप न्यायालयिक विशेषज्ञ द्वारा घटनास्थल से साक्ष्य-संग्रह, षड्यंत्रकारियों और वित्तपोषकों तक पहुँचता अनुसंधान, गवाहों का संरक्षण और दिन-प्रतिदिन सुनवाई। इनमें से एक कड़ी की चूक भी अभियुक्त के लिए संदेह का लाभ बन जाती है।

वन-भूमि का अतिक्रमण अपनी विधिक प्रक्रिया से अवश्य हटे, पर उसे हत्या के दंड का स्थानापन्न बनाना न विधिसम्मत है, न प्रभावी। ध्वंस का दृश्य कुछ दिनों में ओझल हो जाता है, पर शिथिल अनुसंधान से उपजी दोषमुक्ति वर्षों तक यह संदेश देती है कि वनकर्मी का प्राण सस्ता है। राज्य की दृढ़ता का प्रमाण ध्वंस की धूल नहीं, न्यायालय में टिकने वाला आरोप-पत्र है।

पिछले तीन दशकों से वन विभाग द्वारा बारंबार प्रस्तुत ठोस प्रस्तावों तथा कर्मचारियों और अधिकारियों की लंबित माँगों एवं सुझावों पर क्रमवर्ती राज्य सरकारों की निष्क्रियता गंभीर प्रशासनिक कर्तव्यच्युति है। सत्ता में कोई भी राजनीतिक दल रहा हो, संबंधित मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, मुख्य सचिवों और प्रमुख सचिवों ने विभाग के सार्थक सुदृढ़ीकरण की उपेक्षा की है। सचिवालय में जीवन-सुरक्षा और विभागीय सुदृढ़ीकरण की पत्रावलियाँ लंबित रखी गईं, जबकि क्षेत्र में कर्तव्यरत वनकर्मी अपने प्राण गँवाते रहे। इन मौतों का उत्तरदायित्व उन शासनगत निर्णयकर्ताओं पर भी है जिन्होंने जोखिमों और आवश्यकताओं से बारंबार अवगत कराए जाने के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं की। आवश्यक निर्णय लेने का अधिकार रखने वालों द्वारा उसका प्रयोग न करना दायित्व से विमुक्ति का आधार नहीं हो सकता। यह उपेक्षा इन मौतों के लिए शासन की संस्थागत और संबंधित मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, मुख्य सचिवों और प्रमुख सचिवों की व्यक्तिगत जवाबदेही का प्रश्न है। सार्वजनिक पद के साथ संलग्न निर्णयाधिकार, उसके प्रयोग अथवा प्रयोग न करने के परिणामों के प्रति उत्तरदायित्व से पृथक नहीं किया जा सकता। प्रत्यक्ष हत्यारों को दंडित कराने के साथ-साथ इस निरंतर शासनगत कर्तव्यच्युति का उत्तरदायित्व निर्धारित करना भी आवश्यक है।

यह उपेक्षा केवल अतीत का प्रसंग नहीं है। वर्ष 2023 में ही वन विभाग की ओर से कम से कम दस ठोस प्रस्ताव शासन को भेजे गए थे, जिन पर मंत्री, मुख्यमंत्री, अतिरिक्त मुख्य सचिव तथा शासन के अन्य निर्णयकर्ताओं के स्तर पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इन प्रस्तावों को तैयार करने में उच्चकोटि के अधिकारी, मुख्य वन संरक्षक श्री राजीव चतुर्वेदी ने और मैंने स्वयं साथ बैठकर कम से कम एक माह तक प्रतिदिन 16 से 18 घंटे लगाए थे। उन ठोस प्रस्तावों का क्या हुआ, यह केवल सरकार ही जानती है। वनकर्मियों की समस्याओं पर हर स्तर से समाधान के आश्वासन का झुनझुना बजता रहा; कभी प्रशासनिक विभाग का अड़ंगा आया, कभी वित्त विभाग का। दलगत सीमाओं से परे, बिना किसी अपवाद के, सभी मुख्यमंत्रियों ने आश्वासनों का झुनझुना ही बजाया है और वन विभाग को कभी साधन-सम्पन्न नहीं किया। भाषणों में वन-संरक्षण सबका संकल्प है, पर जब अवैध खनन या कब्ज़े की धर-पकड़ होती है, तब पूरी ताकत वन विभाग के विरुद्ध लगाई जाती है: मुँह में राम, बगल में छुरी। वनों के प्रति यह सौतेला व्यवहार राजस्थान के वनों को सर्वनाश की ओर ले जा रहा है। इस जवाबदेही की गवाही सचिवालय की पत्रावलियों में बँधी रखी है; एक उच्चस्तरीय, समयबद्ध जाँच इतना भर खोल दे कि कौन-सा प्रस्ताव किस मेज़ पर कितने समय रुका रहा, और उसी अवधि में कितने वनकर्मी घायल हुए या मारे गए, तो उत्तरदायित्व स्वयं बोल उठेगा।

> **जहाँ वनकर्मियों को बंदूक दी भी गई, वहाँ उसके प्रयोग का अधिकार केवल आत्मरक्षा तक सीमित रखा गया। निजी प्रतिरक्षा का अधिकार तो भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत प्रत्येक व्यक्ति को पहले से प्राप्त है; जिस बंदूक के साथ उससे अधिक अधिकार न मिले, वह कर्तव्य का उपकरण नहीं, वनकर्मी के गले की फाँस है। गोली चलते ही उसी को सिद्ध करना पड़ता है कि प्राण-संकट वास्तविक था, और अपराधी को रोकने गया लोकसेवक स्वयं अभियुक्त बनकर कटघरे में खड़ा होता है।**

वनकर्मियों के प्राणों की रक्षा राज्य की कृपा या सद्भावना का विषय नहीं, उसका संवैधानिक और विधिक दायित्व है। संविधान का अनुच्छेद 48क राज्य को पर्यावरण के संरक्षण-संवर्धन तथा देश के वनों और वन्यजीवों की रक्षा का निर्देश देता है। वन-रक्षा का जो कार्य संविधान ने राज्य को सौंपा है, उसे राज्य इन्हीं वनकर्मियों के हाथों पूरा करता है; अतः उनके प्राणों की सुरक्षा उस संवैधानिक कार्य से अविभाज्य है। अनुच्छेद 21 का जीवन का अधिकार उस वनकर्मी को भी प्राप्त है जिसे राज्य जोखिम-भरे कर्तव्य पर भेजता है, और नियोक्ता के रूप में उसकी सुरक्षा की समुचित व्यवस्था करना राज्य का प्रत्यक्ष दायित्व है। जो राज्य जानता है कि उसका कर्मचारी सशस्त्र, संगठित और वाहन-सज्जित अपराधियों से टकराएगा, और फिर भी उसे केवल डंडा थमाकर रात्रि-गश्त पर भेजता है, वह अपने दायित्व का पालन नहीं, उसका परित्याग कर रहा है। जहाँ जोखिम ज्ञात हो, उससे बचाव के उपाय राज्य के अधिकार में हों और फिर भी वे उपाय न किए जाएँ, वहाँ होने वाली क्षति का उत्तरदायित्व राज्य से अलग नहीं किया जा सकता।

धरातल इस परित्याग का साक्षी है। बियावान में एक-दो कमरों की चौकी, न आवागमन के लिए वाहन, न सुरक्षा-उपकरण, और हाथ में केवल एक डंडा। अकेला वनरक्षक लगभग 20 से 25 वर्ग किलोमीटर वन सँभालता है, जिस पर 15 से 20 गाँवों का दबाव हो सकता है। 15 अगस्त 1947 से 1 अक्टूबर 2026 तक 28,902 दिन बीत चुके; इस बीच चराई, कटान, शिकार, खनन और अतिक्रमण कई गुना बढ़े, और वन-अपराध का तंत्र तेज़ वाहनों, हथियारों, सूचना प्रौद्योगिकी और राजनीतिक संरक्षण से लैस हो गया, जबकि क्षेत्रीय वन-बल रस्मी आयोजनों को छोड़ लगभग वहीं ठहरा है। विडंबना यह भी है कि धर-पकड़ में वन-अपराधी की मृत्यु पर कुछ सरकारें उसके परिवार को 25 लाख रुपये तक देने को तत्पर दिखती हैं, जबकि वन-रक्षा में प्राण देने वाले वनकर्मी के परिवार को बीमा की मामूली राशि देकर कर्तव्य की इतिश्री मान ली जाती है।

जहाँ वनकर्मियों को बंदूक दी भी गई, वहाँ उसके प्रयोग का अधिकार केवल आत्मरक्षा तक सीमित रखा गया। निजी प्रतिरक्षा का अधिकार तो भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत प्रत्येक व्यक्ति को पहले से प्राप्त है; जिस बंदूक के साथ उससे अधिक अधिकार न मिले, वह कर्तव्य का उपकरण नहीं, वनकर्मी के गले की फाँस है। गोली चलते ही उसी को सिद्ध करना पड़ता है कि प्राण-संकट वास्तविक था, और अपराधी को रोकने गया लोकसेवक स्वयं अभियुक्त बनकर कटघरे में खड़ा होता है। ऐसी बंदूक सुरक्षा नहीं, दायित्व (लायबिलिटी) है। अतः वन विधियों में संशोधन कर वन विभाग को वही अधिकार दिए जाएँ जो पुलिस को प्राप्त हैं: गिरफ्तारी, वन-अपराध की रोकथाम और ज़ब्ती के प्रतिरोध की स्थिति में शस्त्र-बल सहित आवश्यक बल-प्रयोग का अधिकार, और सद्भावपूर्ण प्रयोग पर यह संरक्षण कि सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति और स्वतंत्र दंडाधिकारी जाँच के बिना अभियोजन न चले। साथ में प्रशिक्षण और प्रत्येक घटना का अभिलेख अनिवार्य हो, ताकि शक्ति उत्तरदायी रहे।

अवैध गतिविधि रोकने वाले वनकर्मी को रास्ते से हटाने का सबसे सुलभ साधन स्थानांतरण है। जो लोकसेवक जितनी तन्मयता से वन-क्षेत्र की रक्षा करता है, उसके विरुद्ध उतनी ही बेरहमी से शिकायतें गढ़ी जाती हैं और उसे हटाने की लिखित, मौखिक या दूरभाष पर सिफारिशें पहुँचती हैं; कई बार उन जनप्रतिनिधियों से भी, जिन्होंने संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ लेकर पद ठाहण किया है। वन-अपराधी के पक्ष में की गई सिफारिश अपराध के संरक्षण का साधन है, और ऐसा आचरण दुष्प्रेरण, आपराधिक अभित्रास और लोकसेवक के कर्तव्य में बाधा से संबंधित प्रावधानों की कसौटी पर परखा जाना चाहिए। वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 52 तो दुष्प्रेरक को स्वयं उल्लंघनकर्ता के समकक्ष मानती है। सुशासन की माँग है कि मौखिक निर्देश अभिलेख में आएँ; उसी भावना से, वन-अपराध रोकने वाले कर्मचारी के स्थानांतरण से पूर्व लिखित कारण, प्रत्येक सिफारिश और शिकायत का स्रोत अभिलेख में दर्ज हो। ऐसे दबाव के सामने वनकर्मी को दो गुण चाहिए: सही बात मानने की विनम्रता और विधि-विरुद्ध बात ठुकराने का साहस। यह साहस किसी प्रशिक्षण-पाठ्यक्रम में नहीं सिखाया जाता; वह ठोस अनुभव और व्यक्तिगत सिद्धांतों पर खरा उतरने की दृढ़ता से उपजता है। पर इस साहस का मूल्य राज्य तय करता है: विधि पर अड़े वनकर्मी के पीछे राज्य खड़ा दिखे, तभी साहस कर्तव्य बनता है, अन्यथा वही दंड बन जाता है। लोकजीवन का अनुभव यह भी बताता है कि वन-अपराधियों के पक्षधर अंततः अपने ही सार्वजनिक जीवन की प्रतिष्ठा खोते हैं; फिर भी यह प्रवृत्ति थमती नहीं, और 'विनाश काले विपरीत बुद्धिः' की उक्ति बार-बार चरितार्थ होती है।

अतः राज्य का अनिवार्य दायित्व है कि हत्यारों, षड्यंत्रकारियों और आश्रयदाताओं की तत्काल गिरफ्तारी हो; अपराध से अर्जित संपत्ति की भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 107 के अंतर्गत कुर्क हो; वर्ष 2023 के प्रस्तावों सहित समस्त लंबित पत्रावलियों की उच्चस्तरीय, समयबद्ध जाँच कर उत्तरदायित्व निर्धारित हो; वनरक्षक से क्षेत्रीय वन अधिकारी तक वर्तमान संख्या के न्यूनतम चार गुना नए पद सृजित हों; पुलिस के समतुल्य शस्त्र-अधिकार के साथ वाहन, संचार-उपकरण और सुरक्षित आवास मिलें; तथा कर्तव्य-पालन में प्राण देने वाले वनकर्मी के परिवार को पुलिस के समतुल्य अनुठाह-राशि और समयबद्ध अनुकम्पा नियुक्ति मिले।

करोड़ों चिकित्सकों और वैद्यों की सेना भी स्वच्छ वायु और जल के बिना समाज को स्वस्थ नहीं रख सकती। इतिहास में अनेक सभ्यताओं के पतन के कारणों में वन, जल और मिट्टी का कुप्रबंधन दर्ज है; वर्तमान सभ्यता को उसी राह से बचाना है तो जितना भी निवेश और प्रयत्न लगे, वनों, वन्यजीवों और प्राकृतिक परिवेश को बचाना ही पड़ेगा। प्राणवायु और पेयजल के स्रोत यही वन हैं, और इनकी रक्षा वह मनुष्य कर रहा है जिसके प्राणों का प्रबंध राज्य ने अधूरा छोड़ रखा है। हत्यारे को कठोरतम दंड, उसकी सिफारिश करने वाले को विधिक परिणाम, और सुरक्षा की पत्रावली रोकने वाले निर्णयकर्ता को जवाबदेही, ये एक ही न्याय के तीन अंग हैं। इनमें से एक भी अधूरा रहा, तो वन से पहले वह व्यवस्था ढहेगी जो वन बचाती है, और फिर साँस की हवा और पीने के पानी का हिसाब समाज को स्वयं चुकाना पड़ेगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, राजस्थान; अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफ़ेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

मतदाता सूची जिला कलैक्ट्रेट में वापस लाओ, नहीं तो गाँव-गाँव से लोकतंत्र गायब हो जाएगा

मदन सिंह काला

भारतीय लोकतंत्र में मतदाता ही सरकार बनाने वाला सबसे बड़ा जज है और मतदाता सूची ही सबसे ज्यादा पवित्र संवैधानिक दस्तावेज है। यह कोई साधारण सरकारी फाइल नहीं है। यह सूची ही इस बात का प्रमाण है कि इस सूची में दर्ज मतदाता ही देश का नागरिक है और वही अपनी सरकार चुनता है। कानून ने इस दस्तावेज की रखवाली का जिम्मा किसी सॉफ्टवेयर को नहीं, बल्कि आपके जिले के कलेक्टर, एस डी एम और तहसीलदार को दिया हुआ है। आज इसी मूल व्यवस्था पर बड़ा सवाल उठ रहा है।

रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपल एक्ट 1950 बहुत साफ भाषा में लिखा गया है। इसकी धारा 13बी कहती है कि हर विधानसभा क्षेत्र के लिए एक इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर होगा, जिसे हम ईआरओ कहते हैं, जो अक्सर एसडीएम या तहसीलदार लेवल का ऑफिसर होता है। धारा 13सी कहती है कि हर जिले में डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर के रूप में कलेक्टर होगा, जिसे डीईओ कहा जाता है। वोटर रजिस्ट्रेशन रूल्स 1960 का रूल 20(3) इस पूरी व्यवस्था की आत्मा है। यह रूल ईआरओ को यह विवेकाधिकार देता है कि वह तय करे कि किस क्लेम या ऑब्जेक्शन में व्यक्तिगत सुनवाई जरूरी है और किसमें डॉक्यूमेंट्स के आधार पर ही फैसला हो सकता है। यह अधिकार इसलिए दिया गया था क्योंकि वही ऑफिसर गांव को जानता है, वह जानता है कि कौन व्यक्ति गांव में रहता है, कौन रोजगार के लिए पलायन कर गया और किसका निधन हो गया है। इसी लीगल फ्रेम पर हाल में चर्चा तब तेज हुई जब महाराष्ट्र के चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर ने 24 सितंबर को केन्द्रीय चुनाव आयोग को एक पत्र लिखा। उस पत्र में ईसीआईनेट नामक नए आईटी प्लेटफॉर्म की एक टेक्निकल लिमिटेशन की ओर ध्यान दिलाया गया। जानकारों का कहना है कि जब कोई सॉफ्टवेयर कानून में दिए गए विवेकाधिकार को प्रैक्टिकली लागू ही न होने दे, तो टेक्नोलॉजी कानून की हेल्प नहीं, बल्कि बाधा बन जाती है।

यहीं से दूसरा बड़ा सवाल उठता है – ईसीआईनेट का लीगल बेस क्या है? 1950 के एक्ट और 1960 के रूल्स में ईसीआईनेट शब्द कहीं नहीं है। यह एक नया डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इलेक्शन कमीशन को संविधान के आर्टिकल 324 के तहत इलेक्शन के कंडक्ट और सुपरिंटेंडेंस की पावर्स प्राप्त हैं, और इसी पावर के तहत केंद्रीय चुनाव आयोग समय-समय पर आईटी प्लेटफॉर्म और एडमिनिस्ट्रेटिव इंस्ट्रक्शन्स जारी करता है। कमीशन का पक्ष है कि ईसीआईनेट का ऑब्जेक्टिव पूरे देश में पारदर्शिता, समरूपता और फास्ट सर्विस लाना है। वहीं सिविल सोसाइटी और इलेक्शन रिफॉर्म एक्टिविस्ट्स का तर्क है कि साइंस और टेक्नोलॉजी का यूज हमेशा प्रचलित लॉ की पालना में ही होना चाहिए। कोई भी टेक्निकल प्लेटफॉर्म कानून से ऊपर नहीं हो सकता है। इसलिए डिमांड यह उठ रही है कि इस प्लेटफॉर्म का लीगल बेस, डेटा सिक्योरिटी और रूल 20(3) के साथ इसका तालमेल पब्लिकली स्पष्ट किया जाना आवश्यक है।

पुरानी लीगल पोजीशन क्या थी, यह समझना आज सबसे जरूरी है। चाहे चुनाव बैलेट पेपर से होता था या ईवीएम से, मतदाता सूचियां हमेशा डिस्ट्रिक्ट लेवल पर ही बनती थी, वहीं सेफ रहती थी और ईआरओ के सिग्नेचर से ही नाम जुड़ता या कटता था। तहसीलदार, नायब तहसीलदार और बीएलओ की पूरी टीम अपने एरिया को जानती थी। अगर किसी का नाम गलत कट जाता था तो उसी दिन कलेक्टर के पास जाकर सुधर जाता था। इस विकेन्द्रीकृत सिस्टम में अकाउंटेबिलिटी फिक्स थी। केंद्रीकृत सिस्टम में करेक्शन का लॉजिक सेंट्रल सर्वर से तय होता है, जिससे डिस्ट्रिक्ट लेवल के कॉम्पिटेंट ऑफिसर के हाथ बंध जाते हैं। वह गलती देख तो लेता है, पर उसे सुधारने के लिए उसे ऊपर से आने वाले अल्गोरिदम का इंतजार करना पड़ता है।

इसी बैकग्राउंड में मतदाता पत्र की डिमांड भी फिर से उठ रही है। इसके सपोर्टर्स का तर्क है कि दुनिया के कई विकसित देशों ने ईवीएम से चुनाव करवाना बंद कर दिया है। जर्मनी के कॉन्स्टिट्यूशनल कोर्ट ने 2009 में कहा था कि ईवीएम में आम वोटर अपनी आंखों से अपने वोट का सत्यापन नहीं कर पाता, इसलिए यह असंवैधानिक है। नीदरलैंड ने हैकिंग और सिक्योरिटी कंसर्न्स से ईवीएम को छोड़ा। भारत की ईवीएम के बारे में चुनाव आयोग का कहना है कि यह अपने आप में अकेली चलने वाली मशीन है, जिसे टेक्निकल भाषा में स्टैंडअलोन मशीन कहते हैं, यानी यह किसी भी इंटरनेट, वाई-फाई या नेटवर्क से नहीं जुड़ती और कई सिक्योरिटी स्टैंडर्ड्स से लैस है, यह इलेक्शन कमीशन का पक्ष है। लेकिन आम नागरिक का कहना है कि प्रजातंत्र में मशीन से ज्यादा जरूरी है मतदाता का विश्वास। जब वोटर लिस्ट पर ही सवाल उठने लगे, तो लोग कहते हैं कि पेपर पर स्टाम्प वाला मतपत्र ही सबसे ज्यादा पारदर्शी है, क्योंकि उसे कोई भी आम आदमी उसकी गिनती कर सकता है।

अब सबसे महत्वपूर्ण सवाल पर आते हैं – आम मतदाता क्या करे? क्या सभी मतदाता वोटर डॉट ईसीआई डॉट जीओवी डॉट इन पर जाकर अपना नाम चेक कर सकता है? हकीकत यह है कि नहीं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार आज भी देश में करीब 35 से 40 करोड़ मतदाताओं के पास स्मार्ट मोबाइल फोन नहीं है। गांव की बुजुर्ग महिला ओटीपी क्या होता है यह नहीं जानती, माइग्रेंट लेबर हर महीने अपना रेंटेड एड्रेस अपडेट नहीं कर सकता, और आदिवासी एरिया में इंटरनेट ही नहीं है। अगर पूरी प्रोसेस सिर्फ ऑनलाइन कर दी गई, तो इसी श्रेणी के मतदाता सबसे पहले मतदाता सूची से बाहर होगा। आप इसे टेक्निकल फॉल्ट कहें या डिजिटल एक्सक्लूजन, रिजल्ट एक ही है – मतदाता अपने मत के अधिकार से वंचित हो जाता है।

कानून में इसका हल पहले से मौजूद है। वोटर रजिस्ट्रेशन रूल्स कहता है कि ड्राफ्ट रोल की कॉपी सिर्फ वेबसाइट पर डालना काफी नहीं है, उसे ईआरओ के ऑफिस, हर पोलिंग बूथ और ग्राम पंचायत भवन की दीवार पर 21 दिन तक चिपकाना मैंडेटरी है, ताकि बिना फोन वाला व्यक्ति भी उसे देख सके। फॉर्म 6 नए नाम जोड़ने के लिए है और फॉर्म 7 किसी का नाम काटने के ऑब्जेक्शन के लिए है। कानून कहता है कि फॉर्म 7 डालने वाले का नाम पता बताना होगा और जिसका नाम कट रहा है उसे पर्सनल नोटिस देना कानून अनिवार्य है। बीएलओ कोई दिल्ली का कर्मचारी नहीं है, वह आपके गांव का ही टीचर या पटवारी है। उसकी लीगल ड्यूटी है घर-घर जाकर वेरिफिकेशन करना, सिर्फ लैपटॉप पर बैठकर नाम काटना नहीं। इसलिए इस स्थिति से मुक्ति का रास्ता तीन लेवल पर है। पहला, इलेक्ट्रॉनिक वोटर लिस्ट का कंट्रोल, सर्वर और फाइनल सिग्नेचर का अधिकार कलेक्टर और ईआरओ के लेवल पर ही रहे, जैसा 1950 का लॉ कहता है। दूसरा, किसी भी टेक्नोलॉजी, चाहे वह ईसीआईनेट ही क्यों न हो, का उपयोग कानून की पालना के रूप में हो, उसके विकल्प के रूप में नहीं, और रूल 20(3) जैसा विवेकाधिकार सॉफ्टवेयर में भी स्पष्ट रूप से दिखना चाहिए। तीसरा और सबसे जरूरी, मतदाता खुद जागरूक बने। अपने बीएलओ का नाम अपने पोलिंग बूथ की दीवार पर लिखवाएं, अपने ग्राम पंचायत भवन और स्कूल में लगी क्लेम-ऑब्जेक्शन की लिस्ट को खुद जाकर देखें और चौपाल पर पढ़कर सुनाएं, यही असली सोशल ऑडिट है। आज ही अपने 10 पड़ोसियों का नाम मतदाता सूची में साथ जाकर चेक करवाएं और ग्राम सभा में प्रश्न पूछें कि पिछले 6 महीने में कितने नाम काटे गए और कितनों को नोटिस दिया गया।

मतदाता सूची की कोई पीडीएफ फाइल नहीं है, वह आपके अर्थात मतदाता के गांव के लोकतंत्र का महत्वपूर्ण खसरा है। और खसरे की रखवाली पटवारी नहीं, खातेदार अर्थात मतदाता स्वयं करता है।

–मदन सिंह काला,
पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी

भारतीय शहरी विकास और लोकहित याचिका : संवैधानिक न्याय की नई दिशा

सूर्यप्रतापसिंह राजावत

लोकहित याचिका को भारतीय न्यायपालिका का एक नवाचार माना जाता है, जिसमें वाद-हेतु की कठोरता को इस उद्देश्य से शिथिल किया गया कि उन लोगों की शिकायतों का समाधान किया जा सके, जो अशिक्षा अथवा आर्थिक दुर्बलता के कारण न्यायालय तक पहुँचने में सक्षम नहीं हैं भारत में लोकहित याचिका के आधुनिक न्यायशास्त्र का प्रारंभ 1979 के हुसैनारा खातून बनाम गृह सचिव, बिहार सरकार, (1980), मामले से माना जाता है। इस मामले में विचाराधीन कैदियों की दयनीय स्थिति, शीघ्र सुनवाई के अधिकार और विधिक सहायता जैसे प्रश्नों को न्यायालय के समक्ष व्यापक जनहित के रूप में उठाया गया। इसके पश्चात् एस. पी. गुप्ता बनाम भारत संघ, (1981) के माध्यम से लोकहित याचिका के क्षेत्र में लोकस स्टैंडी के सिद्धांत का और अधिक विस्तार हुआ। मेरठ में स्थित संपत्तियों के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के हाल के निर्देश, जिनमें आवासीय क्षेत्रों में स्थित व्यावसायिक प्रकृति की इमारतों को चिन्हित करने का प्रश्न सामने आया है, लोकहित याचिका के न्यायशास्त्र के विकास और उत्क्रांति के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है और इसका उत्तर आवश्यक है। यहाँ अतिक्रमण का प्रश्न नहीं है, बल्कि भूमि-उपयोग की प्रकृति और भवन-उपयोग की प्रकृति में परिवर्तन हुआ है। यह स्थानीय कानूनों के प्रतिकूल हो सकता है। प्रश्न यह उठता है कि इस विशेष भूमि-उपयोग में परिवर्तन क्यों हुआ। इसके लिए भारतीय जीवन-पद्धित की ऐतिहासिक और सभ्यतागत समझ आवश्यक है। यदि हम भारत के इतिहास को देखें, तो यह सुव्यवस्थित रूप से स्थापित है कि भारतीय सभ्यता में आवासीय जीवन और व्यावसायिक गतिविधियाँ सह-अस्तित्व में रही हैं।

व्यावसायिक गतिविधियों से आशय ऐसी गतिविधियों से है जो हमारी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं। इस प्रकार की गतिविधियों को समाज द्वारा स्वीकार किया गया है और इसका कारण बहुत सरल है, क्योंकि वे निवासियों को सुविधा प्रदान करती हैं। जैसे दूध और दही हमारे प्रतिदिन के भोजन का हिस्सा हैं, और इन वस्तुओं को उपलब्ध कराने, बेचने या उपलब्ध कराने का किसी व्यक्ति द्वारा प्रयास उस क्षेत्र के निवासियों द्वारा स्वाभाविक रूप से सराहा जाएगा। वहाँ निवास करने वाले लोगों को इससे कोई समस्या नहीं होती है। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब विज्ञान और प्रौद्योगिकी के आगमन के कारण यातायात प्रबंधन एक चुनौती बन जाता है। इसका समाधान ऐसी सार्वजनिक हित वाली व्यावसायिक गतिविधियों को समाप्त करना नहीं होना चाहिए, जो किसी प्रकार का उपद्रव उत्पन्न नहीं करतीं। इसलिए वास्तविक प्रश्न यातायात और यातायात के प्रवाह का है, और इसका समाधान व्यावसायिक गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई करके नहीं, बल्कि उपयुक्त व्यवस्थाएँ करके किया जा सकता है।

दूसरी बात, किसी भी विकासशील देश में शहर का नियोजित विकास अपने आप में एक चुनौती है। यह केवल भारत की बात नहीं है। यदि राजस्थान की बात करें, तो यूआईटी, जेडीए अथवा नगर पालिका संबंधी कानून शहरी क्षेत्रों को विनियमित करते हैं। वहाँ एक मास्टर प्लान की परिकल्पना की जाती है, जो नियोजित गतिविधि और नियोजित विकास का ध्यान रखता है। लेकिन एक महत्वपूर्ण पहलू अक्सर उपेक्षित रह जाता है कि अनियोजित विकास कृषि भूमि को गैर-कृषि उपयोग में विधिवत परिवर्तित किए बिना उत्पन्न होता है और सहकारी समितियाँ विभिन्न हितधारकों को प्रतिफल के बदले भूमि बेचती हैं। इसमें निस्संदेह वे स्वयं भी एक योजना बनाती हैं और उसी के अनुसार भूमि के विभिन्न टुकड़े विभिन्न लोगों को बेच दिए जाते हैं। अब खरीदार द्वारा निर्माण किया जाता है और वह उस योजना का पालन करता है। वह योजना का उल्लंघन नहीं कर रहा है। वह सड़क के चौड़ीकरण का भी उल्लंघन नहीं कर रहा है और इसमें कोई आपराधिक तत्व नहीं है। इसमें कोई आपराधिक मनोभाव नहीं है। कोई लापरवाही नहीं है। वास्तव में, वह सद्भावनापूर्वक कार्य कर रहा है। वह अपनी मेहनत की कमाई का निवेश कर रहा है और वह अपराधी नहीं है। किसी भी दृष्टिकोण से उसे किसी छोटे या जघन्य अपराध में शामिल नहीं कहा जा सकता। हाँ, उपविधियों के संदर्भ में कुछ उल्लंघन हो सकते हैं, जैसे सेटबैक अथवा मॉडल भवन कानूनों से संबंधित, लेकिन वह एक अलग मुद्दा है, जिस पर अलग से विचार किया जाना चाहिए।

अब लोकहित याचिका के नाम पर उन लोगों अथवा उन क्षेत्रों की जाँच की जाती है, जो पहले मास्टर प्लान के अंतर्गत नहीं आते थे, लेकिन अब उन्हें मास्टर प्लान अथवा विकास की नई योजना के अंतर्गत जाँचा जा रहा है, और सभी भूमि-स्वामियों को इस प्रकार माना जाता है जैसे वे अतिक्रमणकारी हों और मानो उन्हें राष्ट्र-विरोधी कानूनों के अंतर्गत दोषी पाया गया हो। यहाँ लोकहित याचिका के न्यायशास्त्र को विकसित होने की आवश्यकता है, ताकि ऐसे मुद्दों का बेहतर समाधान किया जा सके जिससे न्याय हो, न कि न्याय का हनन। शहरी विकास संबंधी लोकहित याचिका पर विचार करते समय मौलिक चिंतन समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। शहरी विकास के संदर्भ में वाणिज्यिक गतिविधियों के लिए एक निश्चित और पृथक स्थान निर्धारित करने की पश्चिमी अवधारणा भारतीय शहरी जीवन-पद्धित के अनुरूप नहीं है। पश्चिम में आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों का पृथक्करण किया जाता है, लेकिन भारत में एक विशेष प्रकृति की ऐसी वाणिज्यिक गतिविधियाँ, जो न तो खतरनाक हैं और न ही उपद्रव उत्पन्न करती हैं, जनसंख्या की मूलभूत दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं-ऐसे देश में जहाँ दैनिक आजीविका की आवश्यकताओं को पूरा करना भी एक चुनौती है। हमें समय के संदर्भ में एक उचित सीमांकन करना चाहिए कि मास्टर प्लान के किसी विशेष भाग को किस समय से प्रभावी किया जाए और उसके कुछ भागों को भावी रूप से लागू किया जाए, स्थानीय आवश्यकताओं और शहर की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, ताकि मास्टर प्लान अधिक मानवीय और अधिक भारतीय स्वरूप का हो तथा हमारे देश के उस संक्रमणकालीन दौर को ध्यान में रखे, जिससे हमारा देश वर्तमान में गुजर रहा है और जो अभी विकासशील देश की स्थिति में है। अनुच्छेद 32 या 226 के अंतर्गत रिट क्षेत्राधिकार में विलंब और अकर्मण्यता के सिद्धांतों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ विचार में लिया जाना चाहिए, जैसा कि त्रिलोकरण्ड मोतीचंद (1969) में प्रतिपादित किया गया और नंदलाल जायसवाल (1986) में पुनः दोहराया गया। दोनों पाँच-न्यायाधीशीय पीठों के निर्णयों में तृतीय पक्ष के अधिकारों के अर्जित होने के प्रश्न पर उचित विचार किया गया है।

जहाँ कहीं भी शहरी विकास विधि के प्रतिकूल पाया जाता है, वहाँ लोकहित याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता को लोकहित के उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए कम-से-कम 20 वर्षों के सार्वजनिक जीवन के अनुभव के साथ अपनी सद्भावना सिद्ध करनी चाहिए। न्यायालय को यह भी मूल्यांकन करना चाहिए कि क्या लोकहित याचिका का प्रभाव भारत के नागरिकों की राजनीतिक शिक्षा को बाधित करने वाला है। क्या लोकहित याचिका का प्रभाव हितधारकों द्वारा अपने कर्तव्य के परित्याग के रूप में सामने आता है, विशेष रूप से संविधान की योजना के अनुसार विधायिका और कार्यपालिका की भूमिका को ध्यान में रखते हुए? साथ ही, कार्यपालिका की जिम्मेदारी को संस्थागत रूप से अधिक उत्तरदायी बनाया जाना चाहिए। संवैधानिक नैतिकता की मूल अपेक्षा यह है कि अनुच्छेद 32 और 226 के अंतर्गत प्राप्त असाधारण एवं विवेकाधीन रिट क्षेत्राधिकार का प्रयोग न्यायिक संयम, न्यायिक औचित्य और न्यायिक अनुशासन की सीमाओं के भीतर ही किया जाए।

इस विषय को वैकल्पिक तरीकों से भी देखा जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, जहाँ अत्यधिक यातायात जाम हो, वहाँ सम-विषम दिनों के आधार पर एकतरफा यातायात जैसी व्यवस्थाएँ अपनाई जा सकती हैं। अतः नवीन, मौलिक और भारतीय दृष्टिकोण आवश्यक है। अन्यथा मुझे संविधान सभा में श्री अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर द्वारा 23 नवंबर 1949 को दिए गए भाषण की याद आती है। उन्होंने कहा थाकिन्यायपालिका की स्वतंत्रता आवश्यक है, परंतु उसका सिद्धांत इस हद तक हठधर्मिता का रूप नहीं ले सकता कि न्यायपालिका सर्वोच्च विधायिका या सर्वोच्च कार्यपालिका के रूप में कार्य करने लगे।

सूर्यप्रताप सिंह राजावत,
एडवोकेट राजस्थान
हाईकोर्ट,जयपुर

राशिफल रविवार 4 अक्टूबर, 2026

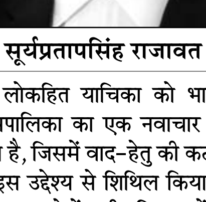

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत–2083, पुनर्वसु नक्षत्र रात्रि 12:14 तक, परिद्य योग दिन 12:32 तक, तैतिल करण सायं 4:53 तक, चन्द्रमा आज सायं 6:32 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवि पुष्य योग रात्रि 12:14 से सूर्योदय तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 12:14 से आरम्भ होगा। आज मातृ नवमी का श्राद्ध और सौभाग्य वतीना श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– चर 7:52 से 9:20 तक, लाभ अमृत 9:20 से 12:16 तक, शुभ 1:40 से 3:07 तक

राहुकाल– 4:30 से 6:00 तक, सूर्योदय 6:24, सूर्यास्त 6:07

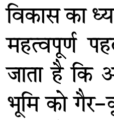

मेष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

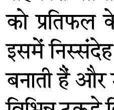

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

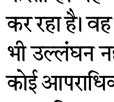

मिथुन

मानसिक तनाव दूर होगा। मनःस्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

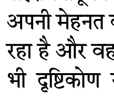

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

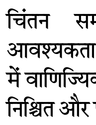

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

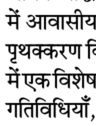

कन्या

महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

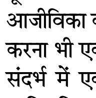

तुला

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

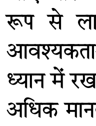

वृश्चिक

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

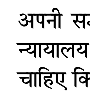

धनु

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

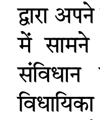

मकर

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। घर-परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

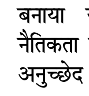

कुंभ

महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आवश्यक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

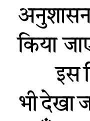

मीन

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 64 प्रभात जयपुर, रविवार 4 अक्टूबर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Is Another Mahabharata Due? | "We'll see what happens." (Donald Trump, on almost everything) | **Know the power of your brow** | **The Saint Who Answered Power with Bhakti** | For followers of the Varkari tradition, Sant Namdev Maharaj is not just a historical figure but a living presence in devotion

जब एआई के झूठ के कारण अमेरिका-चीन युद्ध होते-होते रह गया

सीएनएन की रिपोर्ट ने दावा किया कि जब अमेरिका-ईरान युद्ध चरम पर था, तब एआई ने चीन के एक जहाज में परमाणु हथियार की झूठी सूचना दी थी

- रिपोर्ट ने दावा किया है कि उक्त इंटैलिजैंस रिपोर्ट यूएस स्पेशल ऑपरेशन्स कमांड पैसिफिक के एक विशेषज्ञ ने चैट बॉट की मदद से बनाई थी। चैट बॉट ने चीन के जहाज में लदे सामान की गलत पहचान की और बताया कि इसमें परमाणु हथियार से संबंधित सामग्री है।
- उक्त विश्लेषक ने यह गोपनीय रिपोर्ट सेना को भेज दी और अमेरिकी सेना ने चीन के जहाज पर रेड करने की पूरी तैयारी कर ली, पर, वे कुछ करते इससे कुछ समय पहले ही पता लगा कि चैट बॉट ने गलती की है, वरना दो परमाणु महाशक्तियां भिड़ जातीं।
- दुनियाभर में एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है और एआई द्वारा गलत जानकारी देने का खतरा भी बढ़ रहा है, क्योंकि एआई की गलत जानकारी के आधार पर अगर कोई कदम उठाया जाए तो वह भारी विनाश ला सकता है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर। इस साल की शुरुआत में जब अमेरिका-ईरान युद्ध चरम पर था, तब एआई से तैयार एक खुफिया रिपोर्ट ने अमेरिका और चीन को युद्ध के कगार पर ला दिया था। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सैन्य बल मध्य पूर्व में एक चीनी जहाज पर चढ़कर उसकी तलाशी लेने के बेहद करीब पहुंच गए थे। खुफिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि जहाज पर परमाणु हथियार कार्यक्रम के लिए जरूरी सामग्री ले जाई जा रही थी। सशस्त्र जवान जहाज पर चढ़ने की तैयारी कर रहे थे। सैन्य विमान पहले ही हवा में थे। लक्ष्य की पहचान हो चुकी थी और अभियान को अमल में लाने की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे थे।

तभी एक चौंकाने वाली बात सामने आई कि खुफिया जानकारी गलत थी और इसे तैयार करने में आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस (एआई) की मदद ली गई थी।

सीएनएन द्वारा उद्धृत सूत्रों के अनुसार, यह रिपोर्ट अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशंस कमांड पैसिफिक से जुड़े एक विश्लेषक ने तैयार की थी। विश्लेषक ने जहाज के मैनिफेस्ट से जुड़ी खुफिया जानकारी का विश्लेषण करने के लिए एक चैटबॉट का इस्तेमाल किया था। सिस्टम ने जहाज पर मौजूद सामान की गलत पहचान कर ली और संभवतः पूरे विश्वास के साथ एक गलत निष्कर्ष दे दिया। इसके बाद विश्लेषक ने एआई का दोबारा इस्तेमाल कर इन निष्कर्षों को एक सामान्य खुफिया रिपोर्ट का रूप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'विधायक के जाति प्रमाण पत्र पर जाँच समिति तीन माह में फैसला दे'

जयपुर, 3 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जिले के केशोरायपाटन विधानसभा के एमएलए चुन्नीलाल बैरवा के खिलाफ फर्जी जाति प्रमाण पत्र के मामले में कहा कि इस संबंध में गठित की गई राज्य स्तरीय जांच समिति लंबित

- हाई कोर्ट ने केशोरायपाटन विधायक चुन्नीलाल बैरवा के खिलाफ कथित फ़र्ज़ी जाति प्रमाण पत्र पर राज्यस्तरीय जाँच समिति को निर्देश दिए।

अपील पर तीन माह में फैसला करे। जस्टिस आनंद शर्मा ने ये आदेश पूर्व एमएलए चंद्रकांता मेघवाल की याचिका को निस्तारित करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता प्रदीप सिंह निर्वाण ने बताया कि याचिकाकर्ता ने एमएलए चुन्नीलाल बैरवा पर फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनाने का आरोप लगाते हुए बूंदी की जिला स्तरीय छानबीन समिति से शिकायत की थी। जिला स्तरीय समिति ने उसकी शिकायत 6 मई 2024 को खारिज कर दी। इस पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

12 आईएएस के वेतन से रिकवरी और आपराधिक मामला दर्ज करने पर रोक

रोडवेज़ कर्मचारी के बकाया ओवरटाइम भुगतान के प्रकरण में लेबर कोर्ट ने पारित किए थे यह आदेश, जिस पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है

- इस विवादित आदेश को चुनौती देने वाले आईएएस अफसरों की 22 याचिकाओं पर हाईकोर्ट ने एक साथ सुनवाई की

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 3 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर श्रम न्यायालय क्रम-1 के उस आदेश पर रोक लगाई है, जिसमें एक रोडवेज कर्मचारी के बकाया भुगतान विवाद में 12 आईएएस अफसरों के वेतन से रिकवरी करने और उनके खिलाफ "हत्या की कोशिश" (आईपीसी की धारा-307) का मामला दर्ज करने के आदेश दिए थे। न्यायाधीश अनूप ढंढ ने इस संदर्भ में आईएएस अफसरों द्वारा दायर 22 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए श्रम न्यायालय द्वारा 3 सितंबर 2026 को जारी आदेशों पर रोक लगा दी है। इस मामले में याचिकाकर्ता आईएएस अधिकारियों की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद व उनकी सहायक वकील हर्षिता ठकराल, राजपाल धनखड़ पैरवी के लिए पेश हुए थे।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान रोडवेज के एक कंडक्टर ने साल 1996 से 2013 के बीच घोषित साप्ताहिक अवकाश (वीकली ऑफ) के दिनों में किए गए 124 दिनों के काम के लिए बकाया दुगुने ओवरटाइम भुगतान की मांग लेबर कोर्ट में की थी। इस पर लेबर कोर्ट ने 30 जून 2026 को आदेश दिया, जिसमें मूल राशि 1 लाख 9 हजार 740 रुपए ब्याज और मुकदमे के खर्च सहित तय की गई थी। जबकि राजस्थान रोडवेज ने कंडक्टर को केवल 13076 रुपए का आंशिक भुगतान किया था। ऐसे ही कुछ और मामले भी लेबर कोर्ट में लंबित थे।

बताया जा रहा है कि लेबर कोर्ट के जज दिनेश गुप्ता ने वर्ष 1993 तक के मामलों में जहां ओवर टाइम के लंबित प्रकरणों को सुनवाई के लिए ले लिया, वर्ष 2003 से अभी तक रोडवेज में कार्यरत रहे प्रबंध निदेशक व चेयरमैनों को नोटिस जारी किए।

लेबर कोर्ट ने अगस्त माह में एक आदेश दिया, जिसमें तत्कालीन रोडवेज के प्रबंध निदेशक रहे संदीप वर्मा व पुरूषोत्तम शर्मा का वेतन रोकने और उनके वेतन से राशि कटौती करके रोडवेजकर्मी के बकाया भुगतान के आदेश दे दिये। इसके बाद जज दिनेश गुप्ता ने अन्य मामलों में भी सुनवाई करते हुए, लगातार ऐसे आदेशों की झड़ी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सपा को साधने के लिए आराधना मिश्रा को यूपी की कमान सौंपी है कांग्रेस ने?

आराधना मिश्रा का सबसे बड़ा टास्क सपा के साथ सीटों के बंटवारे पर वार्ता करना और ज्यादा सीटें हासिल करना है

- यूपी की नई प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा उर्फ मोना सांसद प्रमोद तिवारी की बेटी हैं, इससे कांग्रेस को महिला व ब्राह्मण वोट बैंक को रिझाने में मदद मिलेगी।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में अपने हालिया संगठनात्मक बदलाव के जरिए अलग-अलग जातीय समूहों को साधने की कोशिश की है। इसी बदलाव के तहत राज्य इकाई के लिए नया अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया है। कांग्रेस की नई उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अराधना मिश्रा उर्फ मोना लगभग छह महीने बाद होने वाले चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति में एक अहम चेहरा बनकर सामने आई हैं। पार्टी ने कई नियुक्तियों के जरिए एक साथ कई लक्ष्य हासिल करने की कोशिश की है। अराधना मिश्रा दो बड़े वोट बैंकों, महिला और ब्राह्मणों का प्रतिनिधित्व करती हैं और समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव के साथ उनके अच्छे संबंध हैं।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी की बेटी, आराधना मिश्रा के सामने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अखिलेश यादव की पार्टी के साथ सीटों के बंटवारे पर बातचीत आगे बढ़ाने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। कांग्रेस ज्यादा सीटें चाहती है, जबकि समाजवादी पार्टी पीछे हटने को तैयार नहीं है। उसका कहना है कि भाजपा को रोकने के लिए उसकी स्थिति ज्यादा मजबूत है। दोनों पार्टियों के कुछ नेताओं की आपसी बयानबाजी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीजेपी जंतर-मंतर पर 10 अक्टूबर को बड़ा प्रदर्शन करेगी

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया तत्काल रोकने की मांग को लेकर जारी गतिरोध के बीच कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने आंदोलन तेज करने की घोषणा की है।

- अभिजीत दीपके ने कहा कि पुलिस हमें जहां रोकेगी, वहीं हमारा जंतर-मंतर बन जायेगा।

पार्टी का कहना है कि उसकी मांग पूरी नहीं होने पर 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर पार्टी की तरफ से व्यापक प्रदर्शन किया जाएगा।

सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने एक्स पर लिखा, "अगर ज्ञानेश कुमार इस्तीफ़ा नहीं देते हैं तो 10 अक्टूबर को पूरे देश से कॉकरोच दिल्ली के जंतर-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ड्रोन सेना का हिस्सा हैं, पर पृथक ड्रोन फोर्स की जरूरत नही है'

एयरचीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने पृथक ड्रोन सेना के विचार से असहमति जताई, लेकिन माना कि एयर फोर्स में ड्रोन की तादाद तेजी से बढ़ रही है

- उन्होंने कहा कि ड्रोन भारतीय वायु सेना के लिए क्रांति नहीं, बल्कि क्रमिक विकास का हिस्सा हैं। ये अन्य हथियार प्रणाली की तरह ही हैं।
- उन्होंने कहा, एयर फोर्स के पास "अनमैन्ड सिस्टम्स" को हैंडल करने वाली यूनिट्स हैं, जरूरत पड़ने पर इसे बढ़ाया जा सकता है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर। भारतीय वायुसेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने एक अलग ड्रोन फोर्स बनाने की संभावना से इनकार किया है, जबकि, वायुसेना मानवरहित सिस्टम (अनमैन्ड सिस्टम्स) का विस्तार कर रही है और फाइटर जैट्स की घटती संख्या की चुनौती का सामना कर रही है। उनका कहना है कि ड्रोन को अलग बल बनाने के बजाय, मौजूदा फोर्स के भीतर ही विमानों और अन्य हथियारों के साथ काम करना चाहिए। वायुसेना अब तेजस लड़ाकू विमानों और भविष्य के कॉम्बैट प्लेटफॉर्म्स को तेजी से शामिल करने पर भी जोर दे रही है।

भारतीय वायुसेना में और अधिक ड्रोन और लक्ष्य पर हमला करने वाले घूमते हुए हथियार (लॉइटरिंग म्युनिशन्स) शामिल किए जा रहे हैं। लेकिन एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि उन्हें मौजूदा कमांड व्यवस्था के अंदर ही रखा जाना चाहिए।

नई दिल्ली में वायुसेना की वार्षिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिंह ने कहा, "भारतीय वायुसेना के लिए ड्रोन कोई क्रांतिकारी बदलाव नहीं हैं, बल्कि क्रमिक विकास हैं। हम ड्रोन और लॉइटरिंग म्यूनिशन्स की संख्या बढ़ा रहे हैं। क्या हमें एक अलग ड्रोन फोर्स की जरूरत है? मुझे ऐसा नहीं लगता। उन्हें इसी व्यवस्था का हिस्सा होना चाहिए और हमें मिलकर काम करना होगा।"

उन्होंने कहा कि वायुसेना चाहती है कि ड्रोन, विमान और दूसरे हथियार एक ही सिस्टम के रूप में काम करें। उन्होंने कहा, "इन सभी को दूसरे हथियारों के साथ मिलकर काम करना चाहिए, ताकि वे वांछित प्रभाव पैदा कर सकें। हम ऐसा नहीं कर सकते कि एक तरह का हथियार कहीं अलग काम करे और दूसरी तरह के हथियार का कहीं अलग इस्तेमाल किया जाए। इसलिए हमने अलग ड्रोन बल बनाने के बारे में नहीं सोचा है।"

भारतीय वायुसेना के पास पहले से ही मानवरहित सिस्टम को संभालने वाली स्पैशलिस्ट यूनिट्स हैं और जरूरत पड़ने पर ऐसी और इकाइयां बनाई जा सकती हैं। सिंह ने युद्ध (कॉम्बैट) में इनके इस्तेमाल की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, "लक्ष्य पर हमला करने वाले घूमते हुए हथियारों (लॉइटरिंग म्यूनिशन्स) ने अफरा-तफरी पैदा करने और कुछ एयर डिफैंस एसैट्स को नष्ट करने में हमारी मदद की।"

यह नीति पोखरण में हाल ही में हुए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दुबई के क्राउन प्रिंस कैप्टन स्मित से मिले

दुबई, 03 अक्टूबर। दुबई के क्राउन प्रिंस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उपप्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री हमदान बिन मोहम्मद ने शनिवार को अस्पताल में भर्ती फ्लाईदुबई के कैप्टन स्मित मच्छार से मुलाकात की। कैप्टन स्मित ने यात्रियों से भरे विमान में आतंकी हमले के प्रयास को विफल करने में मुख्य भूमिका निभाई थी।

हमदान बिन मोहम्मद ने सोशल

- उन्होंने पायलट की बहादुरी व जिम्मेदारी की सराहना की।

मीडिया मंच 'एक्स' पर पायलट की बहादुरी और जिम्मेदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि मच्छार ने साहस, जिम्मेदारी और मानव जीवन के प्रति संवेदनशीलता की उच्चतम मिसाल पेश की।

क्राउन प्रिंस ने कहा कि यूएई के नेतृत्व और जनता की ओर से पायलट के प्रयासों के लिए उन्हें पूरा सम्मान और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हॉकी की चैंपियन्स ट्रॉफी (1985) में आखिरी 6 मिनट में चार गोल कर भारत को हारा हुआ मैच जिताया था परगट सिंह ने

क्या वे पंजाब में भी यही करिश्मा कर कांग्रेस को शानदार जीत दिला पाएंगे

- भारत के तथा दुनिया भर के हॉकी प्रेमियों को 1985 की चैंपियन्स ट्राफी का वह मैच याद है, जिसमें जर्मनी, भारत से 1-5 से आगे था, तभी सेंटर फॉरवर्ड परगट सिंह ने गेंद ली और आखिरी 6 मिनट में चार गोल कर दिए
- इसके बाद कराची में भी उन्होंने यही कारनामा दोहरा कर नीदरलैंड्स पर जीत दिलाई और फिर वे भारतीय हॉकी टीम के कप्तान भी बने।
- अब उन्हें पंजाब में कांग्रेस ने अपना कप्तान बनाया है, उनकी सबसे खास बात है कि वे किसी भी गुट के नहीं हैं। इसलिए वे सभी गुटों को एक साथ लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।
- परगट भारतीय हॉकी टीम के कप्तान रहे हैं और उन्हें पूरी टीम को साथ लेकर चलना आता है, देखना यह है कि उनका अनुभव राजनीतिक मैदान पर कितना काम आता है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर। कांग्रेस ने पंजाब में एक नए कप्तान के साथ अपनी जंग शुरू कर दी है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या परगट सिंह जीत का गोल कर पाएंगे या पार्टी को ही एक गोल गंवाना पड़ेगा?

परगट सिंह का चयन अपने साथ खेलों का ऐसा इतिहास लेकर आया है, जो लगभग एक राजनीतिक रूपक जैसा लगता है।

वर्ष 1985 हॉकी की चैंपियंस ट्रॉफी को याद कीजिए। पर्थ में जर्मनी के खिलाफ भारत 1-5 से पीछे था, तभी सेंटर-फॉरवर्ड परगट सिंह ने अपने 'डी' से गेंद उठाई, ड्रिबल करते हुए जर्मनी के 'डी' तक गए और गोल कर दिया। इसके बाद भारत ने महज छह मिनट में चार गोल दागकर मैच जीत लिया और परगट हीरो बनकर उभरे।

कराची में उन्होंने फिर यही कारनामा दोहराया और नीदरलैंड्स के खिलाफ गोल किया। सेंटर फॉरवर्ड के तौर पर यह भी उनका एक शानदार प्रदर्शन था। परगट 1992 और 1996 के ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने के साथ टीम के कप्तान भी रहे।

उनकी दूसरी पारी राजनीति में शुरू हुई। परगट सिंह अकाली दल में शामिल हुए, बाद में उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया और इसके बाद उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया। फिलहाल वे जालंधर कैंट से विधायक हैं।

इसका जवाब इस बात में हो सकता है कि वे किसका प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं- यानी पंजाब में कांग्रेस के भीतर किसी खास गुट का नहीं।

पार्टी में कई गुट हैं। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का अपना ग्रुप है, जबकि पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजा वड़िंग, जिन्होंने चार साल तक प्रदेश इकाई की कमान संभाली, का भी अपना एक संगठनात्मक नेटवर्क था। लेकिन परगट सिंह बड़ी हद तक इन गुटीय समीकरणों से दूर रहे हैं।

ऐसे समय में यह बात बहुत महत्वपूर्ण हो सकती है, जब कांग्रेस अपने विभिन्न गुटों को एक साथ लाने की कोशिश कर रही है।

परगट सिंह पहले भी कप्तान रह चुके हैं। उन्होंने राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व किया है और अलग-अलग पृष्ठभूमि तथा अलग-अलग स्वभाव वाले और परस्पर प्रतिद्वंदी खिलाड़ियों को सँभाला है। पार्टी को आशा है कि वे अपने इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूक्रेन ने भारत के प्रस्ताव को सबसे अनुकूल बताया

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर। लगभग साढ़े चार साल से चल रहा रूस-यूक्रेन युद्ध अब संभवतः समाप्ति की ओर जा रहा है और पूरी संभावना है कि इसमें

- यूक्रेन के विदेश मंत्री ने कहा, भारत का प्रस्ताव सबसे व्यापक हैं। तुर्की और मिस्र का प्रस्ताव खाद्य से जुड़ा हुआ है। अमेरिका का प्रस्ताव सिर्फ ऊर्जा पर केन्द्रित है, जबकि भारत के प्रस्ताव में ऊर्जा व कालासागर भी शामिल हैं।

भारत की भूमिका सबसे अहम हो। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से भारत के पीएम नरेन्द्र मोदी के इस दिशा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

सार-समाचार

3 हजार रुपये का इनामी स्थायी वारंटी गिरफ्तार

भरतपुर । जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर राजेश मीणा के निर्देशन में वांछित, उद्घोषित, ईनामी, स्थायी वारंटी, टॉप-10 एवं लंबित प्रकरणों में फरार आरोपियों की धरपकड के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत चिकसाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग के अपहरण के मामले में फरार चल रहे 3 हजार रुपये के ईनामी स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया है। वृत्ताधिकारी ठाामीण कन्हैयालाल के पर्यवेक्षण में थानाधिकारी चिकसाना ब्रजेश कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए "खजानसिंह पुत्र लक्खी, जाति लोधा राजपूत, उम्र 38 वर्ष, निवासी ननिका, पंडितजी मंदिर, नौकी का नगला, दहतोरा, थाना सिकंदरा, जिला आगरा, उत्तर प्रदेश" को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार 13 जून 2025 को एक व्यक्ति ने चिकसाना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग पुत्री 22 मई 2025 को दोपहर करीब 12 बजे शौच के लिए गई थी। आरोप है कि इसी दौरान खजानसिंह उसे बहला-फुसलाकर अपहरण कर ले गया। रिपोर्ट पर थाना चिकसाना में प्रकरण संख्या 185/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 16/17 में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। अनुसंधान के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश की और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय भरतपुर की ओर से "3 हजार रुपये का ईनाम घोषित" किया गया था।

सांभर में श्रीमद्भागवत कथा स्थल तक निकली कलश यात्रा

सांभरझील । श्री श्याम प्रेम मंडल समिति के तत्वाधान व आरएसटी मेमोरियल स्कूल एंड शाकंभरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सौजन्य से शनिवार से श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ अमृत वर्षा का विधिवत शुभारंभ हुआ। सीता सागर स्थित भोलेनाथ मंदिर से कलशो की विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद महिलाओं के सिर पर धारण कराया गया। रेलवे स्टेशन रोड़ स्थित श्री गोपाल गौशाला की धर्मशाला तक महिलाओं की कलश यात्रा के दौरान महिलाएं भक्ति संगीत पर नाचते गाते भक्ति भाव में डूबी रही। कथावाचक बांके बिहारी हरि जी महाराज श्रीधाम गोवर्धन निवासी ने कथा के प्रथम दिन गोकर्ण व सुखदेव आत्मकथा पर विस्तार से श्रद्धालुओं को जानकारी दी। शाकंभरी स्कूल के पीयूष राज व निशा सिनवाल ने बताया कि रविवार को कथा में कथा वाचक महाराज की ओर से सृष्टि वर्णन, कपिल देवकथा तथा अनसूईया की कथा का वाचन होगा। सभी धर्म प्रेमियों से श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कर धार्मिक लाभ लेने का अनुरोध किया है।

जनप्रतिनिधियों ने संभाली झाड़ू, सफाई मित्रों का किया सम्मान

फुलेरा। स्वच्छता ही सेवा-2026 के तहत शुक्रवार को स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर नगर पालिका फुलेरा की ओर से विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान की शुरुआत गांधी चौक से हुई, जहां महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद अंबेडकर सर्किल पर डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा ज्योतिबा फुले सर्किल पर महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान पालिका अध्यक्ष राजू दाधीच, उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह शेखावत, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रणव अग्रवाल, पूर्व पालिका अध्यक्ष रतन राजोरा, पूर्व मंडल अध्यक्ष महावीर जैन सहित पार्षदों ने स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता अभियान में भाग लिया। इस मौके पर पार्षद मुकेश गहनोलिया, सरदार चौधरी, प्रभुदयाल, मुकेश पारीक, दिलीप सुरोलिया, मुकेश सोनी एवं संजय वार्ष्णेय सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। अभियान के दौरान पालिका के राकेश कुमार, कृष्ण वाधवानी, जमादार कालूराम सहित सफाई कर्मचारी भी मौजूद रहे। पालिका अध्यक्ष राजू दाधीच ने सफाई मित्रों को माला पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने शहरवासियों से स्वच्छता को अपनी दैनिक जिम्मेदारी बनाने तथा स्वच्छ और सुंदर फुलेरा के निर्माण में जनभागीदारी निभाने का आ ान किया।

सही खान-पान, स्वस्थ राजस्थान अभियान 3 से

टोंक। राज्य सरकार के निर्देशन में चलाये जा रहे प्रदेशभर में "सही खान-पान, स्वस्थ राजस्थान" अभियान जो 3 से 16 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। इसी अभियान में चिकित्सा विभाग की खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इस अभियान के दौरान स्कूलों में विद्यार्थियों को स्वस्थ टिफिन, पौष्टिक आहार, स्वच्छता, खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान तथा पैकेटबंद खाद्य सामग्री का लेबल पढ़ने के बारे में जानकारी दी जा रही है। अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. मदन लाल गुर्जर, राजवीर चारण, एवं आराधना शर्मा ने राजकीय संस्कृत वरिष्ठ उपाध्याय विद्यालय, गहलोद एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, किशनपुरा पहुंचकर विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं पौष्टिक खान-पान के प्रति जागरूक किया। उन्होंने खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान, स्वच्छता तथा पैकेटबंद खाद्य सामग्री खरीदते समय लेबल एवं आवश्यक जानकारी जांचने के महत्व के बारे में बताया। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सत्यनारायण गुर्जर व रामकृष्ण गोठवाल ने राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय, सिविल लाइन, टोंक एवं राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय, कोहना, टोंक में विद्यार्थियों को स्वस्थ खान-पान एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। विद्यार्थियों को पौष्टिक आहार अपनाने, स्वस्थ टिफिन रखने, हाथों की स्वच्छता एवं भोजन की बर्बादी रोकने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान में सीएमएचओ डॉ. शैलेंद्र सिंह चौधरी ने आमजन से अपील की कि सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं लेबल की जानकारी जांचकर ही खाद्य सामग्री खरीदें तथा मिलावट के प्रति जागरूक रहते हुए स्वस्थ राजस्थान के निर्माण में सहभागी बनें।

फुलेरा में सफाई मित्रों का सम्मान

फुलेरा। स्वच्छता ही सेवा-2026 के तहत शुक्रवार को स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर नगर पालिका फुलेरा की ओर से विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान की शुरुआत गांधी चौक से हुई, जहां महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद अंबेडकर सर्किल पर डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा ज्योतिबा फुले सर्किल पर महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान पालिका अध्यक्ष राजू दाधीच, उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह शेखावत, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रणव अठावाल, पूर्व पालिका अध्यक्ष रतन राजोरा, पूर्व मंडल अध्यक्ष महावीर जैन सहित पार्षदों ने स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता अभियान में भाग लिया। इस मौके पर पार्षद मुकेश गहनोलिया, सरदार चौधरी, प्रभुदयाल, मुकेश पारीक, दिलीप सुरोलिया, मुकेश सोनी एवं संजय वार्ष्णेय सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। अभियान के दौरान पालिका के राकेश कुमार, कृष्ण वाधवानी, जमादार कालूराम सहित सफाई कर्मचारी भी मौजूद रहे। पालिका अध्यक्ष राजू दाधीच ने सफाई मित्रों को माला पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गांधीजी को पुष्पांजलि दी

फुलेरा। राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की जयंती पर गांधी चौक फुलेरा में नगर कांग्रेस कमेटी की ओर से श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम नगर कांठोस कमेटी अध्यक्ष अमरचंद सैनी की अध्यक्षता एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष निरंजन निठारवाल के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान जितेंद्र अग्रवाल, मोतीलाल वर्मा, सूरज घारु, वेदप्रकाश, प्रेमप्रकाश, गिर्राज तंवर, अजीज लोहार, रहीस मंसूरी, मांगीलाल पवार, अमरचंद दैराण सहित जिला, ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चेजा पत्थर से भरा डंपर जब्त

टोंक। दतवास थाना पुलिस ने पंचायती राज चुनाव-2026 को देखते हुए अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ कार्यवाही करते हुए चेजा पत्थर से भरा एक डंपर जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है।

सड़कों से गांव के अंतिम छोर तक पहुंच रहा विकास : जवाहर सिंह बेढ़म

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने शनिवार को बृजनगर विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया।

- गृह राज्य मंत्री बेढम ने 3.46 करोड़ की 6 सड़कों का शिलान्यास किया

डीग भरतपुर (निसं)। गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग के राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़कें केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि गांवों की तरक्की का आधार हैं। सड़क संपर्क मजबूत होने से ग्रामीणों की बाजार, विद्यालय, अस्पताल और अन्य जरूरी सेवाओं तक पहुंच आसान होती है। किसानों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में सुविधा मिलती है और इससे गांवों में व्यापार तथा आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलती है । बेढ़म ने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। विकास योजनाओं का लाभ गांव के अंतिम छोर तक पहुंचे, इसके लिए सड़क, पानी, बिजली सहित मूलभूत सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वीकृत सड़क परियोजनाओं के पूरा होने से ग्रामीण क्षेत्रों के बीच संपर्क बेहतर होगा और आमजन के आवागमन में समय तथा संसाधनों की बचत होगी गृह राज्य मंत्री बेढ़म ने शनिवार को बृजनगर विधानसभा क्षेत्र के महमदपुर, बद्री, डाबक, बृजेन्द्रपुरा, इमलारी एवं पालका सहित विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस दौरान गौरतलब है कि गृह राज्य मंत्री ने लगातार दूसरे दिन क्षेत्र में सड़क विकास परियोजनाओं का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। दो दिनों में मेवात विकास योजना के तहत 3.82 करोड रुपए की लागत से 5 सड़कें, कुल 12.30 किलोमीटर लंबाई की, जबकि मिसिंग लिंक योजना में 5.50 करोड़ रुपए की लागत से 10 सडकें, कुल 16 किलोमीटर लंबाई की स्वीकृत परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। इस तरह दो दिनों में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने अपने विधानसभा क्षेत्र वृज नगर में विकास के नए आयाम स्थापित करते हुए 9.32 करोड़ रुपए की लागत से 15 सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया है। इनकी कुल लंबाई 28.30 किलोमीटर है। परियोजनाओं के पूरा होने से बृजनगर विधानसभा क्षेत्र के ठाामीण इलाकों में आपसी सड़क संपर्क मजबूत होने के साथ आवागमन सुविधाओं का विस्तार होगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली कूच

पावटा । कांग्रेस एवं एनएसयूआई के आव्हान पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शुक्रवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में पावटा उपखंड से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कांग्रेस जिला सचिव ओपी बायला के नेतृत्व में कार्यकर्ता पावटा में राजमार्ग स्थित होटल ग्रीन पार्क के सामने एकत्रित हुए और वाहनों से दिल्ली के लिए रवाना हुए । दिल्ली पहुंचने के बाद कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के नेतृत्व में आयोजित धरना-प्रदर्शन में सहभागिता की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मांग के समर्थन में नारेबाजी की और प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तारियां भी दीं। कांग्रेस जिला सचिव ओपी बायला ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाते रहेंगे। वहीं पावटा ब्लॉक कांग्रेस प्रवक्ता जितेन्द्र यादव ने कहा कि क्षेत्र से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं का दिल्ली पहुंचना संगठन के प्रति सक्रियता है।

गणेश पूजन के साथ रामलीला मंचन शुरु

पावटा। आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्वाधान में 75 वर्षों से चली आ रही रामलीला मंचन की परंपरा के तहत शुक्रवार कोप्राचीन श्री गौपाल भैया मंदिर महंत मोहनदास रामायणी महाराज एवं बाबा भूतनाथ मंदिर महंत जयराम दास त्यागी महाराज के सानिध्य में पंडित अश्वनी कुमार शर्मा, पंडित मनोज कुमार शास्त्री द्वारा वैदिक विधि विधान पूर्वक पूजा-अर्चना कर रामलीला का विधिवत शुभारम्भ हुआ।गायक कलाकार राधेश्याम गंधर्व, बंटी शर्मा, गुलजारी सोनी सहित अन्य भजन गायक कलाकारों भजनो की प्रस्तुति देकर श्रद्धालु भक्तों को भाव विभोर किया।इस दौरान रामलीला मंडल के पदाधिकारी, कलाकार एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।आदर्श रामलीला मंडल पावटा संरक्षक महेश पारीक, उमेश टांक, वीरेंद्र बंसल, राजेंद्र प्रसाद गौड, अध्यक्ष योगेश शर्मा, डायरेक्टर मोहन गौड ने बताया किरामलीला मंचन को लेकर मंडल की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कलाकारों ने संवाद, अभिनय और मंच सज्जा का अभ्यास पूरा कर लिया है।शनिवार को प्रथम लीला के रूप में नारद मोह लीला का मंचन किया गया।पौराणिक प्रसंग पर आधारित इस लीला में नारद मुनि के मोह तथा भगवान विष्णु की लीला का रोचक एवं जीवंत मंचन कलाकारों द्वारा किया गया। रामलीला के शुभारंभ को लेकर कस्बे सहित आसपास के ठाामीण क्षेत्रों में भी उत्साह का माहौल है। आयोजन स्थल पर दर्शकों की सुविधा को लेकर व्यवस्थाएं की गई हैं। मंडल की ओर से आगामी दिनों में भी भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े विभिन्न धार्मिक एवं पौराणिक प्रसंगों का मंचन किया जाएगा। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रामलीला मंचन का आनंद लेने की अपील की है। इस दौरान अग्रवाल महासभा पावटा पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश बंसल, आदर्श रामलीला मंडल पावटा संरक्षक उमेश टांक, महासभा पावटा नगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा, वरिष्ठ सदस्य रमाकांत गौड़, शंकर शर्मा, एडवोकेट विष्णु पटेल, अध्यक्ष योगेश शर्मा, लक्ष्मीकांत शर्मा, सोमदत्त शर्मा, राघव टीलावत, केशव, लक्ष्य, धर्मेंद्र , अमित बटवाल सहित पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

फुलेरा में वृद्ध जनों का सम्मान

फुलेरा। कस्बे के गणगौरी बाजार स्थित रामद्वारा सभागार में श्री रामद्वारा रामधन जौहरीलाल ट्रस्ट, फुलेरा की ओर से अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस समारोह आयोजित किया गया। समारोह में वृद्धावस्था से संबंधित समस्याओं, वृद्धावस्था में होने वाले रोगों की चिकित्सकीय जानकारी तथा सरकार की ओर से संचालित योजनाओं एवं अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बुजुर्गों को नियमित व्यायाम व योग को दिनचर्या में शामिल कर शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ आवश्यक चिकित्सा एवं संतुलित आहार के संबंध में जानकारी दी। इस दौरान उपस्थित वृद्धजनों ने अपने अनुभव भी साझा किए। समारोह में 75 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके एवं इससे अधिक आयु के बुजुर्गों का सम्मान किया गया। महिलाओं की भागीदारी पर भी विशेष जोर दिया गया। वहीं उपस्थित वृद्धजनों में सबसे अधिक आयु के महिला एवं पुरुष का विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सांभरलेक उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल,प्राकृतिक चिकित्सक मोना, भंवरलाल कुमावत, रामेश्वर लाल वर्मा, रमेश चंद वर्मा सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे।

महाराजा अग्रसेन जयंती की तैयारियां जोर-शोर पर

- महाराजा अग्रसेन महाराज जयंती का शुभारंभ 10 अक्टूबर को अग्रवाल धर्मशाला में सुबह ध्वजारोहण के साथ होगा।

निवाई। अग्रवाल समाज के तत्वावधान में महाराजा अठासेन महाराज की 5180 जन्म जयंती की तैयारियों को लेकर भंवरलाल सीडडा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। जिसमें महाराजा अग्रसेन महाराज की जयंती की व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। प्रधानाचार्य राकेश अग्रवाल व ताराचंद बोहरा ने बताया कि महाराजा अग्रसेन महाराज जयंती का शुभारंभ 10 अक्टूबर को अग्रवाल धर्मशाला में सुबह ध्वजारोहण के साथ होगा। इसी दिन सुबह 9 बजे से रक्तदान शिविर का आयोजन होगा एवं सांय काल नसियां जैन मंदिर में महिला मण्डल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इसी प्रकार 11 अक्टूबर को महाराजा अठासेन महाराज का अग्रवाल धर्मशाला से विशाल शोभायात्रा का जुलूस रवाना होगा। जो बड़ा बाजार व अहिंसा सर्किल होते हुए नसियां जैन मंदिर में पहुंचेगा। उसके पश्चात समस्त अठावाल समाज का सामूहिक स्नेह भोज का आयोजन होगा। बैठक में भंवरलाल सीडडा, महावीरप्रसाद पराना, प्रधानाचार्य राकेश अग्रवाल, ताराचंद बोहरा, मोहनलाल अग्रवाल, रवि अग्रवाल व मुकेश गिन्दाडी सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

अवैध शराब व जुआं सट्टा के पांच आरोपी पकड़े

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे अवैध शराब व जुआं सट्टा की रोकथाम विशेष अभियान के तहत निवाई वृत्ताधिकारी रवि प्रकाश एवं निवाई थानाधिकारी घासीराम के नेतृत्व में गठित विभिन्न थाना पुलिस टीमो द्वारा दौराने गश्त निवाई क्षेत्र के झिलाई रोड से सेवानन्द कालेज की तरफ जाने वाले रास्ते पर अवैध हथकड शराब परिवहन करते के मुकसद से दो लीटर अवैध हथकड शराब के साथ आरोपी शाहरूख पुत्र मुख्तार अली उम्र 22 साल निवासी ग्राम झिलाई थाना निवाई को गिरफ्तार किया जाकर आरोपी के खिलाफ एक्साईज एक्ट मे प्रकरण दर्ज किया गया है। अन्य टीम ने थाना निवाई क्षेत्र के जसिहपुरा मोड बाईपास पर सार्वजनिक स्थान पर रुपयों पैसो का दांव लगाकर ताश पत्ती खेलते हुए रामनारायण पुत्र जन्सीलाल मीणा, छोटुलाल पुत्र ओकारमल मीणा, रामकिशोर पुत्र भूरालाल मीणा व श्योजीराम पुत्र हीरालाल जाट को गिरफ्तार किया जाकर उनके कब्जे से जुआ राशि 3 हजार 50 रूपये जप्त किये गये है। चारो आरोपियों के खिलाफ आरपीजीओ एक्ट मे प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग विषय पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित

निवाई। भगवान दास पारीक ड्रीम स्कूल में सीबीएसई अजमेर रीजनल ऑफिस के तत्वावधान में कक्षा शिक्षण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग विषय पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अजमेर क्षेत्र के विभिन्न सीबीएसई संबद्ध विद्यालयों से आए शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सीबीएसई के रिसोर्स पर्सन एवं विशेषज्ञ शेफाली जैन एवं गौरव पाटनी ने प्रशिक्षण सत्र का संचालन किया। दोनों विशेषज्ञों ने शिक्षण प्रक्रिया में एआई के प्रभावी एवं व्यावहारिक उपयोग से संबंधित विभिन्न टूल्स, तकनीकों एवं उनके प्रयोग की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंन बताया कि एआई का उपयोग पाठ योजना तैयार करने, शिक्षण सामठाी विकसित करने, विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने व कक्षा शिक्षण को रोचक एवं तकनीक सक्षम बनाने में किस प्रकार किया जाता है। प्रशिक्षण सत्र में प्रतिभागियों ने विभिन्न एआई टूल्स एवं तकनीकों को समझने के साथ-साथ उनके व्यावहारिक प्रयोग में भी रुचि दिखाई। विद्यालय निदेशक यशवंत पारीक ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिक्षकों को बदलते शैक्षिक परिवेश के अनुरूप अपने शिक्षण कौशल को विकसित करने में सहायक होते हैं।

बुजुर्गों को नियमित व्यायाम की सलाह

फुलेरा। कस्बे के गणगौरी बाजार स्थित रामद्वारा सभागार में श्री रामद्वारा रामधन जौहरीलाल ट्रस्ट, फुलेरा की ओर से अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस समारोह आयोजित किया गया। समारोह में वृद्धावस्था से संबंधित समस्याओं, वृद्धावस्था में होने वाले रोगों की चिकित्सकीय जानकारी तथा सरकार की ओर से संचालित योजनाओं एवं अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बुजुर्गों को नियमित व्यायाम व योग को दिनचर्या में शामिल कर शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ आवश्यक चिकित्सा एवं संतुलित आहार के संबंध में जानकारी दी। इस दौरान उपस्थित वृद्धजनों ने अपने अनुभव भी साझा किए। समारोह में 75 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके एवं इससे अधिक आयु के बुजुर्गों का सम्मान किया गया। महिलाओं की भागीदारी पर भी विशेष जोर दिया गया।

निवाई की 13 ग्राम पंचायतें बनी बाल विवाह मुक्त

निवाई में बाल विवाह मुक्त पंचायत का प्रमाण-पत्र सौंपा।

निवाई। भारत सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत क्षेत्र की 13 ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त घोषित किया गया। इस अवसर पर आयोजित ग्राम सभाओं में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने, बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने व सुरक्षित बचपन सुनिश्चित करने का सामूहिक संकल्प लिया गया। ग्राम पंचायत ललवाड़ी, सेदरिया, झिलाय, चैनपुरा, पलेई, खण्डदेवत, मूंडिया एवं सुनारा सहित पीपलू क्षेत्र की कठमणा, सन्देडा, बोरखंडीकला, बनवाडा एवं रानोली ग्राम पंचायतें इस पहल में शामिल रहीं।

सिकोईडिकोन के परियोजना समन्वयक देवेन्द्र कुमार जांगिड ने कहा कि बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत बनाना केवल एक घोषणा नहीं, बल्कि बच्चों के सुरक्षित भविष्य के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी है। पंचायतों, सरकारी विभागों व समुदाय की भागीदारी से ही बाल विवाह मुक्त समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा 27 नवंबर 2024 को शुरू किए गए बाल विवाह मुक्त भारत राष्ट्रीय अभियान के उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए यह पहल की गई। इस पहल में पंचायती राज विभाग, महिला एवं बाल अधिकारिता विभाग, सरपंच, पंचायत सचिव, जनप्रतिनिधियों एवं ठाामीण समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी ने बाल विवाह की रोकथाम तथा बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा व सम्मानपूर्ण बचपन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताई। सिकोईडिकोन संस्था द्वारा जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के पार्टनर के रूप में न्याय तक परियोजना के अंतर्गत मई 2023 से जिले में बाल विवाह उन्मूलन, बाल अधिकारों के संरक्षण एवं जनजागरूकता के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

सार-समाचार

जन्म शताब्दी समारोह में युवा जागरण पर फोकस

राजगढ़ । वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा जन्म शताब्दी समारोह वर्ष के अंतर्गत गायत्री शक्तिपीठ राजगढ़ में तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत दूसरे दिन युवा जागरण एवं व्यक्तित्व निर्माण पर फोकस रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ बालक केशव प्रधान ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में जय दुर्गा , चिल्ड्रन एकेडमी, राव एजुकेश, लक्ष्मी बाल , भारतीय विद्यापीठ , एसडी स्कूल एवं संकल्प आईटीआई के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रणव तिवारी (ग्राफिक डिजाइनर) ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि केवल अच्छे अंक ही सफलता का आधार नहीं हैं, बल्कि वर्तमान समय में कौशल विकास भी आवश्यक है। कार्यक्रम में पंजाब से समीर त्रिपाठी ने युवाओं को मोबाइल एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक के सही उपयोग के बारे में बताया। उन्होंने समझाया कि तकनीक का उपयोग रचनात्मक एवं सार्थक कार्यों के लिए किया जाना चाहिए। सवित्रा राव ने भारत की विविधता और युवाओं के भीतर छिपी संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने, उसे जागृत करने तथा अपनी क्षमताओं का सकारात्मक दिशा में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद दिया राजस्थान के संस्थापक सदस्य संदीप त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को सार्थक जीवन एवं सफलता का अर्थ समझाया। उन्होंने गायत्री मंत्र के भावार्थ के साथ व्यक्तित्व विकास के विभिन्न चरणों तथा नियमित दिनचर्या के महत्व पर प्रकाश डाला । ट्रस्टी कृपा शर्मा ने बताया कि त्रिदिवसीय श्रृंखला के अंतिम दिवस 4 अक्टूबर को नारी जागरण सम्मेलन का आयोजन गायत्री शक्तिपीठ राजगढ़ में किया जाएगा। शक्तिपीठ के प्यारेलाल, नाथू राम ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर चरण सिंह, ज्ञानेंद्र शर्मा, मुकेश गुप्ता, सतीश बड़ाया, मुरारीलाल शर्मा एवं राज शर्मा सहित गायत्री परिवार के कार्यकर्ता एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कॉलेज के सेमिनार हॉल के एसी में शॉर्ट सर्किट से आग

राजगढ़ । कस्बे के महाविद्यालय के सेमिनार हॉल के एसी में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई । इस घटना के समय सेमिनार हाल में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के दौरान कार्यक्रम का आयोजन हो रहा था। आग लगने पर सेमिनार हॉल में बैठे विद्यार्थियों को कार्यक्रम अधिकारियों एवं स्टाफ ने तुरंत बाहर निकाला। महाविद्यालय प्रशासन एवं कर्मचारियों ने करीब 30 मिनट बाद आग पर काबू पाया। बड़ा हादसा टलने पर महाविद्यालय प्रशासन ने राहत की सांस ली। महाविद्यालय के प्राचार्य देशराज वर्मा ने बताया कि राजकीय महाविधालय में दूसरी मंजिल पर सेमीनार हॉल में राष्ट्रीय सेवा योजना का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान एसी में शार्ट सर्किट हुआ और आग लग गई। आग लगते ही सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया। आग लगने से एसी व फर्श पर कारपेट जल गई।उन्होंने बताया की आग की सूचना पर फायर ब्रिगेड, तहसीलदार रतनलाल बंशीवाल व पुलिस मौके पर पहुंची एवं स्थिति की जानकारी की। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। तहसीलदार रतनलाल बंसीवाल ने महाविद्यालय प्राचार्य को सभी कक्षो में सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

छौरिया के 6 विद्यार्थियों का राज्य स्तर पर चयन

निवाई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय छौरिया के जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में 6 विद्यार्थियों का राज्य स्तर पर चयन हुआ है। रग्बी खेल में 19 वर्षीय बालिका वर्ग में कोमल गुर्जर पुत्री रामजीलाल गुर्जर, रेणु गुर्जर पुत्री केदार गुर्जर व कमली गुर्जर पुत्री छीतर गुर्जर का चयन हुआ है। वहीं 14 वर्षीय फुटबॉल प्रतियोगिता में कोमल मीणा पुत्री सूरज मीणा, अंकिता गुर्जर पुत्री योगेश गुर्जर एवं अभिषेक गुर्जर पुत्र विश्राम गुर्जर का राज्य स्तर पर चयन हुआ है। प्रधानाचार्य सुरेन्द्रसिंह चौहान ने बताया कि विद्यालय में 70वीं जिला स्तरीय 14 वर्षीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ है। जिसमें 6 विद्यार्थियों का राज्य स्तर पर चयन होना विद्यालय व क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। प्रधानाचार्य ने इसका श्रेय समस्त ठाामवासियों, विद्यालय स्टाफ एवं विद्यालय के व्याख्याता रामचन्द्र मीणा के अथक परिश्रम को दिया है, जिन्होंने 2 माह तक लगातार विद्यालय समय के बाद प्रतिदिन 3 घंटे तक विद्यार्थियों को खेलों का नियमित अभ्यास कराया। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षिका रजनी मीणा, पुजारी सत्यनारायण शर्मा, श्योजीराम गर्जर, अम्बालाल गुर्जर, छीतर गुर्जर, हरिराम गुर्जर, माधोजी मीणा एवं शिवपाल मीणा सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

दिल की बीमारियां तेजी से बढ़ रही है : रजनीश शर्मा

मनोहरपुर । रजनीश हॉस्पिटल शाहपुरा के निदेशक डॉक्टर रजनीश शर्मा ने कहा कि विश्व हृदय दिवस हर साल 29 सितंबर को मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर में हृदय रोगों (दिल की बीमारियों), उनके जोखिमों और बचाव के उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इसकी शुरुआत विश्व हृदय महासंघ ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मिलकर वर्ष 2000 में की थी।आज के समय में गलत खान-पान, शारीरिक निष्क्रियता और तनाव के कारण दिल की बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, जिनसे समय रहते सावधानी बरतकर बचा जा सकता है। विश्व हृदय दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को दिल की सेहत के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देना है ताकि हृदय रोगों से होने वाली मौतों को कम किया जा सके। इस अवसर पर डॉ. रजनीश शर्मा ने कहा - "आज हार्ट अटैक केवल बुजुर्गों की बीमारी नहीं रही। युवाओं में भी इसके मामले बढ़े हैं। दिल को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार लें, रोजाना 30 मिनट सैर या योग करें, तनाव से दूर रहें और नशे से तौबा करें। समय-समय पर अपना ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल जरूर चेक करवाएं।

युवाओं ने एक व्यक्ति-एक पेड़ का संकल्प लिया

मनोहरपुर । विश्व प्रकृति दिवस के मौके पर आज शनिवार को कस्बे मनोहरपुर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक अनोखी और प्रेरणादायक पहल की गई। प्रकृति के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में कस्बे के पर्यावरण प्रेमी, युवा, बुजुर्ग और समाजसेवी एक मंच पर एकजुट नजर आए। सुप्रीम गैस एजेंसी के प्रॉपराटर इंद्र कुमार अठावाल ने बताया कि हर साल 3 अक्टूबर को विश्व प्रकृति दिवस मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों में प्रकृति के प्रति प्रेम, सम्मान और संरक्षण की भावना पैदा करना है। आज के दौर में जब तापमान लगातार बढ़ रहा है, भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है और हरियाली सिमटती जा रही है, ऐसे में इस दिवस का महत्व और भी बढ़े जाता है। आज शनिवार को मनोहरपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण किया गया, पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई और लोगों को प्लास्टिक मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि मनोहरपुर की पहचान कभी हरे-भरे पेड़ों, ठंडी छांव और शुद्ध हवा से होती थी, लेकिन अब बेतहाशा निर्माण और कंक्रीट के जंगल के कारण यह पहचान खतरे में है। वक्ताओं ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर हम समय रहते नहीं संभले, पेड नहीं लगाएं" लेकिन जीवन सिर्फ पेड़ ही देंगे। युवाओं ने कहा कि सिर्फ पौधा लगाना ही काफी नहीं है, उसे पेड़ बनाना असली सेवा है।

एएनटीएफ ने छह जिलों में 424 किलो मादक पदार्थ जब्त किए

इस मामले में 5 तस्कर गिरफ्तार; डोडा पोस्त, अफीम, एमडी और एमडीएमए बरामद

जयपुर (कासं)। 'नशा मुक्त राजस्थान-2029' अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने शनिवार को प्रदेश के छह जिलों में एक साथ कार्रवाई कर नशा तस्करी के नेटवर्क पर बड़ा प्रहार किया। बाड़मेर, नागौर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और उदयपुर में की गई छह अलग-अलग कार्रवाइयों में 424 किलो से अधिक डोडा पोस्त, अफीम, एमडीएमए और एमडी बरामद किए गए। कार्रवाई में 5 आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ चार वाहन जब्त किए गए। बरामद मादक पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 65 लाख रुपए बताई गई है।

एएनटीएफ महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार ने बताया कि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा और अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के मार्गदर्शन में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। तस्करी नेटवर्क पर कार्रवाई के साथ नशे की मांग कम करने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने शनिवार को प्रदेश के छह जिलों में एक साथ कार्रवाई करके नशे की खेप के साथ तस्करों को गिरफ्तार किया।

■ आरोपियों के कब्जे से चार वाहन भी जब्त किए पुलिस टीम ने

बाड़मेर में 248 किलो डोडा-पोस्त पकड़ा

बाड़मेर के नागाणा थाना क्षेत्र में एएनटीएफ की सूचना पर स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में 248 किलो 550 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया गया। मौके से किआ कार जब्त कर अशोक कुमार पुत्र आईदानराम (37), निवासी अम्बावाडी शिव, हाल कवास को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी काउखेड़ा क्षेत्र से डोडा पोस्त लेकर गुजर रहा है। नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध कार दिखाई देने पर चालक ने वाहन वापस मोड़ने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उसे रोक लिया। तलाशी में कार से काले प्लास्टिक कट्टों और कपडे के बोरों में भरा डोडा पोस्त मिला। पूछताछ में आरोपी के पूर्व में भी डोडा पोस्त तस्करी से जुड़े होने की जानकारी सामने आई। वह मेवाड़ और मध्यप्रदेश से मादक पदार्थ लाकर मारवाड़ में सप्लाई करने वाले तस्करों के संपर्क में था। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी तस्करी सहित अन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं और कुछ मामलों में वह फरार चल रहा था।

नागौर में मकान से 44 किलो डोडा-पोस्त बरामद

नागौर के श्रीबालाजी थाना क्षेत्र के रातड़ी गांव में एएनटीएफ की सूचना पर पुलिस ने चोखाराम के मकान पर कार्रवाई की। तलाशी के दौरान कमरे से तीन काले प्लास्टिक कट्टे, इलेक्ट्रॉनिक कांटा और मिक्सी मिली। कट्टों की जांच में डोडा पोस्त चूरा और छिलका बरामद हुआ। पुलिस ने 44 किलो 274 ग्राम डोडा पोस्त जब्त कर चोखाराम पुत्र मूलाराम (39) को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा में बस के इंतजार में था तस्कर

भीलवाड़ा के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में सुखाड़िया सर्किल के पास कार्रवाई कर पुलिस ने 24 किलो 840 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया। मौके से संदीप पुत्र बक्शी सिंह (29), निवासी फरीदकोट पंजाब, हाल कोटकपुरा को गिरफ्तार किया गया।

आरोपी दो बैग लेकर बस का इंतजार कर रहा था। घेराबंदी कर पकडे जाने के बाद बैगों की तलाशी में डोडा पोस्त मिला। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी मध्यप्रदेश से मादक पदार्थ लेकर राजस्थान के रास्ते पंजाब पहुंचाता था और प्रत्येक चक्कर के करीब 10 हजार रुपए लेता था।

चित्तौड़गढ़ के गंगरार थाना क्षेत्र के कुरातिया गांव में एएनटीएफ की सूचना पर स्थानीय पुलिस ने कार्रवाई की। तलाशी में 139.05 ग्राम अफीम और 5 ग्राम एमडीएमए बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से देवीलाल पुत्र लक्ष्मण (50), निवासी कुरातिया को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया।

उदयपुर में स्कूटी सवार से एमडी मिली

उदयपुर के डबोक थाना क्षेत्र में गुउली से खेमली की ओर जाते समय एएनटीएफ टीम को सडक किनारे एक व्यक्ति स्कूटी के साथ संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। टीम को देखते ही वह खेतों की ओर भागने लगा। पीछा कर उसे पकडने के बाद स्थानीय पुलिस को मौके पर बुलाया गया।

तलाशी में कैलाश पुत्र खरताराम (30), निवासी ओड़वाडिया, थाना डबोक के पास से 5.73 ग्राम एमडी बरामद हुई। पुलिस ने एमडी के साथ उसकी स्कूटी भी जब्त कर ली। एएनटीएफ की छह कार्रवाइयों में मादक पदार्थों की बरामदगी के साथ इनके परिवहन और सप्लाई नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर मादक पदार्थों के स्त्रोत और आगे की सप्लाई श्रृंखला से जुडे अन्य लोगों की पहचान के प्रयास जारी है।

नया क्रेडिट कार्ड बनवाने का झांसा देकर 1.82 लाख रुपए की ठगी

जयपुर। गुलाबी नगरी में डिजिटल ठगी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। साइबर जालसाजों ने अब बैंक अधिकारी बनकर आमजन को अपने जाल में फंसाना शुरू कर दिया है। साइबर ठग ने बजाज नगर थाना इलाके में रहने वाले एक युवक के मोबाइल पर कॉल कर खुद को बैंक अधिकारी बताया और क्रेडिट कार्ड जारी करने का झांसा दिया और एक पीडित के खाते से 1.82 लाख रुपये से अधिक की राशि पार कर दी। पुलिस के बताए अनुसार, टोंक रोड स्थित नेताजी सुभाष नगर निवासी 44 वर्षीय मनीष अजमेरा ने धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित ने रिपोर्ट में बताया कि 29 सितंबर को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले ने खुद को बैंक का वरिष्ठ अधिकारी बताते हुए नया क्रेडिट कार्ड जारी करने का प्रलोभन दिया।

झांसे में लेकर साइबर ठग ने पीड़ित को व्हाट्सएप पर एक संदिग्ध लिंक भेजा और क्रेडिट कार्ड की आवेदन प्रक्रिया पूरी करने को कहा। जैसे ही मनीष अजमेरा ने लिंक पर क्लिक कर जानकारी दर्ज की, उनके मोबाइल पर दो बार में कुल 1,82,120 रुपये कटने के मैसेज आ गए। मैसेज देखते ही पीड़ित के होश उड़ गए। पहली बार में 32,120 रुपये और दूसरी बार में 1.50 लाख रुपये का अनाधिकृत लेनदेन किया गया। घटना का अहसास होते ही पीड़ित ने तुरंत पुलिस की शरण ली। थानाधिकारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर 2 अक्टूबर को अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने जिस नंबर से कॉल आया था और जिस खाते में राशि ट्रांसफर हुई है, उनकी तकनीकी जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि अनजान नंबरों से आए किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही बैंक से जुड़ी गोपनीय जानकारी किसी से साझा करें।

पुलिस कमिश्नर की जनसुनवाई में परिवादियों को राहत मिली

जयपुर। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने शनिवार को पुलिस थाना कानोता में आयोजित जनसुनवाई में बस्सी सर्किल के तीन थाना क्षेत्रों से पहुंचे परिवादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान कई मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देकर परिवादियों को राहत दिलाई गई। वहीं, शेष लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई में बस्सी, कानोता एवं तूंगा थाना क्षेत्रों से बड़ी संख्या में परिवादी पहुंचे और अपनी समस्याएं पुलिस कमिश्नर के समक्ष रखीं। पुलिस कमिश्नर ने प्रत्येक प्रकरण की जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने लंबित मामलों में नियमानुसार कार्रवाई करते हुए निर्धारित समयावधि में निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवाद पर निष्पक्ष एवं संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जाए। थाना स्तर पर आयोजित जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की शिकायतों का त्वरित समाधान कर उन्हें समय पर राहत उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी परिवाद को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखा जाए। जनसुनवाई के दौरान आपसी विवाद, पारिवारिक प्रकरण, भूमि एवं संपत्ति संबंधी विवाद, अवैध कब्जे, चोरी, मारपीट सहित विभिन्न मामलों में परिवाद प्राप्त हुए। पुलिस कमिश्नर ने सभी मामलों में नियमानुसार कार्रवाई करते हुए निर्धारित समयावधि में निस्तारण करने के निर्देश दिए।

खाटूश्यामजी नगरपालिका अध्यक्ष के चुनाव को लेकर एकलपीठ के आदेश में दखल से इनकार

राजस्थान हाईकोर्ट ने इस मामले में दायर अपीलों को खारिज किया

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने खाटूश्यामजी नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए 21 सितंबर को दोपहर दो बजे तक डाले गए मतों के आधार पर मतगणना करने के संबंध में एकलपीठ की ओर से दिए आदेश में दखल से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दायर अपीलों को खारिज कर दिया है।

सीजे संजय के. अग्रवाल और जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य निर्वाचन आयोग व लक्ष्मी कुमारी की ओर से दायर अपीलों पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि संविधान के प्रावधानों के अनुसार एक बार निर्वाचन आरंभ होने के बाद उसे तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचने दिया जाना चाहिए। निर्वाचन की परिभाषा में परिणाम घोषित होने तक की प्रक्रिया शामिल होती है। इसके अलावा एकलपीठ ने भी इस निर्वाचन की वैधता पर अपना अंतिम निर्णय नहीं किया है और व्यथित पक्षकार को परिणाम के बाद चुनाव याचिका दायर करने की छूट दी है। ऐसे में इस संबंध में दायर अपीलों को खारिज किया जाता है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि आयोग के गत 22 सितंबर के आदेश की वैधता, 25 सितंबर को संबंध मतदान और अपीलार्थी के कथित अपहरण संबंधी बयानों पर कुछ नहीं कहा जा रहा है। इन सभी प्रश्नों को सक्षम मंच के समक्ष उठाने के लिए छोड़ा जा रहा है।

अपील में वरिष्ठ अधिवक्ता आरके अग्रवाल सहित अन्य ने कहा कि अपीलार्थी के अपहरण को लेकर दर्ज एफआईआर के चलते आरओ ने 22 सितंबर को आदेश जारी कर 25 सितंबर को मतदान कराना तय किया। वहीं इसे चुनौती देते हुए दायर याचिका में एकलपीठ ने 21 सितंबर को डाले गए मतों के आधार पर ही परिणाम जारी करने के आदेश दे दिए। अपील में कहा गया कि एकलपीठ के समक्ष पालिका अध्यक्ष पद की उम्मीदवार अपीलार्थी लक्ष्मी कुमारी को पक्षकार नहीं बनाया गया। वहीं निर्वाचन प्रक्रिया आरंभ होने के बाद एकलपीठ को इसमें दखल नहीं देना चाहिए था। जिसका विरोध करते हुए एकलपीठ की याचिकाकर्ता विनीता पूनिया की ओर से कहा गया कि एकलपीठ ने निर्वाचन प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं किया। एकलपीठ ने सिर्फ निर्वाचन प्रक्रिया की पूर्णता के लिए निर्धारित समय सारिणी को बनाए रखा है। इसके अलावा एकलपीठ ने चुनाव परिणाम को उचित मंच पर चुनौती देने की भी छूट दी थी। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अपीलों को खारिज कर दिया है।

"जेप्टो" के डार्क स्टोर पर छापेमारी

खाद्य सुरक्षा टीम ने 25 किलो सड़ा-गला सामान नष्ट कराया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेशभर में चलाए जा रहे शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत जयपुर में खाद्य सुरक्षा दल ने त्वरित कार्रवाई की है। सीएमएचओ द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल के निर्देशन में टीम ने प्रताप नगर स्थित ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफॉर्म जेप्टो के डार्क स्टोर पर अचानक छापा मारा। निरीक्षण के दौरान स्टोर में भारी अव्यवस्थाएं और खाद्य सुरक्षा मानकों का खुला उल्लंघन पाया गया, जिस पर टीम ने सख्त रुख अपनाया।

मिल्क चिलर में कीटनाशक के साथ रखी हुई थी खाद्य सामग्री

कार्रवाई की जानकारी देते हुए डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि प्रताप नगर (सांगानेर) स्थित डार्क स्टोर में जांच के दौरान मिल्क चिलर में दूध फैला हुआ मिला, जिससे काफी तेज दुर्गंध आ रही थी। कोल्ड स्टोरेज एरिया में भारी गंदगी पाई गई, जहां खाद्य पदार्थों के साथ गैर-खाद्य सामग्री भी रखी हुई थी। इतना ही नहीं, जहरीली कीटनाशक स्प्रे की बोतलों को सीधे खाने-पीने के सामान के साथ रखा गया था। शेल्फ की नियमित सफाई और पेस्ट कंट्रोल की व्यवस्था भी पूरी तरह से ध्वस्त मिली। टीम ने मौके पर एहतियात बरतते हुए करीब 25 किलोग्राम खराब हो चुके फल, सब्जियां व अन्य सड़ा-गला सामान तुरंत नष्ट करवाया। इसके साथ ही गुणवत्ता की जांच के लिए सरसों तेल, मैगी नूडल्स, घी, पीनट नमकीन और हल्दी पाउडर के नमूने सील कर लैब भेजे गए हैं।

पैकेज्ड फ्रोजन वेज-नॉनवेज फूड एक साथ स्टोर किए हुए थे

जांच के दौरान एक और गंभीर लापरवाही सामने आई, जहां पैकेज्ड फ्रोजन नॉन-वेज को शाकाहारी खाद्य पदार्थों के साथ ही स्टोर किया गया था। इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन ऐप पर उत्पादों की एक्सपायरी डेट प्रदर्शित न करने और ग्राहकों को शॉर्ट एक्सपायरी वाले उत्पाद डिलीवर करने संबंधी कई शिकायतें भी उजागर हुईं। सीएमएचओ टीम ने स्टोर प्रबंधन को नोटिस जारी कर सफाई व सुरक्षा मानकों में तत्काल सुधार के निर्देश दिए हैं।

समस्या नहीं, चुनौती समझकर आगे बढ़े : आईएएस नवीन जैन

जयपुर (कासं)। सफलता की राह में परिस्थितियां कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों, उन्हें बाधा मानने के बजाय संघर्ष का हिस्सा समझकर आगे बढ़ना चाहिए। लक्ष्य पर स्पष्ट फोकस, सही रणनीति, गहन अध्ययन और निरंतर प्रयास से कठिन परिस्थितियों को भी पीछे छोड़ा जा सकता है। सिविल सेवा अभ्यर्थियों को शॉर्टकट से बचते हुए तैयारी के प्रति उत्सुकता और प्रतिबद्धता बनाए रखनी चाहिए। यह बात सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव नवीन जैन ने शनिवार को इस्पेक की ओर से श्री परशुराम ज्ञानपीठ में आयोजित प्रेरक संवाद सत्र में अभ्यर्थियों से कही।

उन्होंने कहा कि समस्याओं का हौव्वा पालने के बजाय विद्यार्थियों को अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हिंदी माध्यम, सरकारी स्कूल या राज्य बोर्ड से पढ़ाई, विवाह अथवा बच्चों जैसी परिस्थितियों को सफलता की राह में बाधा मानना उचित नहीं है। लक्ष्य स्पष्ट हो और तैयारी के प्रति प्रतिबद्धता हो तो परिस्थितियां सफलता को रोक नहीं सकतीं। जैन ने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की रणनीति, समय प्रबंधन और अध्ययन के प्रभावी तरीकों पर विद्यार्थियों से संवाद किया। स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से उदाहरण प्रस्तुत कर उन्होंने तैयारी से जुड़े उपयोगी सूत्र साझा किए। उन्होंने कहा कि सफल व्यक्ति से ईर्ष्या करने के बजाय उसकी सफलता से सीखने की आदत विकसित करनी चाहिए। सकारात्मक सोच, अनुशासन और निरंतर प्रयास सफलता की मजबूत नींव हैं। कार्यक्रम में इस्पेक की चेयरपर्सन डॉ. हर्षा त्रिवेदी ने ट्री पॉट भेंट कर नवीन जैन का स्वागत किया। राष्ट्रीय प्रभारी प्यारे लाल शर्मा ने भगवान परशुराम की प्रतिमा और पुस्तक भेंट कर उनका अभिनंदन किया। विप्र फाउंडेशन के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सतीश शर्मा ने जैन की प्रशासनिक यात्रा और उपलब्धियों से विद्यार्थियों को परिचित कराया। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विमलेश शर्मा, राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र शर्मा मौजूद रहे।

बाइक चोर गिरोह पकड़ा

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने वाहन चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को हिरासत में लेकर उनके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से जवाहर सर्किल क्षेत्र से चुराई गई कुल 6 मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं।

पुलिस उपायुक्त रंजीता शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में लगातार हो रही वाहन चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पारस जैन के निर्देशन व सहायक पुलिस आयुक्त, मालवीय नगर शिवदयाल के सुपरविजन में थानाधिकारी महेश चंद्र के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। गठित टीम ने घटना स्थल जवाहर सर्किल पार्किंग, डिफाइन फिटनेस स्टूडियो जिम और कैनबिली शोरूम के आसपास पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी विश्लेषण और हुलिए के आधार पर पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। गहन पूछताछ में दोनों ने बाइक चोरी की वारदातें कबूल कर लीं, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशे के आदी हैं और अपनी नशे की लत को पूरा करने के लिए बाइक चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

फकीरों की डूंगरी में रजाई गोदाम में आग

धुएं का गुबार देख गलियों में भागे लोग, एक घंटे में आग पर काबू पाया

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत फकीरों की डूंगरी में शनिवार दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक तीन मंजिला मकान के ऊपरी हिस्से में संचालित रजाई गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। तीसरी मंजिल से उठती आग की ऊंची लपटों और काले धुएं के गुबार को देखकर आसपास के इलाके में दहशत फैल गई और लोग जान बचाने के लिए घरों से बाहर गलियों में निकल आए।

घटना की जानकारी मिलते ही ब्रह्मपुरी पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंची। गनीमत यह रही कि दमकलकर्मियों ने वक्त रहते मोर्चा संभाला और करीब एक घंटे की भारी मशक्कत के बाद लपटों पर पूरी तरह काबू पा लिया। इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। थानाधिकारी ब्रजमोहन कविया के बताए अनुसार, घटना दोपहर लगभग 2 बजे की है। शुरुआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर रजाई बनाने के लिए भारी मात्रा में रूई का स्टॉक रखा हुआ था। बिजली के तारों में उठी चिंगारी जैसे ही सूखी रूई पर गिरी, उसने पल भर में विकराल रूप धारण कर लिया। आग की भयावहता को देखते हुए सुरक्षा के तौर पर पूरे इलाके की बिजली सप्लाई तुरंत बंद करवा दी गई। एसएचओ ब्रजमोहन कविया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को हटाया और स्थिति को नियंत्रित किया। दमकल टीम के त्वरित एक्शन के कारण आग नीचे की मंजिलों और आसपास के रिहायशी मकानों तक नहीं फैल सकी।

■ शुरूआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है।

सार-समाचार

राजस्थान विवि. में "वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गांधी की प्रासंगिकता" पर मंथन

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के गांधी अध्ययन केंद्र में गांधीजी की 157वीं जयंती और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गांधी की प्रासंगिकता' विषय पर विचार व्यक्त किए गए। गांधीजी और शास्त्रीजी के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो. मंजु शर्मा ने की। उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए गांधीजी के बताए सादगी के मार्ग पर चलने का आव्हान किया। मुख्य वक्ता डॉ. गीता चतुर्वेदी ने कहा कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में गांधीजी के विचार प्रासंगिक हैं। वे सत्य और अहिंसा पर आधारित जीवन जीने पर बल देते थे। गांधी अध्ययन केंद्र की निदेशक डॉ. हंसा चौधरी ने गांधीजी के जीवन के विभिन्न पहलुओं और उनके विचारों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। राजस्थान विश्वविद्यालय के संगीत विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अंशु वर्मा के निर्देशन में विद्यार्थियों ने गांधीजी के प्रिय भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में प्रो. पी.सी. माली, प्रो. मंजू शर्मा, प्रो. सुनीता शर्मा, प्रो. मधु मुकुल चतुर्वेदी, डॉ. इंद्रा चतुर्वेदी, डॉ. दीपक यादव, डॉ. नेहा भारतीय, डॉ. नीलम पुनार, डॉ. पूनम, डॉ. आशुराज आनंद, डॉ. उम्मेद सिंह, डॉ. राजश्री स्वामी, डी. राम प्रकाश भारी, नमोनारायण मीणा और गौरव शर्मा सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रवण कुमार और रिया जाखड़ ने किया। अंत में संयोजक डॉ. अनिल अनिकेत ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

एसकेआईटी में 637 यूनिट रक्तदान

जयपुर। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोथान (एसकेआईटी), जयपुर में शनिवार को 24वें मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा 637 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। चिकित्सकीय जांच के बाद 175 संभावित रक्तदाताओं को रक्तदान के लिए अनुपयुक्त पाया गया। शिविर का उद्घाटन एसकेआईटी के संरक्षक राजाराम मील ने किया। इस अवसर पर निदेशक जयपाल मील, निदेशक (अकादमिक) प्रो. एस. एल. सुराणा, प्राचार्य प्रो. रमेश कुमार पचार, रजिस्ट्रार रचना मील, डीन प्रो. आर. के. जैन तथा जयपुरिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राजाराम बसीरा उपस्थित रहे। शिविर में एसएमएस अस्पताल के डॉ. विशाल मंगल, एसएमएस स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के डॉ. लोकेश शर्मा, एसएमएस ट्रॉमा सेंटर के डॉ. विकास शर्मा, जयपुरिया अस्पताल के डॉ. विनोद गुप्ता, एसडीएमएच के डॉ. विनोद शर्मा, स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के डॉ. एम. डी. भोजवानी और स्वास्तिक ब्लड बैंक के डॉ. पंकज अग्रवाल सहित राजधानी ब्लड बैंक एवं गुरुकुल ब्लड बैंक की चिकित्सा टीमों ने सहयोग किया। शिविर के सफल आयोजन में एसकेआईटी के ब्लड डोनेशन कैंप (बीडीसी) के मुख्य समन्वयक अरुण बेनीवाल और उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मूट कोर्ट प्रतियोगिता का शुभारंभ

जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी में 14वीं रांका मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आगाज हुआ। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता का उद्घाटन राजस्थान यूनिवर्सिटी के मानविकी सभागार में हुआ। कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विजय बिश्नोई और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। प्रतियोगिता में देश के 17 राज्यों की 50 से ज्यादा टीमें हिस्सा ले रही हैं। तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में दो प्रारंभिक राउंड के बाद क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले होंगे। मूट कोर्ट प्रतियोगिता में शामिल होने पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि इस तरह के आयोजन से लॉ स्टूडेंट्स को कोर्ट की वास्तविक कार्यवाही को समझने और बहस करने का व्यावहारिक अनुभव मिलता है। इससे छात्रों को यह सीखने का मौका मिलता है कि कोर्ट में किस तरह आर्ग्यूमेंट करना है और पूरी प्रक्रिया किस तरह चलती है। वही पंचायती राज चुनाव को लेकर दिया कुमारी ने कहा कि जिस तरह निकाय चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन अच्छा रहा और बड़े अंतर से जीत मिली, उसी तरह पंचायती राज चुनाव में भी अच्छे नतीजे आएंगे।

पुलिस की मुस्तैदी से पकड़ा गया स्नैचर

जयपुर। बगरू पुलिस ने राहगीरों से मोबाइल छीनने वाली गिरोह के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग की वारदात का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके एक नाबालिग साथी को निरुद्ध किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के 5 मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस उपायुक्त, पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि 3 सितंबर को परिवादी बब्बू ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित के अनुसार, रीको रोड स्थित अंकित मार्बल के पास पीछे से बाइक पर आए दो बदमाशों ने उनके हाथ से मेहरून रंग का वीवो मोबाइल छीन लिया और फरार हो गए। मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। वारदात को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार गुप्ता एवं सहायक पुलिस आयुक्त (बगरू) धर्मेंद्र कुमार शर्मा के पर्यवेक्षण में थानाधिकारी चंद्रभान सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने घटना स्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही छीने गए मोबाइल की जानकारी केंद्र सरकार के सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल पर दर्ज कराई गई। पोर्टल से मिले रिकॉर्ड और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने संदिग्धों को चिन्हित कर दबिश दी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी विकास हरिजन (21) निवासी मंडोर, फागी को गिरफ्तार किया और उसके साथ मौजूद विधि से संघर्षरत बालक को निरुद्ध किया। आरोपियों की निशानदेही पर पीड़ित का वीवो मोबाइल और वारदात में प्रयुक्त बाइक जब्त कर ली गई है। गहन पूछताछ के दौरान आरोपी विकास के कब्जे से 4 अन्य चोरी के मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। आरोपी ने बगरू कस्बे और जयपुर शहर के विभिन्न हिस्सों से मोबाइल चोरी करना स्वीकार किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर अन्य वारदातों का पता लगाने में जुटी है।

#SANT NAMDEV MAHARAJ

The Saint Who Answered Power with Bhakti

For followers of the Varkari tradition, Sant Namdev Maharaj is not just a historical figure but a living presence in devotion

Among the great saints of the Varkari Sampradaya, Sant Namdev Maharaj stands out as a figure of fearless devotion and spiritual resolve. His life, woven through history and sacred tradition, reflects a journey where faith became a response to turmoil and injustice.

Devotion to Vitthal

Namdev was a lifelong devotee of Vitthal of Pandharpur. His abhangas express a deeply personal relationship with the divine, one that rejected ritualism and embraced pure love and surrender.

A Time of Turmoil

The period in which Namdev lived saw significant political upheaval. The invasion of Deccan regions, including Devgiri Fort, by forces under Malik Kafur during the reign of Alauddin Khilji brought violence and instability.

According to devotional narratives, Namdev was deeply disturbed by the suffering he witnessed. Seeking refuge, he turned to Vitthal and expressed his desire to withdraw from the world through samadhi. Yet, the divine message he received, preserved in tradition, was not one of retreat, but of responsibility. He was urged to carry Bhakti beyond the Deccan, to regions in the north such as Punjab and even Peshawar, where people too faced hardship.

Journey to the North

Taking this as a spiritual mission, Namdev traveled across northern India, spreading devotion, unity, and courage. Tradition holds that he established centers of worship (mathas) and brought the message that God resides everywhere, not confined to temples or regions.

His presence in the north is reflected in the inclusion of his hymns in the Guru Granth Sahib, a rare honour that highlights the universality of his teachings.

The Encounter with Tughlaq

One of the most striking stories from his life describes his encounter with Muhammad bin Tughlaq in Delhi. He saw massacres in Delhi and went to Muhammad Bin's territory.

As the story goes, Namdev started public kirtans and drew attention. He was summoned and asked to abandon his faith and accept Islam or face death. Calm and unwavering, Namdev refused, declaring that God is present in all forms and beyond all boundaries.

To test him, a challenge was set, often told as a symbolic act involving the life of a cow. A cow and a calf were brought. If cow present was killed, then Namdev had to accept Islam, if not, then he wins. In this narrative, Namdev's devotion triumphs, not through force, but through divine grace. Namdev was offered gifts by the people, but he declined.

This episode represents a deeper truth: Spiritual conviction cannot be coerced by power.

Return and Mahasamadhi

After decades of travel and teaching, Namdev is believed to have returned to Pandharpur in his later years. Around the age of 80, he was granted mahasamadhi, by Vitthal, leaving behind a legacy that continues to inspire millions.

A Legacy Beyond Time

For followers of the Varkari tradition, Sant Namdev Maharaj is not just a historical figure but a living presence in devotion. His life story, blending history, faith, and legend, teaches that:

- Faith can stand before power without fear.
- Devotion can cross all boundaries.
- True strength lies in spiritual conviction, not authority.

Duryodhana was still on my sofa, eating my namkeen and asking which side the Pandavas were on. Then, there was a knock at the door. The rest of the night did not go the way either of us expected.

Is Another Mahabharata Due?

PART: 3

Shailaza Singh
Published Author, Poet and a YouTuber

Looking for the Pandavas

Duryodhana had found the remote and the namkeen, in that order, and was flicking through news channels like a man flicking through enemies. "Show me," he said. "Which side are the Pandavas?" I tried. I really did. "Iran?" he asked. "Its rulers have hanged protesters and armed militias across the region. And they choked the Strait of Hormuz until my gas cylinder felt it."

"Israel, then?"

"Much of the world, and many of its own citizens, are angry about what its government did in Gaza."

"America?"

"Bombs Iran with one hand. Fills in its Nobel Peace Prize form with the other."

"Russia?"

"Invaded its neighbour. Now sells oil to anyone too busy to notice."

Duryodhana put down the namkeen and began to laugh. "So, they are all Kauravas! At last, a war where I would be on the winning side."

"In a war with no Pandavas," I said, "there is no winning side."

He stopped laughing. For a man who had lost ninety-nine brothers, that seemed to register.

The feast

"But how did everyone get dragged in?" he asked. "In my time, at least, kings chose."

"Did they? What about your Shalya?"

He grinned. It was his favourite story. Shalya, uncle of the Pandava twins, marched out to fight for his nephews. Duryodhana laid out feasts all along his route. Shalya, thinking Yudhishthira was the host, promised the host any favour. Then, Duryodhana stepped out from behind the curtain and asked for his army.

"Best dinner I ever paid for," he said.

"That is how it works now too," I told him. "This year, Gulf countries that hosted American bases found themselves in Iran's line of fire. And India, which never asked for this war, found it in the gas agency queue."

Duryodhana thought about it. "So, every treaty is a Shalya feast."

"And nobody reads the menu until the bill comes."

A knock at the door

That was when we heard the flute. Duryodhana groaned. "Not him again."

Krishna walked back in as if he had lived in Jaipur all his life, took the best chair and asked whether there was any *makhan* (butter) in the fridge. There was only Amul. He accepted it graciously.

"From that gold room, I went to New York," he said. "I tried the United Nations."

"And?" I asked.

"They gave me fifteen minutes to speak for peace. Your friend in the red tie took fifty-six last year. Nobody stopped him."

Krishna turned to me. "Do you remember what I offered this one and Arjuna before Kurukshetra? They both came to Dwarka. One could have my whole army. The other could have me, unarmed, only to advise."

"And he took the army."

"Everyone takes the army," Krishna sighed. "Every leader in the world today would take the army. Nobody wants the unarmed man who only talks. That is why the United Nations is me, without the chakra."

#TRUMPTROPY

And where is India?

Krishna licked the butter off his finger and looked at me. "And your country? Which side?"

"Neither. We buy Russian oil and American gas, and talk to Tehran and Washington. I think we are your brother Balarama. He loved both sides, so, he refused to fight and went on a pilgrimage."

"And he came back," said Krishna softly, "just in time to watch his two students, Bhima and this one, try to kill each other." He looked at my kitchen. "Neutral hands stay clean, beti. Neutral kitchens still run out of gas."

I did not argue. I had waited 25 days for my last cylinder.

So, is it due?

I finally asked the question I had carried all year. "Is another Mahabharata coming?"

Krishna raised an eyebrow. "You want a prophecy? I am God, not an astrologer."

"Please."

He grew serious. "On the last night of my war, Ashwatthama aimed the Brahmastra at the unborn child of the Pandavas. I saved him and named him Parikshit. Your world has built thousands of Brahmastras since. It has not built a single Krishna to stop them."

"There is 1963," I said. "A year after the world nearly blew itself up over Cuba, it signed its first nuclear test-ban treaty."

"Fear is a good teacher," Krishna agreed. "It is a pity its fees are so high."

The loudest lie

"Does he know he is lying?" I asked, nodding at the television. "Or does he believe it by the tenth time?"

Krishna was quiet for a while. "I know something about lies," he said at last. "I arranged the most famous one in Mahabharata."

Duryodhana sat up. He knew the story. Drona could not be defeated while he held his bow. So, Bhima killed an elephant named Ashwatthama, the name of Drona's son, and Krishna asked Yudhishthira, who had never told a lie, to announce it. "Ashwatthama is dead," Yudhishthira said aloud. "Man or elephant," he whispered, and Krishna had the conches blown to drown the whisper. Drona lowered his bow and was killed. Yudhishthira's chariot, which had always floated a little above the earth, touched the ground.

"One lie from a man who never lied," said Krishna, "and a war turned. It worked because it was rare."

"And his?"

"His work because they are never rare. Your psychologists have measured it now: hear a thing often enough, and it begins to sound true. Yudhishthira spent all his honesty on one sentence. That man never saved any to spend."

He looked at the television. "But remember the chariot. Every lie touches the ground eventually."

Karma collects

Duryodhana shifted in his seat. "This karma business," he said, a little too casually. "Does it always collect?"

"Not from him, apparently," I said, and pointed at the television. "Eighty years old. Lost an election, impeached twice, convicted on 34 counts. Richer than ever. All karma has managed is a few court orders and one nameplate."

Duryodhana snorted. "A nameplate? My thigh was worth more than that."

"You are looking for karma in the courts," said Krishna. "Look at the clock."

In 2015, the 69-year-old candidate boasted that he slept only three or four hours a night. The 80-year-old President has been photographed with his eyes shut in Cabinet meetings. Trump explained it himself in January: "I didn't sleep. I just closed them because I wanted to get the hell out of there."

Duryodhana was scandalised. "In our epics, only Kumbhakarna slept on duty. And even he had the decency to do it at home."

"He appointed three of the judges on his own Supreme Court," said Krishna quietly. "There is one judge he cannot appoint. I told Arjuna on the battlefield, Kaalo'smi: I am Time. Your scientist Oppenheimer remembered those words when he saw his bomb explode. Time is the only court where nobody gets an adjournment."

Duryodhana muttered, "So, someone can prove it after all."

Then, Krishna picked up the remote, and every channel became the same channel.

The Time channel

First came a desert, and two enormous stone legs standing in the sand. In 1818, the poet Shelley imagined the inscription on the pedestal: "My name is Ozymandias, King of Kings; / Look on my Works, ye Mighty, and despair!" Then the last line: "Nothing beside remains."

"Show her one of ours," said Duryodhana, who was enjoying this less and less.

Krishna showed me Muhammad bin Tughlaq, the sultan who moved his capital to Daulatabad and back. When he died in 1351, the historian Badauni wrote the most savage obituary in Indian history: the Sultan was freed from his people, and they from him.

Then Aurangzeb, who ruled for nearly half a century over the richest empire on earth. At 88, dying in the Deccan, he wrote to his son: "I came alone, and I go as a stranger. I do not know who I am, nor what I have been doing." He asked to be buried in a plain grave open to the sky. Within decades, his empire fell apart.

Krishna switched off the television.

"Karma is not small," he said. "It is only counting. Duryodhana, for thirteen years, while the Pandavas lived in the forest eating roots, you were richer than ever. Kings queued to flatter you. Did karma look small to you then?"

Duryodhana rubbed his thigh and said nothing. He had bared it at Draupadi in the dice hall. Bhima had vowed to break it. On the eighteenth day, he did.

The next tenant

"And us?" I asked. "That is the part nobody reads," said Krishna. "Every power a king invents stays in the palace: tariffs by midnight post, fees by proclamation, names by decree. The next man in the chair inherits all of it."

"Like an electricity bill in India," I said. "It stays with the flat. The next tenant pays."

"Or the neighbours," said Krishna, and nodded at the news. On 16 September, America's Congress passed a bill letting the President put tariffs of up to 100 per cent on countries that buy Russian oil. Two days later, he signed it. India is on the list. The pen is now in his hand.

The loophole

At the door, Krishna stopped and looked at my induction cooker.

"What is this?"

"A jugaad. When the gas stopped, I bought it. In 1973, when the oil ran short, Papa got on a bicycle."

Krishna smiled the way he must have smiled at Arjuna on the battlefield. "Then, you have understood my Gita better than the men on your television. I told Arjuna he had a right to his work, never to its fruits. They want only the fruits: the prize, the name, the map. The world is held together by people who want none. Mothers who adjust the chai and the budget without a press release. Fathers on bicycles. Nobody gives them a Nobel. There is no Nobel for keeping the world running."

Then, he was gone, and so was Duryodhana, and so was my namkeen.

On the television, the most powerful man on earth was giving the world his forecast, the one he has given so many times: "We'll see what happens."

Papa, half asleep beside me, muttered, "Dekhte hain."

Every Indian child knows what that means. When Papa says 'dekhte hain' (we'll see) about a new bicycle, the answer is no.

Then, the doorbell rang, and I woke up. It was not Krishna. It was the gas cylinder, on day 25.

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

#J'ADORE

Know the power of your brow

This bold look involves parting your eyebrows and splaying the hair into feather-like shapes with the help of Vaseline

So, what is the first thing you notice about a person? The standard response would be the eyes, but little do people know that their eyebrows too have a lot to say. If the eyes are the window to the soul, then the eyebrows offer a glimpse of one's external beauty.

A recent study, conducted by the University of Lethbridge in Canada, states that when researchers showed people 25 images of celebrities without eyebrows, followed by 25 images of celebrities sans their eyes, participants were able to correctly identify 56 per cent of the celebrities shown without eyes, but only 46 per cent of the celebrities without eyebrows. It is hereby proved that brows have a bigger impact than the eyes.

You know a trend has taken over when it becomes a hashtag on Instagram. And all through this year, varied eyebrow styles have been storming the Internet. Here are some of the new eyebrow trends.

The feathered eyebrow

This bold look involves parting your eyebrows and splaying the hair into feather-like shapes with the help of Vaseline.

Brow carving

This look is created using eyeliner for definition around the brow arch, followed by super pigmented eye shadows, which are blended out to make the finished look a little less harsh.

Barbed-wire look

It involves getting your brows nice and thick by using gel and alternating between sections that point up and those that point down and there you have it.

Going natural

This style is like the LBD of beauty, classic and simple. So, do you want to look ramp ready with your brows? "Knowing your face shape is the first step to creating your most beautiful look," says Veena Jain, grooming expert for Mrs India Globe Classic. **Let's find out what type of eyebrow can help accentuate your features.**

An oval face

This is considered the ideal face shape. The soft-angled eyebrow, which goes straight up and then gently curves round at the top and down, is said to be the best for this face type.

A heart-shaped face

The best eyebrow shape for this type of face is a rounded one. A low-arch brow creates a natural look, while a highly-arched brow can add length to a shorter visage.

A long face

Make a long face appear fuller by designing straight horizontal lines that stop the eyebrow from roving around the face. A flat brow shape makes the face appear shorter.

A square face

A square jaw is a strong feature. A thicker stronger colour balances a heavier jaw line. A defined sharp peak at the top of the brow makes the brow appear stronger. Angled brows can create this balance.

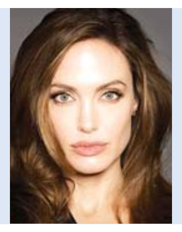

A round face

Avoid gentle or soft arches and apply lines that go up and then down with a sharp curve. This will help lengthen the face.

When it comes to style, celebrities are the best inspirations. Right from Lily Collins' minimally shaped bushy arches, Emma Watson's boy brows to the pencil thin curves of Charlize Theron and full brows of Gigi Hadid, eyebrows have added to the wow factor each time. According to Vedika Bagai, beauty professional, eyebrows are an important aspect of beauty, as they change the overall appearance of the face and bring out a person's natural beauty. "A set of good eyebrows can make you feel more confident. Of course, not everyone is born with a perfect set of brows. To achieve them, one has to regularly shape and trim them to suit their face and help enhance their eyes. As they say, eyebrows do speak louder than words," she sums up.

THE WALL

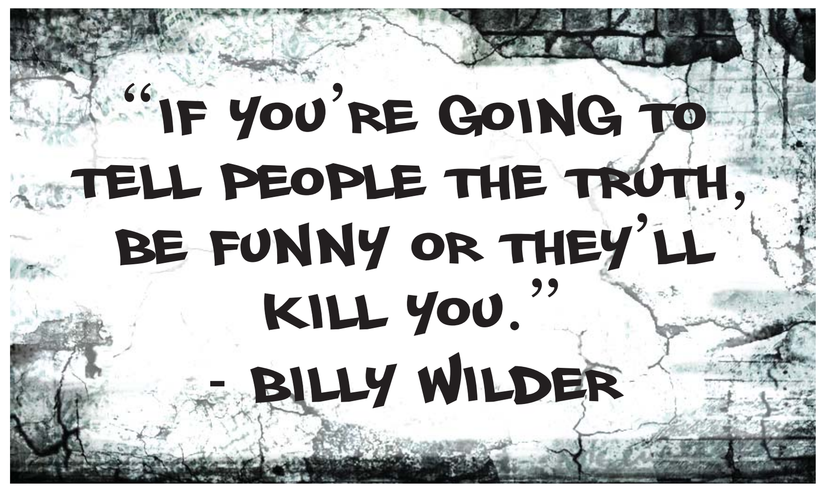

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

सिंघाना के निजी अस्पताल में हर्निया के ऑपरेशन के बाद युवक की मौत

परिजनों और ग्रामीणों ने निजी अस्पताल के बाहर शव रखकर हंगामा किया

सिंघाना, (निसं)। सिंघाना कस्बे के एक निजी अस्पताल में हर्निया के ऑपरेशन के बाद 27 वर्षीय युवक की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया। आक्रोशित परिजन और ग्रामीण शव को लेकर अस्पताल पहुंचे और अस्पताल परिसर के बाहर शव रखकर धरने पर बैठ गए। देखते ही देखते अस्पताल के बाहर बड़ी संख्या में महिला-पुरूषों की भीड़ जमा हो गई। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए सिंघाना पुलिस का जाप्ता भी मौके पर तैनात किया गया।

जानकारी के अनुसार सिंघाना के वार्ड नंबर 30 निवासी राजेश नायक (27) पुत्र दानाराम को पिछले रविवार को पेट में दर्द की शिकायत के बाद उपचार के लिए निजी राज अस्पताल लाया गया था। यहां चिकित्सकों ने उसका हर्निया का ऑपरेशन किया। परिजनों के अनुसार बुधवार को उसे अस्पताल से छुट्टी देकर घर भेज दिया गया। इसके बाद उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद युवक की हालत खराब होने के बावजूद उसे करीब दो दिन तक अस्पताल में रखा गया तथा उन्हें मरीज की वास्तविक स्थिति के बारे में सही जानकारी नहीं दी गई। हालत ज्यादा बिगड़ने पर परिजन उसे वापस अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उसे जयपुर रेफर कर दिया। परिजनों के मुताबिक जयपुर ले जाते समय रास्ते में ही राजेश की मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजन और ग्रामीण शव को वापस सिंघाना लेकर पहुंचे। यहां अस्पताल के बाहर शव रखकर धरना शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की जांच कराने तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों व ग्रामीणों से समझाइस की।

धरने की सूचना पर जनप्रतिनिधि एवं अन्य लोग भी मौके पर पहुंचे। पार्षद डीपी सैनी, डॉ. नरेंद्र शर्मा, महावीर ठेकेदार, लालाराम नायक, अजय नायक सहित परिजनों के प्रतिनिधिमंडल ने अस्पताल प्रबंधन से वार्ता की। करीब साढ़े तीन घंटे तक चली बातचीत के बाद अस्पताल प्रबंधन की ओर से आर्थिक सहायता देने पर सहमति बनी। इसके बाद परिजनों ने धरना समाप्त कर शव को वहां से उठाया। राजेश नायक अपने परिवार में इकलौता था। उसके पिता दानाराम की करीब चार वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है। राजेश कलर-पेंट की मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। उसके परिवार में चार वर्षीय बेटी पलवी और दो वर्षीय बेटा रिषी हैं। युवक की मौत के बाद परिवार के सामने न केवल भावनात्मक संकट खड़ा हो गया, बल्कि रोजी-रोटी का भी गंभीर संकट पैदा हो गया है। मामले में परिजनों की ओर से लगाए गए इलाज में लापरवाही के आरोपों की पुलिस-प्रशासनिक जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

> ■ **इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर आक्रोश जताया, वार्ता के बाद आर्थिक सहायता पर सहमति बनी**

कोटा में प्रसूताओं की मौत के मामले में चिकित्सकों को क्लीनचिट

जांच में सामने आया है कि इस घटनाक्रम में चिकित्सकों की ओर से कोई चिकित्सकीय लापरवाही नहीं बरती गई

कोटा, (निसं)। कोटा मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पतालों में प्रसूताओं की मौत और किडनी फेल्योर के बहुचर्चित मामले में जांच के दायरे में आई चिकित्सकों को बड़ी राहत मिली है। इस पूरे प्रकरण की जांच के लिए गठित चार अलग-अलग उच्चस्तरीय कमेटियों ने डॉक्टरों को पूरी तरह क्लीनचिट दे दी है।

जांच में सामने आया है कि इस घटनाक्रम में चिकित्सकों की ओर से कोई चिकित्सकीय लापरवाही नहीं बरती गई थी। कमेटियों की रिपोर्ट आने के तुरंत बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने निलंबित किए गए तीनों वरिष्ठ डॉक्टरों को बहाल कर दिया है। अब बड़ा सवाल यह है कि जब चिकित्सकों की चिकित्सीय लापरवाही नहीं थी तो इस दुखद घटनाक्रम का जिम्मेदार और दोषी कौन है। कोटा में शुरुआत में पांच प्रसुताओं में यह दिक्कत सामने आई थी। इसका खुलासा 5 मई 2026 को हुआ था, जिसके बाद में 12 महिलाओं को संक्रमित माना गया था। इनमें से चार प्रसूता और एक गर्भवती थी। जिनमें पायल, ज्योति, पिंकी महावर, प्रिया व शिरीन की मौत हो चुकी है, जबकि बाकी पांच रागिनी, धन्नी, सुशीला, चंद्रकला, किरण, पिंकी व आरती को अस्पताल से इलाज के बाद डिस्चार्ज किया गया। इस घटनाक्रम में प्रसूता रागिनी की भी तबीयत बिगड़ गई थी। वह अभी वर्तमान में डायलिसिस पर है। उनकी किडनी काम नहीं कर रही है। सरकार ने ट्रांसप्लांट का आश्वासन दिया था। रागिनी के पति लोकेश का कहना है कि सरकार को जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए। डॉक्टर को क्लीन चिट दी गई है, फिर घटनाक्रम क्यों और कैसे हुआ। क्या-क्या कारण रहे यह तो हमें पता चलना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में मई महीने में भर्ती प्रसुताओं के किडनी फेल्योर के गंभीर मामले सामने आए थे। इसके बाद इसी तरह का मामला जेके लोन अस्पताल में भी आया था। इसके बाद कई प्रसूताओं की असमय मौत से भारी हंगामा मच गया था। विपक्ष और जनता के भारी आक्रोश को देखते हुए राज्य सरकार ने चिकित्सकों और नर्सिंग कर्मियों पर कार्रवाई की थी। सरकार ने आनन-फानन में कदम उठाया और 9 मई को कोटा मेडिकल कॉलेज के तीन डॉक्टरों को निलंबित कर दिया था। इनमें गायनी विभाग के प्रोफेसर डॉ. बीएल पाटीदार, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. खुशबू मीणा और सर्जरी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.नवनीत कुमार शामिल थे। घटनाक्रम के बाद बनाई गई चार कमेटियों ने इन तीनों डॉक्टर को क्लीनचिट दी है। जिसके बाद मेडिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट की जॉइंट सेक्रेटरी डॉ.ज्योति चौहान ने तीनों डॉक्टर के बहाली के आदेश जारी कर दिए हैं।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की संयुक्त सचिव डॉ.ज्योति चौहान ने आदेश जारी कर तीनों चिकित्सकों का निलंबन रद्द करते हुए उन्हें दोबारा कोटा मेडिकल कॉलेज में ही पदस्थापित कर दिया है। जेके लोन अस्पताल की अधीक्षक और मेडिकल कॉलेज में गायनी की विभाग अध्यक्ष डॉक्टर निर्मला शर्मा का कहना है कि तीन डॉक्टर को बहाल किया गया है। इनमें दो गायनी और एक सर्जरी के हैं।

> ■ **कमेटियों की रिपोर्ट आने के तुरंत बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने निलंबित किए गए तीनों वरिष्ठ डॉक्टरों को बहाल कर दिया है**

श्रीगंगानगर का व्यापारी पांच दिन से लापता

श्रीगंगानगर, (निसं)। शहर से एक व्यापारी के लापता हो जाने का मामला सामने आया है। वार्ड नंबर 31 निवासी महेश कोठारी (55) पांच दिन से लापता है। अब उनका मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ आ रहा है। मामला श्रीगंगानगर जिले के रायसिंहनगर थाना क्षेत्र का है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में महेश कोठारी के बड़े भाई बालकृष्ण कोठारी ने रायसिंहनगर पुलिस थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाकर भाई की तलाश करने की मांग की है। बालकृष्ण कोठारी ने बताया कि वे पुरानी मंडी, रायसिंहनगर में दुकान नंबर 73 पर रहते हैं। 24 सितंबर को शाम करीब 5 बजे महेश कोठारी रूणेचा जाने की बात कहकर घर से निकले थे। इसके बाद वह वापस नहीं आए। परिजनों ने पहले परिचितों और रिश्तेदारों से संपर्क कर उनकी जानकारी लेने की कोशिश की। उन्होंने अपने भतीजे, घर में काम करने वाली नौकरानी और अन्य परिचितों की मदद से महेश को तलाशने का प्रयास किया, लेकिन अभी तक उनका कहीं कुछ पता नहीं चला। उनके मोबाइल पर कई बार कॉल की गई, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

परिजनों के मुताबिक 29 सितंबर की सुबह से महेश का मोबाइल फोन स्विच ऑफ आ रहा है। पांच दिन बीतने के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिलने से परिवार की चिंता बढ़ गई है। परिजनों ने पुलिस से महेश की तलाश कर जल्द पता लगाने की मांग की है।

जोधपुर में पड़ोसियों की सजगता से तीन चोर पकड़े गये

जोधपुर, (कासं)। शहर के विवेक विहार स्थित एन सेक्टर में मकान का ताला तोड़कर चोरी करने पहुंचे तीन लोगों को पड़ोसियों की सजगता से पकड़ लिया गया। सूचना मिलने पर विवेक विहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के बताए गए आभूषण, पेन ड्राइव सहित अन्य सामान बरामद किया।

पुलिस के अनुसार मकान मालिक अशोक विश्नोई 1 अक्टूबर को अपने परिवार के साथ पैतृक गांव सदराम की बेरी, बाड़मेर गए हुए थे। तब रात करीब 3.30 बजे तीन व्यक्ति मकान का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और सामान लेकर जाने लगे। पड़ोसी जुगल किशोर को आवाज सुनाई दी तो उन्होंने बाहर आकर अन्य पड़ोसियों को बुलाया।

रिपोर्ट के अनुसार लोगों के इकट्ठा होने पर तीनों आरोपी छत के रास्ते भागने लगे। पड़ोसियों ने पीछा कर दो आरोपियों को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। पूछताछ में आरोपियों ने एक अन्य साथी के छत से कूदकर भागने की जानकारी दी। पुलिस ने तलाश की तो तीसरा आरोपी मकान के पीछे गली में गाय के बाड़े के पास कांटों की आड़ में छिपा मिला। पुलिस के अनुसार छत से कूदने के दौरान उसका पैर टूट गया था। मौके पर तलाशी के समय उसके पास से अंगूठी, पेन ड्राइव और आर्टिफिशियल आभूषण सहित अन्य सामान मिला। पुलिस ने बरामद सामान मकान मालिक के साढ़ू अशोक कुमार को सुपुर्द किया, जिन्होंने फोन पर मकान मालिक से सामान की पहचान करवाई। मामले में विवेक विहार थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। जांच सहायक उप निरीक्षक महेश कुमार द्वारा की जा रही है। पुलिस ने कुम्हारियां कुआं कसाइयों का बास, खांडा फलसा निवासी सद्दाम उर्फ कालू भाटी और चडवों की गली खांडा फलसा निवासी मो. नासिर को गिरफ्तार किया है।

> ■ **पुलिस ने आभूषण, पेन ड्राइव सहित अन्य सामान बरामद किया**

हाईटेंशन लाइन से झुलसने से दो युवकों की मौत

बीकानेर, (निसं)। यहां हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। दोनों की शव बुरी तरह झुलसे हुए थे। दोनों युवकों के शरीर के कई हिस्से बुरी तरह काले हो गए थे। पुलिस को दोनों के शवों के पास एक कटर भी मिला है। घटना लूणकरणसर थाना के सोढ़वाली-बिंझरवाली गांव में शुक्रवार देर रात करीब एक बजे की ही। ग्रामीणों ने शनिवार सुबह करीब 6 बजे दोनों की डेडबॉडी देखी। आशंका है कि तार चोरी करने की कोशिश में इनकी मौत हुई है।

पुलिस के अनुसार एक मृतक की पहचान भगवान सिंह (20) पुत्र नवल सिंह, निवासी धोलेरा पुलिस थाना जामसर के तौर पर हुई है। वहीं, दूसरे युवक की पहचान नहीं हुई है। पुलिस और ग्रामीणों को आशंका है कि दोनों को तार चोरी करने के दौरान करंट लगा होगा। क्योंकि, बॉडी के पास तार काटने का कटर व दूसरा सामान मिला है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इनके पास एक तार का बंडल भी मिला है। ग्रामीणों ने बताया कि जहां इन युवकों की बॉडी मिली है, वहां से कुछ दूरी पर ही घर हैं। लेकिन रात में किसी को घटना की जानकारी नहीं मिली।

ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी सुबह करीब 6 बजे मिली। यहां आसपास के एरिया में जलने जैसी बदबू भी आ रही थी। कुछ लोगों घटनास्थल के करीब पहुंचे तो दो बॉडी दिखाई दी। दोनों बुरी तरह से झुलसी हुई थी। एक युवक के शरीर का निचला हिस्सा तो पूरी तरह से काला पड़ गया था। दूसरे युवक के शरीर के कुछ हिस्से काले थे। करीब 6.30 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को हॉस्पिटल पहुंचाया। थानाधिकारी महावीर विश्नोई ने कहा कि पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवक वहां किस उद्देश्य से पहुंचे थे।

> ■ **शरीर के अलग-अलग हिस्से काले पड़े, तार चोरी करते समय चिपकने की आशंका जताई**

बंद मकानों से नगदी और सामान चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के महामंदिर और चौपासनी हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में दो घरों में चोरों ने सैंध लगाकर वहां से नगदी और सामान व जेवरात चोरी कर ले गए। पीड़ितों की तरफ से संबंधित थानों में चोरी की रिपोर्ट दी गई।

महामंदिर पुलिस ने बताया कि कुसुम विहार गणेश होटल के पास रहने वाले नेमाराम पुत्र घमंडाराम जाट की तरफ से रिपोर्ट दी गई कि उसके सूने मकान में अज्ञात चोरों ने सैंध लगाकर कीमती सामान चोरी कर ले गए। घटना 28 जुलाई को होना बताया। वहीं चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस के अनुसार मूलतः जालोर जिले के सांचौर स्थित बड़सम हाल गायत्री नगर पाल निवासी पूजा पत्नी किशन कुमार विश्नोई ने रिपोर्ट दी कि वह डॉक्टर पेशे से जुड़ी है। 1 अक्टूबर की रात को उसके महादेव नगर पाल स्थित उसके मकान से अज्ञात चोर नगदी, सोने का छह ग्राम फूल और हाथ घड़ी आदि चोरी कर ले गए। पुलिस सूचना पर मौका मुआयना किया, चोरों का पता लगाया जा रहा है।

बदमाशों ने प्रदेश की 30 से ज्यादा लड़कियों के अश्लील वीडियो रिकॉर्ड करना कबूला

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान की 30 से ज्यादा लड़कियों के अश्लील वीडियो रिकॉर्ड करने के आरोपियों से पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। मुंबई से जोधपुर पुलिस के हत्थे चढ़े फैजान और आमीर ने सोशल मीडिया पर वैष्णवी-तनिष्का जैसे नामों से फर्जी आईडी बना रखी थी। लड़की बनकर लड़कियों से चैट करते। वर्क फ्रॉम होम के नाम पर लाखों की कमाई का झांसा देकर जाल में फंसाते। आरोपियों के मोबाइल में 200 से ज्यादा लड़कियों का डेटा मिला है। दोनों बेकरी में काम करते थे।

पुलिस के अनुसार लाखों की कमाई के नाम से लड़कियों से एक एग्रीमेंट साइन करवाते थे। उसे तोड़ने पर कार्रवाई की धमकी देकर ही लड़कियों को अश्लील वीडियो के लिए मजबूर करते थे। आरोपी फैजान और आमीर ने पुलिस को बताया कि दोनों ने सोशल मीडिया पर हिन्दू नामों (वैष्णवी, तनिष्का) से फर्जी आईडी बना रखी थी। स्नैपचैट, इंस्टाग्राम और व्हॉट्सएप पर लड़की बनकर लड़कियों से चैट करते थे। वर्क फ्रॉम होम के जरिए लाखों कमाने का लालच देते थे। आरोपी खुद को रेड स्टेट नाम की कंपनी का वेंडर बताते थे। कंपनी में काम करने से पहले लड़कियों से एक एग्रीमेंट फॉर्म भरने को कहते। एग्रीमेंट फॉर्म में उनके मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी जैसी कई डिटेल भरवाई जाती। फिर चैट पर ही वर्क फ्रॉम होम के नाम पर आसान-आसान टास्क देते। शुरुआत में रेस्टोरेंट-होटल की रेटिंग, लाइक-शेयर का टास्क देते। भरोसा जीतने के लिए पहला टास्क पूरा होते ही पेमेंट लड़कियों के खाते में ट्रांसफर कर देते। रेटिंग लेवल पूरा करने के बाद किसी प्रोडक्ट की वीडियो-रील बनाकर प्रमोशन का टास्क देते। इस टास्क के पूरा होते ही पैसा होल्ड कर देते। लड़कियों से कहा जाता कि होल्ड किया पैसा तभी मिलेगा जब वो वीडियो कॉल करेंगी। साथ ही एग्रीमेंट तोड़ने पर कार्रवाई की धमकी देकर वीडियो कॉल करने को मजबूर करते। जैसे ही कोई लड़की वीडियो कॉल करती, उसे अच्छे पैसों का लालच और कार्रवाई की धमकी देकर अश्लील वीडियो बना लेते। अश्लील वीडियो हासिल करने के बाद पर्सनल नंबर पर कॉल कर ब्लैकमेल कर होटलों में बुलाते।

जोधपुर ग्रामीण पुलिस को इनके मोबाइल से 200 लड़कियों की डिटेल मिली है। इनमें से 30 लड़कियों के साथ अश्लील वीडियो व चैटिंग मिली है।

मामले की जांच कर रहे अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के मोबाइल से मिले डेटा का एनालिसिस कर रहे हैं। डिटेल के आधार पर अन्य लड़कियों से भी पूछताछ कर रहे हैं। जांच में यह भी पता चला है कि दोनों आरोपी साउथ मुंबई के मरीन ड्राइव इलाके में भी कई लड़कियों को शिकार बना चुके हैं। दोनों के खिलाफ मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में भी बलैकमेलिंग व फ्रॉड का मुकदमा दर्ज है। आरोपी मुंबई हार्बर लाइन स्थित मानखुर्द में एक केक की दुकान पर काम करते थे। फैजान अहमद और आमिर हुसैन की मुलाकात भी वहीं हुई थी। फैजान ग्रेजुएट है और आमिर साक्षर है। बेकरी में खाली समय मिलने पर लड़कियों के नाम से बनी फेक प्रोफाइल से लड़कों को टारगेट करते थे। दोनों के अलावा एक महिला के भी गिरोह में शामिल होने की आशंका पुलिस ने जताई है।

> ■ **मुंबई के आरोपियों के मोबाइल में 200 से ज्यादा लड़कियों का डेटा मिला है**

रेल कर्मचारी के अपहरण के मामले में तीन जने गिरफ्तार

मामले में पहले दो आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं

अजमेर, (निसं)। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने रेलवे कर्मचारी के अपहरण और फिरौती मांगने के मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

सिविल लाइंस थाने के सहायक उप निरीक्षक मनीराम ने बताया कि 21 अगस्त को रेलवे कर्मचारी रवि मीणा के अपहरण की घटना सामने आई थी। इस संबंध में मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 24 अगस्त को रवि मीणा को सकुशल मुक्त करा लिया था। इसके बाद पुलिस की ओर से अपहरण की साजिश में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही थी। पुलिस ने मामले में पहले सीताराम और नत्थूलाल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद जांच आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी महेंद्र मीणा तथा उसके दो साथियों अनिल और शंकर लाल को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार सभी आरोपी दौसा जिले के निवासी हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि वर्ष 2018 में मुख्य आरोपी महेंद्र मीणा की बहन की शादी रवि मीणा से हुई थी। शादी के बाद से ही दोनों पक्षों के बीच आपसी विवाद और मनमुटाव चल रहा था। पुलिस के अनुसार महेंद्र का परिवार रवि पर दबाव बना रहा था। विवाद को सुलझाने के लिए कई बार सामाजिक स्तर पर बैठकें भी हुई, लेकिन मामला नहीं सुलझा। इसके बाद आरोपियों ने कथित रूप से योजना बनाकर रवि मीणा का अपहरण किया और उसके बदले फिरौती की मांग की। पुलिस ने मामले में आरोपियों को गिरफ्तार कर जांच आगे बढ़ा दी है।

> ■ **पुलिस ने 24 अगस्त को रेलवे कर्मचारी रवि मीणा को मुक्त करा लिया था**

लोहार्गल के बरखंडी धाम के संत की हत्या का खुलासा, एक जने को पकड़ा

गोठड़ा/ झुंझुनूं, (निसं)। लोहार्गल स्थित बरखंडी धाम के संत सुरजादास महाराज की हत्या और लूट के मामले का गोठड़ा थाना पुलिस ने महज पांच दिन में खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तकनीकी संसाधनों और विभिन्न टीमों की मदद से वारदात की कड़ियां जोड़ते हुए सुरेश कुमार पुत्र ग्यारसीलाल, निवासी झाझम की ढाणी, तन पहाड़ीला, थाना गोठड़ा, जिला झुंझुनूं को गिरफ्तार किया है। आरोपी से वारदात को लेकर गहन पूछताछ एवं अनुसंधान जारी है।

पुलिस के अनुसार 27 सितंबर को परिवादी शंकरलाल ने गोठड़ा थाने में रिपोर्ट दी कि लोहार्गल धाम स्थित बरखंडी बाबा मंदिर के संत सुरजादास महाराज, जो सिंगोद कलां, जयपुर के रहने वाले थे, 26 सितंबर की शाम से लापता हैं। 27 सितंबर की सुबह मंदिर पहुंचे यात्रियों ने संत के वहां मौजूद नहीं होने की जानकारी दी। रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर संत की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस टीम के साथ ग्रामीणों ने भी संत की तलाश शुरू की। इसी दौरान बरखंडी की पहाड़ियों में एक गहरी खाई में संत सुरजादास महाराज का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। पुलिस ने एसडीआरएफ टीम, जयपुर जिला रेस्क्यू टीम की मदद से शव को खाई से बाहर निकलवाया। इसके बाद मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया और हत्या के अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल का एफएसएल टीम, डॉग स्क्वॉड, साइबर टीम और एमओबी द्वारा बारीकी से निरीक्षण कराया गया। पुलिस ने मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। इसके बाद तकनीकी संसाधनों की मदद से संदिग्धों की गतिविधियों को खंगाला गया और पुलिस टीमों ने लगातार जांच करते हुए आरोपी सुरेश कुमार तक पहुंच बनाई। पुलिस ने आरोपी सुरेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। अब उससे हत्या और लूट की वारदात में उसकी भूमिका, घटना के कारण तथा लूटे गए सामान के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

> ■ **सुरजादास महाराज का शव गहरी खाई में मिला था**

अजमेर के निजी हॉस्पिटल में महिला व गर्भस्थ शिशु की मौत पर हंगामा

परिजनों और रिश्तेदारों ने डॉक्टर पर लापरवाही के आरोप लगाए

अजमेर, (निसं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र स्थित एक निजी हॉस्पिटल में गर्भवती महिला और उसके गर्भस्थ शिशु की मौत के बाद शनिवार को परिजनों और रिश्तेदारों ने अस्पताल परिसर में हंगामा कर दिया। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल के डॉक्टर हरबंस (एच.एस.) दुआ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हंगामे की सूचना मिलने पर अलवर गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से समझाइश कर मामला शांत कराया।

परिजनों के अनुसार, मृतका पूजा गर्भावस्था के दौरान इलाज के लिए निजी हॉस्पिटल आ रही थी। परिजनों का दावा है कि वह अस्पताल पहुंचने से पहले सामान्य स्थिति में थी। शनिवार को लेबर रूम में उसकी हालत अचानक बिगड़ गई। परिजनों का आरोप है कि इस दौरान उसका ब्लड प्रेशर बढ़ गया और कुछ समय बाद वह बेसुध हो गई।

मृतका की बड़ी बहन संजू गुर्जर ने डॉक्टर हरबंस दुआ पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पूजा की पूर्व की रिपोर्ट्स सामान्य थीं। इसके बावजूद परिवार को ब्लड प्रेशर को लेकर ऐसी जानकारी दी गई, जिससे वे स्थिति को लेकर भ्रमित रहे। संजू के मुताबिक, लेबर रूम में हालत बिगड़ने के बाद अस्पताल में स्थिति संभालने के बजाय पूजा को आनन-फानन में जनाना अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजनों का कहना है कि जनाना अस्पताल ले जाने के दौरान और वहां पहुंचने के बाद चिकित्सकीय प्रयास किए गए, लेकिन पूजा और उसके गर्भस्थ शिशु को बचाया नहीं जा सका। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया और परिजन अस्पताल पहुंच गए।

मृतका की बहन संजू गुर्जर ने सवाल उठाया कि यदि अस्पताल में प्रसव के दौरान किसी गंभीर स्थिति से निपटने की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं थी तो गर्भावस्था के दौरान पूजा का इलाज वहां क्यों किया जा रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि समय रहते उचित उपचार और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होती तो स्थिति अलग हो सकती थी। हालांकि, इलाज में लापरवाही के इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले में चिकित्सकीय जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारण और उपचार में किसी तरह की लापरवाही हुई या नहीं, यह स्पष्ट हो सकेगा।

घटना से आक्रोशित परिजनों ने डॉक्टर हरबंस दुआ के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। परिवार का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि इलाज में किसी तरह की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। परिजनों ने यह भी मांग की कि जांच पूरी होने तक डॉक्टर की अजमेर में प्रैक्टिस पर रोक लगाने के संबंध में प्रशासन और चिकित्सा विभाग आवश्यक कदम उठाए, ताकि भविष्य में किसी अन्य परिवार को ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़े।

अस्पताल में हंगामे की सूचना मिलने के बाद अलवर गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों से बातचीत कर उनकी शिकायत और आरोपों की जानकारी ली तथा समझाइश के बाद स्थिति को शांत कराया। अब मामले में परिजनों की ओर से दी जाने वाली शिकायत और उपलब्ध मेडिकल रिकॉर्ड के आधार पर आगे की कार्रवाई की बात सामने आ रही है।

> ■ **लेबर रूम में तबीयत बिगड़ने के बाद जनाना अस्पताल रेफर किया गया था, वहां उपचार के दौरान महिला और गर्भस्थ शिशु को बचाया नहीं जा सका**

एक ही रात में खेतों से 131 नोजल चोरी

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी क्षेत्र में खेतों से फव्वारा सेट के नोजल चोरी होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब बबाई थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव में अज्ञात चोरों ने एक ही रात में चार किसानों के खेतों को निशाना बनाते हुए कुल 131 नोजल चोरी कर लिए। सुबह खेतों पर पहुंचे किसानों को फव्वारा सेट की पाइपलाइन से नोजल गायब मिले तो हड़कंप मच गया। घटना से किसानों में रोष और चिंता का माहौल है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में रसूलपुर निवासी भाल सिंह पुत्र कानाराम सैनी ने बताया कि उसने अपने खेत में सिंचाई के लिए फव्वारा सेट की लाइन लगा रखी थी। इसमें 50 नोजल लगे हुए थे। सुबह खेत पर पहुंचने पर लाइन में लगे सभी 50 नोजल गायब मिले। अज्ञात चोर रात के समय नोजल तोड़कर ले गए। भाल सिंह ने घटना की जानकारी गांव के अन्य लोगों को दी तो सामने आया कि अन्य किसानों के खेत भी उसी रात चोरों के निशाने पर रहे। गणत शर्मा के खेत से 19 नोजल, जगदीश प्रसाद शर्मा के खेत से 32 नोजल तथा रतनलाल यादव के खेत से 30 नोजल चोरी हुए हैं। इस तरह चारों किसानों के खेतों से एक ही रात में 131 पानी के नोजल चोरी किए गए। किसानों का कहना है कि फव्वारा सेट के नोजल खेतों की सिंचाई व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनके चोरी होने से न केवल सीधे आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि दोबारा नोजल लगाने के बाद ही खेतों में सिंचाई व्यवस्था सुचारू हो सकेगी। ग्रामीणों के अनुसार रात के समय खेतों में निगरानी नहीं होने का फायदा उठाकर चोर लगातार इस तरह की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। पीड़ित किसानों ने बबाई थाना पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच कर अज्ञात चोरों का पता लगाने, चोरी हुए 131 नोजल बरामद करने तथा आरोपियों के खिलाफ जल्द कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। लगातार हो रही नोजल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किसानों ने रात्रि गश्त बढ़ाने की भी मांग की है।

युवक पर हमला, भीलवाड़ा के अस्पताल में भर्ती

भीलवाड़ा, (निसं)। ब्यावर में सुखाड़िया सर्किल के पास बीते गत गुरुवार की रात बदमाशों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। स्कूटी से घर लौट रहे युवक को 6 से 7 अज्ञात लोगों ने घेरकर लोहे के सरियों और पाइपों से बेरहमी से पीटा। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके सिर, दोनों पैरों और शरीर पर गंभीर चोटें आईं व फ्रैक्चर हुए हैं। घायल को इलाज के लिए भीलवाड़ा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित विपिन कुमार 2 अक्टूबर की रात करीब आठ बजे सुखाड़िया सर्किल के पास कुड़ीगे के सामने, कनि रोड स्थित सगस जी के मंदिर के सामने से अपनी स्कूटी पर घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में 6-7 अज्ञात बदमाशों ने उसे जबरन रोक लिया। विपिन अकेला था, जिसका फायदा उठाकर हमलावरों ने अचानक लोहे के सरियों और पाइपों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में विपिन के सिर के पास और दोनों पैरों में गंभीर फ्रैक्चर आए हैं।

जैसलमेर के सूदासरी में ब्रीडिंग सेंटर में पले गोडावणों को री-वाइल्डिंग एवियरी में छोड़ा

सीएम भजनलाल शर्मा ने नवनिर्मित री-वाइल्डिंग एवियरी का वीसी से उद्घाटन किया

फाइल फोटो।

■ केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव व प्रदेश के वन मंत्री संजय शर्मा ने रामदेवरा पहुंचकर री-वाइल्डिंग एवियरी का निरीक्षण किया

जालोर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को रामदेवरा स्थित गोडावण संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र में नवनिर्मित री-वाइल्डिंग एवियरी का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से उद्घाटन किया। वीसी से केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और प्रदेश के वन मंत्री संजय शर्मा भी जुड़े। वहीं देर शाम को केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव व प्रदेश के वन मंत्री संजय शर्मा ने रामदेवरा पहुंचकर री-वाइल्डिंग एवियरी का निरीक्षण किया। एवियरी में गोडावण को प्राकृतिक वातावरण के अनुकूल बनाने और पुन: जंगल में बसाने की प्रक्रिया को गति मिलेगी। यह पहल राजस्थान की जैव विविधता संरक्षण में अहम कदम है। जैसलमेर जिले के सूदासरी में पहली बार ब्रीडिंग सेंटर (प्रजनन केंद्र) में पले-बढ़े गोडावणों को उनके प्राकृतिक पर्यावास (नेचुरल हैबिटेट) में रिलीज किया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रामदेवरा स्थित गोडावण संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र में नवनिर्मित री-वाइल्डिंग एवियरी (पुनर्स्थापन पक्षीगृह) के उद्घाटन कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि राज्य पक्षी गोडावण को बचाने के लिए यह गौरवपूर्ण क्षण है, विलुप्त हो रहे गोडावण को बचाने के लिए अथक प्रयास करने का नतीजा है कि आज गोडावण को री-वाइल्डिंग एवियरी में छोड़ा गया। पहले यह चौबीस घंटे निगरानी में रहेंगे, इसके बाद जंगल में पहले की तरह विचरण करेंगे।

केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि एक चिंता की जा रही थी कि राजस्थान का राज्य पक्षी गोडावण विलुप्त हो रहा है, इसके बाद गोडावण को बचाने की मुहिम शुरु की गई। इसके लिए एक एमयू हुआ कि लुप्त हो रहे गोडावण को बचाया जाये। इसके लिए ब्रीडिंग सेंटर का निर्माण सुदासरी व रामदेवरा में किया गया। इसके लिए 36 किमी क्षेत्र को अधिकृत कर उसमें गोडावण के अण्डे व बच्चे प्रतिकूल वातावरण में रखकर बचाया गया। अब ब्रीडिंग सेंटर से उन बच्चों को आसमान के खुले वातावरण में छोड़ने के लिए आज री-वाइल्डिंग एवियरी का उद्घाटन किया गया।

वन मंत्री ने कहा कि गोडावण राजस्थान की विशिष्ट वन्यजीव विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसकी घटती संख्या को देखते हुए संरक्षण और प्रजनन के साथ प्राकृतिक आवास में पुनर्स्थापन के प्रयासों को गति देना आवश्यक है। रामदेवरा स्थित संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नवनिर्मित री-वाइल्डिंग एवियरी गोडावण के प्राकृतिक वातावरण में पुनर्स्थापन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सहायक डेजर्ट नेशनल पार्क में आयोजित इस कार्यक्रम को वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर बड़ी कामयाबी के रूप में देखा जा रहा है। रामदेवरा के सुदासरी पहुंचे केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने ब्रीडिंग सेंटर की व्यवस्थाओं और पार्क क्षेत्र में गोडावण संरक्षण के लिए चल रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की।

लंबे समय से गोडावण के अंडों की हैचिंग और ब्रीडिंग पर काम कर रहे वैज्ञानिकों और वन विभाग की टीम के लिए यह पल बेहद गौरवशाली है, क्योंकि यह प्रयोग सफल होने पर थार के इस अनूठे पक्षी के कुनबे को नया जीवन मिलेगा। गौरतलब है कि जिले में गोडावण का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। कृत्रिम माहौल में बड़े हुए इन पक्षियों को सीधे खुले में छोड़ना जोखिम भरा हो सकता था। इसी के मद्देनजर सॉफ्ट-रिलीज प्रक्रिया अपनाई गई। इसके तहत इन्हें बीते 2 से 3 महीनों तक विशेष टनल में रखा गया था। इस टनल में उन्हें प्राकृतिक परिवेश का अहसास कराया गया, जहां उन्होंने खुद दाना-पानी ढूंढना, मौसम के उतार-चढ़ाव को झेलना और अपनी उड़ने की क्षमता को मजबूत करना सीखा। पूरी तरह स्वस्थ और प्राकृतिक जीवन के अनुकूल पाए जाने के बाद ही अब इन्हें खुले पर्यावास में छोड़ने का अंतिम फैसला लिया गया है।

वन्यजीव विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की देखरेख में खुले पर्यावास में छोड़े जा रहे इन गोडावणों की सुरक्षा व निगरानी के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। खुले में छोड़े जाने से पूर्व इन सभी पक्षियों पर अत्याधुनिक जीपीएस टैग लगाए जाएंगे। इस तकनीक की मदद से वन विभाग और वैज्ञानिकों का दल 24 घंटे इनकी गतिविधियों, उड़ने के दायरे, भोजन तलाशने के व्यवहार और संभावित खतरों पर सीधी नजर रख सकेगा। यदि कोई पक्षी किसी संकटग्रस्त क्षेत्र या हाईटेंशन बिजली तारों की दिशा में जाता है, तो तुरंत बचाव दल को सतर्क किया जा सकेगा। ब्रीडिंग सेंटर में तैयार किए गए गोडावण पक्षियों को अब जीपीएस टैगिंग के साथ उनके प्राकृतिक आवास (जैसे सुदासरी क्षेत्र) में खुले आसमान में छोड़ने की शुरुआत हो रही है।

हालिया सफल प्रजनन और कृत्रिम गर्भाधान तकनीकों की मदद से संरक्षण केंद्रों में गोडावणों की कुल संख्या बढ़कर लगभग 94 तक पहुंच चुकी है। राजस्थान के राज्य पक्षी गोडावण को बचाने की दिशा में एक बहुत ही बड़ा और ऐतिहासिक कदम बताया जा रहा है। अब गोडावण को बाड़ों और कृत्रिम संरक्षण केंद्रों की चारदीवारी से निकालकर खुले आसमान में आजादी की उड़ान भरने का सुनहरा मौका मिलेगा।

भीलवाड़ा में आठ लाख की अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी।

■ पुलिस अब आरोपी से कड़ाई से पूछताछ कर रही है

भीलवाड़ा, (निसं)। सीआईडी (क्राइम ब्रांच) और पुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने नशे की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 1.445 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की है। चित्तौड़गढ़ हाइवे पर संगम पुलिया के पास की गई इस कार्रवाई में 20 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, जब्त की गई अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 8 लाख रुपए है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हाइवे के रास्ते अफीम की तस्करी होने वाली है। इस पर सीआईडी टीम ने पुर थाना पुलिस के साथ मिलकर संगम पुलिया पर नाकाबंदी और घेराबंदी की। इस दौरान वहां से गुजर रहे एक संदिग्ध युवक को रोककर जब तलाशी ली गई, तो उसके पास से 1.445 किलो अफीम बरामद हुई। गिरफ्तार तस्कर की पहचान धर्मराज पुत्र रामेश्वर जाट (20), निवासी बड़ी हरणी, थाना कोतवाली भीलवाड़ा के रूप में हुई है। पुर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है, ताकि अफीम की सप्लाई के मुख्य स्रोत और इससे जुड़े पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

जोधपुर में एएसआई से 15.58 लाख की साइबर ठगी

■ ऑनलाइन निवेश और शॉप खोलने का झांसा दिया था

जोधपुर, (कासं)। माता का थान थाना क्षेत्र में ऑनलाइन निवेश और शॉप खोलने का झांसा देकर एक एएसआई से करीब 15.58 लाख रुपए की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। रिपोर्ट में रकम 16 लाख से ज्यादा बताई गई है।

पीड़ित लिखमाराम पुत्र मालाराम निवासी सज्जन नगर, मिया का बेरा ने रिपोर्ट में बताया कि फरवरी में उसके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप मैसेज आया। आरोपी ने निवेश के नाम पर एक लिंक भेजकर ऑनलाइन शॉप खुलवाई और यूजर आईडी-पासवर्ड दिए। उसे बताया गया कि ऑनलाइन ग्राहक शॉप से खरीदारी करेंगे और ऑर्डर पूरा होने पर उसे 20 प्रतिशत कमीशन मिलेगा। रिपोर्ट के अनुसार शुरुआत में पीड़ित ने कुछ छोटी रकम जमा की और उसके खाते में कमीशन की राशि भी आई। इसके बाद जब उसने अपनी रकम निकालने का प्रयास किया तो आरोपियों ने जीएसटी, सर्विस टैक्स, अकाउंट एक्टिवेशन और विड्रॉल चार्ज सहित अलग-अलग शुल्क के नाम पर लगातार रकम जमा करवानी शुरू कर दी।

पीड़ित एएसआई के अनुसार 12 फरवरी से 2 सितंबर के बीच उसके अपने एसबीआई खाते सहित उसके बेटे और एक परिचित के खातों से अलग-अलग बैंक खातों व यूपीआई आईडी में करीब 15,58,521 रुपए ट्रांसफर किए गए। ठगी का अहसास होने के बाद में एएसआई ने साइबर पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। एफआईआर में चोरी/धोखाधड़ी से संबंधित संपत्ति की कुल राशि 16,42,964 रुपए दर्ज बताई गई है।

अजमेर में बंद मकान के ताले तोड़कर चोरी

अजमेर, (निसं)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के भुणाबाय में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए करीब 6 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवरात और अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया। वारदात का पता शुक्रवार सुबह उस समय चला, जब मकान मालकिन अपने बेटे के घर से वापस लौटी और मुख्य दरवाजे के ताले टूटे हुए मिले। पुलिस ने मामले को लेकर जांच शुरू की है।

क्षेत्रवासी कमल सिंह के अनुसार अमरी देवी दिन के समय अपने मकान में रहती हैं, जबकि रात को कुछ दूरी पर स्थित अपने बेटे के घर सोने के लिए चली जाती हैं। गुरुवार रात भी वह मकान बंद कर बेटे के घर चली गई थीं। शुक्रवार सुबह जब वह वापस अपने घर पहुंचीं तो दरवाजे के ताले टूटे देखकर उनके होश उड़ गए। अमरी देवी ने मकान के अंदर जाकर सामान की जांच की तो कमरों में सामान बिखरा हुआ मिला। जांच करने पर सोने-चांदी के जेवर सहित अन्य कीमती सामान गायब पाया गया। परिजनों के अनुसार चोरी हुए सामान की कीमत करीब 6 लाख रुपए बताई जा रही है। वारदात की सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने के साथ ही पुलिस चोरों की तलाश में जुटी हुई है।

लड़ाकू विमानों और एयरक्रू ने उड़ान भरी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में चल रहे "तरंग शक्ति-2026 युद्धाभ्यास" के दौरान आसमान में अनोखा नजारा देखने को मिला। अभ्यास में भाग ले रहे सभी मित्र राष्ट्रों के लड़ाकू विमानों और एयरक्रू ने एक साझा फॉर्मेशन में एक साथ उड़ान भरी। भारतीय वायुसेना के अनुसार, यह संयुक्त फॉर्मेशन विभिन्न देशों के बीच आपसी विश्वास, सटीकता और रक्षा भाईचारे का एक शक्तिशाली संदेश है। इस आयोजन का मुख्य संदेश पावर इन पार्टनरशिप यानी साझेदारी में ही शक्ति रहा, जिसने वैश्विक रक्षा सहयोग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। युद्धाभ्यास का मुख्य उद्देश्य-प्रतिभागी देशों के बीच उन्नत हवाई युद्ध रणनीति, रक्षा तालमेल और तकनीकी अनुभवों को साझा करना है।

अजमेर में साइबर ठगी का आरोपी युवक गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। साइबर ठगी की रकम को राजनीतिक पार्टी के बैंक खाते में जमा करवाने और बाद में राशि निकालने के मामले में सिविल लाइंस थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान दीपेंद्र सिंह रावत उर्फ दीपू (23) निवासी वार्ड नंबर 1, लाडपुरा, थाना गेगल, अजमेर के रूप में की है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पार्टी फंड में डोनेशन के नाम पर शिकायतकर्ता के राजनीतिक पार्टी के बैंक खाते में 16 लाख 16 हजार 500 रुपए जमा करवाए थे। रकम जमा होने के बाद बैंक की ओर से खाते को फ्रीज कर दिया गया। इसके बाद जब खाते से संबंधित जानकारी जुटाई गई तो सामने आया कि जमा कराई गई राशि साइबर ठगी से जुड़ी हुई थी। पुलिस को दी शिकायत में लाडपुरा निवासी मुकेश रावत ने बताया कि उसके पास अखिल भारतीय राजनीतिक पार्टी के नाम से बैंक खाता है। चुनाव के दौरान इस खाते में पार्टी फंड की राशि आती है, जिसका उपयोग प्रचार-प्रसार और अन्य राजनीतिक गतिविधियों के लिए किया जाता है। शिकायत के अनुसार, गांव का ही दीपेंद्र उर्फ दीपू उसे अपने झांसे में लेकर पार्टी के खाते में रकम जमा करवाने लगा। आरोपी ने पार्टी फंड में डोनेशन के नाम पर खाते में 16,16,500 रुपए जमा करवाए। इसके बाद खाते से यह राशि निकाल ली गई।

रकम जमा होने के बाद बैंक ने संबंधित खाते को फ्रीज कर दिया। खाते पर कार्रवाई होने के बाद पीड़ित ने मामले की जानकारी जुटाई। जांच में पता चला कि खाते में जमा कराई गई रकम कथित तौर पर साइबर ठगी से संबंधित थी। इसके बाद पीड़ित ने सिविल लाइंस थाने में शिकायत दर्ज करवाई। थाना प्रभारी शंभू सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले की जांच करते हुए आरोपी दीपेंद्र सिंह रावत को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब उससे पूछताछ कर रही है।

नाबालिग से छेड़छाड़ के दो अभियुक्तों को सजा सुनाई

अभियुक्तों को सात-सात वर्ष का कारावास और 35 हजार के अर्थदंड से दंडित किया

भीलवाड़ा, (निसं)। अदालत ने नाबालिग लड़की का अपहरण करने और अश्लील हरकतें करने के एक गंभीर मामले में त्वरित न्याय सुनाते हुए दो अभियुक्तों को दोषी ठहराया है। न्यायाधीश रेखा वधवा ने फैसला सुनाते हुए अभियुक्तों को सात-सात वर्ष के कठोर कारावास और 35 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

मामले के अनुसार, 28 जनवरी 2025 को पीड़िता के पिता ने थाने में एक लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उनकी नाबालिग पुत्री, जो एक स्कूल में पढ़ती है, को अभियुक्त मोहम्मद आदिल और अशफाक लगातार परेशान कर रहे थे। आरोपियों ने नाबालिग को अकेला देखकर अश्लील हरकतें कीं और नाम बदलकर शादी का दबाव बनाया। इंकार करने पर पीड़िता के माता-पिता और छोटे भाई को जान से मारने की धमकी भी दी गई। घटना के दिन अभियुक्तों ने नाबालिग को जबरन अपनी गाड़ी में बैठाकर अपहरण कर लिया। रास्ते में अशफाक और साहिल ने उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। तभी वहां से गुजर रहे कुछ लोगों को देखकर आरोपी पीड़िता को वहीं छोड़कर मौके से फरार हो गए। पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। जांच के बाद पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में चालान पेश किया। अदालत में विशेष लोक अभियोजक धर्मवीर सिंह कानावत ने अभियोजन पक्ष की ओर से प्रभावी पैरवी करते हुए 21 दस्तावेज और गवाह पेश कर अभियुक्तों के खिलाफ अपराध प्रमाणित कराया।

साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर कोर्ट ने मोहम्मद आदिल उर्फ साहिल और अशफाक को दोषी मानते हुए सात-सात साल के कठोर कारावास और 35 हजार के जुर्माने की सजा सुनाई।

अधिवक्ता पर हुये हमले के आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला अभिभाषक संस्था, भीलवाड़ा ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर अधिवक्ता गोविंद माणमिया पर हुए जानलेवा हमले के मामले में आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। संस्था ने चेतावनी दी है कि यदि 3 दिन के भीतर अभियुक्त को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो पूरे वकील समुदाय द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत 1 अक्टूबर की शाम लगभग 8:30 से 9 बजे के बीच अधिवक्ता गोविंद माणमिया अजमेर चौराहे की ओर से आ रहे थे। तभी एक अज्ञात व्यक्ति स्कूटर पर सवार होकर आया और उसने उन्हें रोककर लूटपाट करने का प्रयास किया। जब अधिवक्ता ने अपना बचाव किया, तो हमलावर ने जेब से चाकू निकालकर उन्हें जान से मारने की नीयत से उन पर हमला कर दिया। घटना के संबंध में थाना सुभाष नगर में मामला दर्ज कराया गया है। अधिवक्ता संघ का आरोप है कि पुलिस को घटना का वीडियो फुटेज उपलब्ध कराने के बावजूद भी आरोपी की गिरफ्तारी अब तक नहीं हो पाई है, जिससे अभिभाषक समुदाय में भारी आक्रोश व्याप्त है। जिला अभिभाषक संस्था ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि अभियुक्त को अविलंब गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाए, अन्यथा वकील कड़ा रुख अपनाने को मजबूर होंगे।

जोधपुर : जेएनवीयू के पेंशनर्स की पेंशन छह महीने से बकाया

जोधपुर, (कासं)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय (जेएनवीयू) के पेंशनर्स की पेंशन पिछले 6 महीने से बकाया है। पेंशनर्स के मुताबिक, बकाया राशि 50 करोड़ रुपए से ज्यादा है। शनिवार को पेंशन और एरियर सहित अन्य मांगों को लेकर पेंशनर्स ने प्रदर्शन कर अपनी मांगें उठाईं। पेंशनर्स ने यूनिवर्सिटी प्रशासन पर समस्याओं का समाधान नहीं करने का भी आरोप लगाया।

पेंशनर्स समिति के अध्यक्ष प्रो. रामनिवास शर्मा ने बताया कि आज जब प्रदर्शन करने पहुंचे तो हैड ऑफिस के मैन गेट पर ताला लगा हुआ था। उन्होंने बताया कि कुलगुरु ने ताला लगवाने के आदेश दिए थे, लेकिन पेंशनर्स ने कहा कि ताला लगा रहा तो वह भी कुलगुरु को नहीं आने देंगे। इसके बाद फिर दूसरे गेट से प्रदर्शन करने विश्वविद्यालय के कुलगुरु ऑफिस के बाहर पहुंचे। वहां पर अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की।

प्रो. रामनिवास शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के करीब 1500 पेंशनर्स हैं, जिन्हें हर महीने 8.67 करोड़ रुपए की पेंशन का भुगतान किया जाता है। लेकिन पिछले 6 महीने से पेंशन का भुगतान नहीं हुआ है। विश्वविद्यालय के पेंशनर्स के 50 करोड़ से ज्यादा की राशि बकाया चल रही है, लेकिन प्रशासन की ओर से इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। जिससे पेंशनर्स को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पेंशनर्स को प्रो. सुखवीर सिंह बैस, प्रो. कैलाशनाथ व्यास, प्रो. खरता राम पटेल, प्रो. राम निवास शर्मा और अशोक व्यास ने संबोधित किया।

महिलाओं से कथित छेड़छाड़ के आरोपी को ग्रामीणों ने पीटा

अजमेर, (निसं)। आदर्श नगर थाना क्षेत्र में महिलाओं से कथित छेड़छाड़ और अभद्रता को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि ग्रामीणों ने उत्तर प्रदेश नंबर की कार में सवार तीन युवकों की जमकर पिटाई कर दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मामला चर्चा में है। सूचना मिलने पर आदर्श नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तीन युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश नंबर की कार से कुछ युवक क्षेत्र के एक रेस्टोरेंट में पहुंचे थे। आरोप है कि युवक वहां शराब पी रहे थे। इसके बाद नशे की हालत में वे पास स्थित एक घर में घुस गए। यहां मौजूद महिलाओं के साथ अभद्रता और छेड़छाड़ करने का आरोप है। बताया जा रहा है कि महिलाओं के विरोध करने पर युवकों ने उनके साथ मारपीट भी की। ग्रामीणों ने युवकों को घेर लिया और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, काफी देर तक युवकों की पिटाई होती रही। इसी दौरान मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया।

सोने की माला का लालच देकर ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा

जालोर के तीन जने गिरफ्तार, कई जिलों में 25 से अधिक वारदातें करना कबूल की

■ पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 13.60 लाख नकद और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की

दौसा, (निसं)। दौसा जिले की सिकंदरा थाना पुलिस ने शुक्रवार को सोने की माला का लालच देकर 15 लाख रुपए की ठगी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 13 लाख 60 हजार रुपए नकद और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की है। आरोपित कई राज्य के जिलों में इसी तरीके से करीब 25 से ज्यादा वारदातों को अंजाम दे चुके हैं।

पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित ने बताया कि 26 सितंबर को बासड़ा निवासी कमलेश सैनी ने सिकन्दरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि बांदीकुई रोड पर श्रीराम फर्नीचर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स के नाम से दुकान है। करीब डेढ़ महीने पहले दो व्यक्ति ग्राहक बनकर दुकान पर आए और सामान खरीदने के दौरान उन्होंने सोने जैसा सामान मिलने की बात कही। आरोपियों ने सोने का टुकड़ा देकर उसे असली बताया और परिवादी से एक लाख रुपए एडवांस भी ले लिए। इसके बाद आरोपितों ने 800 ग्राम सोना होने की बात कहते हुए 15 लाख रुपए में सौदा तय किया। 24 सितंबर को परिवादी को जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर में बुलाया गया। वहां आरोपितों ने गाड़ी में सोने की धातु से बनी मालाएं देकर परिवादी से 14 लाख रुपए नकद ले लिए। बाद में राजाधोक पहुंचकर माल को तेजाब से जांचने पर वह नकली निकला।

थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर पुलिस थाना सिकंदरा, साइबर सेल और डीएसटी की संयुक्त टीम ने घटनास्थल से लेकर करीब 350 किलोमीटर क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। कॉल डिटेल, तकनीकी साक्ष्यों और पारंपरिक पुलिसिंग के जरिए आरोपियों की पहचान की गई। तीन अक्टूबर को जालोर जिले के रहने वाले तीन आरोपियों को डीडवाना-कुचामन जिले के मंगलाना गांव से गिरफ्तार किया।

आरोपित मंदिर, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, रैन बसेरा और धर्मशालाओं के आसपास किराए पर मकान लेकर महिलाओं और बच्चों के साथ रहते थे। इसके बाद 20-30 किलोमीटर दूर कस्बों और बाजारों में जाकर व्यापारी वर्ग के लोगों की रेकी करते थे। आरोपित पहले दुकानदार से छोटी-मोटी खरीदारी कर उससे संपर्क बनाते थे। बाद में सड़क खुदाई में सोने की बड़ी माला मिलने की कहानी सुनाकर उसे बेचने का झांसा देते थे। विश्वास जीतने के लिए असली सोने का छोटा टुकड़ा भी देते थे, जिसे सुनार से जांच करवाने पर वह असली निकलता था। इसके बाद नकली सोने की माला का सौदा कर व्यापारी को दूसरे जिले या दूर स्थान पर बुलाया जाता था। वहां गिरोह के अन्य सदस्य भी आसपास रहकर निगरानी रखते और नकली सोना देकर पैसे लेकर बाइक से फरार हो जाते थे। बताया जाता है कि गिरफ्तार आरोपियों ने दौसा, नागौर, बीकानेर, जयपुर ग्रामीण, चूरू, सीकर, झुंझुनूं, पाली, बांसवाड़ा सहित कई क्षेत्रों में ठगी की वारदातें करना स्वीकार किया है। इनमें सिकंदरा में 15 लाख, महवा में 13 लाख, मेड़ता रोड में 7 लाख, फुलेरा में 6 लाख, रतनगढ़ में 5 लाख और अन्य स्थानों पर लाखों रुपए की ठगी शामिल है। गिरोह द्वारा करीब 25 से अधिक वारदातों को अंजाम दिए जाने की जानकारी सामने आई है।

पेंशन का झांसा देकर अनु. जनजाति के 17 खातेदारों की संयुक्त कृषि भूमि हड़पी

आरोपी दलाल ने बुजुर्ग और अनपढ़ किसानों को पेंशन दिलाने और म्यूटेशन करवाने का झांसा देकर उनके अंगूठे लगवाए और फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी तैयार कर जमीन बेच दी

■ रिपोर्ट में आरोप लगाया कि दलाल ने कई बैंकों के फर्जी नो-ड्यूज सर्टिफिकेट भी बनाए, पूरे षड्यंत्र में पटवारी रामाराम देवासी की भी मिलीभगत रही है

रेवदर, (निसं)। रेवदर तहसील के लुणोल गांव में अनुसूचित जनजाति के 17 खातेदारों की संयुक्त कृषि भूमि को फर्जी तरीके से हड़पने का एक बड़ा मामला सामने आया है। आरोपी दलाल ने बुजुर्ग और अनपढ़ किसानों को पेंशन दिलाने और म्यूटेशन करवाने का झांसा देकर उनके अंगूठे लगवा लिए और फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी तैयार कर पूरी जमीन बेच दी। रेवदर पुलिस ने धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लुणोल निवासी पीड़ित कैलाश कुमार ने रेवदर थाने में दी रिपोर्ट में बताया है कि लुणोल गांव में खसरा नंबर 812 की कुल 2.1448 हेक्टेयर जमीन उनके सहित 17 लोगों के नाम राजस्व रिकॉर्ड में संयुक्त खातेदारी में दर्ज है। इन में से कुछ लोगों की जमीन बेचनी थी, तो लुणोल के ही रहने वाले दलाल हड़मत सिंह पुत्र दलपत सिंह ने खातेदारों से संपर्क किया। दलाल ने परिवार के बुजुर्ग और अनपढ़ लोगों को पेंशन शुरू करवाने का लालच दिया और कुछ को म्यूटेशन का बोलकर गुमराह किया। इसके बाद धोखे से उनके फर्जी अंगूठे और हस्ताक्षर करवाकर पूरी खातेदारी भूमि की पावर ऑफ अटॉर्नी करवा ली और फिर जमीन बेच दी।

रिपोर्ट में यह गंभीर आरोप लगाया गया है कि दलाल हड़मत सिंह ने कई बैंकों के फर्जी नो-ड्यूज सर्टिफिकेट भी बनाए और उन पर फर्जी मोहर लगाई। इस पूरे षड्यंत्र में पटवारी रामाराम देवासी की भी मिलीभगत रही, जिसके साथ मिलकर बैंक के जाली दस्तावेजों के आधार पर जमीन पर चल रहा रहन (मोर्गेज) भी फर्जी तरीके से हटवा दिया गया।

कैलाश ने बताया कि आरोपियों ने धोखाधड़ी कर मार्च और सितंबर 2025 में फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी बनाई और बैंक के जाली दस्तावेजों के आधार पर म्यूटेशन करवाकर (विक्रय विलेख संख्या 1937 और 2862 के जरिए) जमीन आगे बेच दी। पुलिस ने धोखाधड़ी, कूटरचना और आपराधिक षड्यंत्र का मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रामाराम देवासी, तत्कालीन पटवारी लुणोल का कहना है कि फर्जी म्यूटेशन जैसे सभी आरोप बेबुनियाद एवं झूठे हैं। रहन मुक्त की कार्यवाही संबंधित बैंक से रहन मुक्त प्रमाण पत्र जारी होने के बाद तहसील कार्यालय से आदेश किया जाता है, उसके बाद ही संबंधित द्वारा ऑनलाइन आवेदन करने के बाद पटवारी की आईडी पर आता है।

राजस्थान में पंचायत चुनाव का ऐलान, 4 चरणों में होगी वोटिंग

चुनाव की घोषणा के साथ ही ग्रामीण इलाकों में आचार संहिता लागू हुई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान में पंचायत चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश में 4 चरणों में पंचायत चुनाव कराने का फैसला किया है। प्रदेश में पंचायत समितियों व जिला परिषद् सदस्यों के चुनाव पहले चरण में 23 अक्टूबर को, दूसरे चरण में 29 अक्टूबर को, तृतीय चरण में 4 नवंबर को तथा चौथे चरण में 14 नवंबर को करवाए जाएंगे।

इसी प्रकार सरपंच और वार्ड पंच के चुनाव पहले चरण में 25 अक्टूबर, दूसरे चरण में 31 अक्टूबर, तीसरे चरण में 6 नवंबर तथा चौथे चरण में 16 नवंबर को करवाए जाएंगे। सभी सभी चरणों में मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। शनिवार को राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने प्रैस कॉन्फ्रेंस करके इस बारे में जानकारी साझा की। चुनाव की घोषणा के साथ ही ग्रामीण इलाकों में आचार संहिता लागू हो चुकी है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह

वहीं दूसरी ओर पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव के लिए पहले चरण की अधिूसचना 8 अक्टूबर को, दूसरे चरण के लिए 13 अक्टूबर, तीसरा चरण के लिए 19 अक्टूबर तथा चौथे चरण के लिए 21 अक्टूबर को जारी होगी।

- पंचायत समितियों व जिला परिषद् सदस्यों के चुनाव पहले चरण में 23 अक्टूबर को, दूसरे चरण में 29 अक्टूबर को, तृतीय चरण में 4 नवंबर को तथा चौथे चरण में 14 नवंबर को करवाए जाएंगे।
- जबकि सरपंच और वार्ड पंच के चुनाव पहले चरण में 25 अक्टूबर, दूसरे चरण में 31 अक्टूबर, तीसरे चरण में 6 नवंबर तथा चौथे चरण में 16 नवंबर को करवाए जाएंगे।

नामांकन से लेकर अधिसूचना तक का पूरा कार्यक्रम

राजस्थान में पंचायत चुनाव की प्रक्रिया 8 अक्टूबर को लोक सूचना जारी होने के साथ शुरू होगी। उम्मीदवार 13 अक्टूबर तक सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे।

इसके बाद 14 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी, जबकि 15 अक्टूबर नाम वापस लेने की आखिरी तारीख होगी।

ईवीएम और बैलेट पेपर से होगा मतदान

इस चुनाव में मतदान के लिए दो तरीके अपनाए जाएंगे। सरपंच और वार्ड पंच के चुनाव बैलेट पेपर से होंगे, जबकि पंचायत समिति और जिला परिषद के सदस्यों को चुनने के लिए ईवीएम का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके अलावा, पंचायतीराज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। इस बार 41 जिला परिषदों और 457 पंचायत समितियों के चुनाव होंगे। इसके अलावा, 14 हजार 403 ग्राम पंचायतों में सरपंच और वार्ड पंच चुने जाएंगे। चुनाव के जरिए 1403 जिला परिषद सदस्य और 8245 पंचायत समिति सदस्य चुने जाएंगे। इनके अलावा 41 जिला प्रमुख और 457 प्रधान भी चुने जाएंगे। कोटा, श्रीगंगानगर, बारां और करौली में जिला प्रमुखों और सरपंचों के चुनाव 22 दिसंबर को होंगे।

वोटर्स की बात करें तो राजस्थान में कुल मतदाताओं में 51.82 फीसदी पुरुष और 48.18 फीसदी महिलाएं शामिल हैं। जिलों के लिहाज से राजधानी जयपुर में सबसे ज्यादा 18.99 लाख वोटर हैं, जबकि जैसलमेर में सबसे कम 4.36 लाख मतदाता दर्ज हैं। चुनाव आयोग की घोषणा के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में आचार संहिता लागू होने के कारण अब तबादलों पर पूरी तरह रोक रहेगी। साथ ही मंत्रियों के सरकारी वाहनों और सरकारी गेस्ट हाउस या डाक बंगलों के इस्तेमाल पर भी पाबंदी लगा दी गई है। किसी भी तरह की मदद या जानकारी के लिए मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर संपर्क कर सकते है। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार परिसीमन एवं पुनर्गठन के बाद अब प्रदेश में 41 जिला परिषद, 457 पंचायत समितियां और 14403 ग्राम पंचायतें चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा होंगी। परिसीमन एवं पुनर्गठन के बाद जिला परिषदों के 1403 निर्वाचन क्षेत्र, पंचायत समितियों के 8245 निर्वाचन क्षेत्र और ग्राम पंचायतों के 1 लाख 30 हजार 589 वार्ड अस्तित्व में आए हैं। ऐसे में इस बार पंचायतीराज चुनाव का दायरा काफी व्यापक रहेगा।

'जहां दिसंबर में कार्यकाल खत्म होगा, वहां तारीखें बाद में जारी होंगी'

आयोग की ओर से जारी सूचना में बताया गया है कि अलग-अलग समय पर कार्यकाल पूरा होने और पूर्व में हुए परिसीमन एवं पुनर्गठन के कारण पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव अलग-अलग समय पर होते रहे हैं। अब प्रदेश में 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' की अवधारणा के अनुरूप चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की दिशा में कदम उठाया गया है। हालांकि जिन जिला परिषद और पंचायत समितियों का कार्यकाल दिसंबर 2026 में पूरा होना है, उनके चुनाव के संबंध में आयोग की ओर से बाद में अलग से तारीखें घोषित की जाएंगी।

'गजल एक अहसास' का पोस्टर जारी

जयपुर। 'गजल एक अहसास' के पांचवें संस्करण का आयोजन 10 अक्टूबर 2026 को जयपुर के महाराणा प्रताप सभागार में होगा। कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन शनिवार को ईटरनल हार्ट हॉस्पिटल में डॉ. जितेंद्र सिंह मक्कड़, संजीव जैन और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने किया। म्यूजिक फॉर वेलनेस फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम के संयोजक संजीव जैन पिछले पांच वर्षों से महान गजल गायक जगजीत सिंह पर आधारित इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। कार्यक्रम में संजीव जैन, डॉ. जितेंद्र सिंह मक्कड़, निकिता बंसल, गीतिका चतुर्वेदी, डॉ. निशा गौड़, इंद्रप्रीत सिंह अरोड़ा और गुलशन खत्री गजलों की प्रस्तुति देंगे।

आवश्यकता

विक्रमादित्य महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
लालसोट बाईपास रोड, गुप्तेश्वर मन्दिर के पीछे, दौसा, E-Mail : dr.PDtiwaRi@gmail.com

बी.एड. हेतु पद
प्राचार्य (1) M.A. 55%, M.Ed. 55% Ph.D., 15 Year Exprience

व्याख्यता (14)
(नागरिक शास्त्र, इतिहास), हिन्दी संस्कृत, सामाजिक अध्ययन, वाणिज्य विज्ञान, भूगोल, राजनीतिक विज्ञान अंग्रेजी, संगीतकला, चित्रकला
योग्यता-(M.A. 55%, M.Ed. 55%, Net)

पुस्तकालयाध्यक्ष- (1) M.A., M.Lib.
प्रयोगशाला सहायक (1)
लिपिक (1)
अकाउटेन्ट (1)
च.श्रे.कर्म (1)

शैक्षणिक योग्यता-विश्वविद्यालय, यूजीसी एवं NCTE रेगूलेशन के मापदण्डानुसार
नोट-सत्यापित प्रमाण पत्रों सहित 15/10/26 तक आवेदन करें।
Mob.No. 9414271527, 9414076680
निदेशक- डॉ.पी.डी.शर्मा-विक्रमादित्य महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, दौसा

नाम परिवर्तन

में लोकेन्द्र सिंह पुत्र श्री सम्पत सिंह निवासी एच-20, मंगलम सिटी आई ब्लॉक, पीथावास हाथोज, झोटवाडा जयपूर राज.302012, मेने अपना नाम लोकेन्द्र सिंह बदलकर लोकेन्द्र सिंह राठौड़ रख लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

मैंने मेरा नाम रोहित कुमार जैन से बदलकर रोहित जैन रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाएं। निवासी 61, गायत्री नगर-बी, महारानी फॉर्म, दुर्गापुरा, जयपुर, राजस्थान।

I Army NoJC756443A. Rank Sub/Maj(Hony Capt) Name-Dayal Chand (Retd.) Add-161-A Suraj Nagar Karni Palace Road Panchyawala Jaipur Raj., Pin - 302034, I Want to Change my Spouse Name From Sumitra to Sumitra Devi Vide Affidavit Dated 07.09.26, Before Sub Divisional Majistrsre Jaipur City First Jaipur.

तीन ग्राम पंचायतों के सरपंच की आरक्षण लॉटरी रद्द करने के आदेश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की 3 ग्राम पंचायतों के सरपंच पद के चुनाव के लिए आरक्षण लॉटरी को रद्द करने के आदेश दिए हैं। इसके ाथ ही अदालत ने आरक्षण रोटेशन नियम की पालना करते हुए नए सिरे से लॉटरी निकालने के आदेश दिए हैं। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश रविंन्द्र सिंह व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। रद्द की गई ग्राम पंचायतों में भरतपुर के उच्चैन की बरीघा ग्राम पंचायत, करौली की श्रीमहावीरजी और अकबरपुर पंचायत समिति शामिल हैं। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आदेश की सत्यापित प्रति प्राप्त होने के सात दिन के भीतर लॉटरी प्रक्रिया पूरी की जाए।

- रद्द की गई ग्राम पंचायतों में भरतपुर के उच्चैन की बरीघा ग्राम पंचायत, करौली की श्रीमहावीरजी और अकबरपुर पंचायत समिति शामिल

याचिकाओं में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि आरक्षण रोटेशन के नियमों के तहत पंचायत बनने के बाद सरपंच पद के चुनाव के लिए सबसे पहले एससी वर्ग को वरीयता दी जाएगी। साल 1994 के राजस्थान पंचायती राज निर्वाचन नियम लागू होने के बाद पहली बार साल 1995 में इन स्थानों पर एससी वर्ग के लिए सरपंच की सीट आरक्षित रखी गई। इसके बाद से अब तक यहां छह बार चुनाव हो चुके हैं और दो बार एससी वर्ग के लिए सीट आरक्षित रखी गई हैं। याचिका में कहा गया कि आरक्षण सर्किल पूरा होने के लिए जरूरी है कि जिस जाति को आरक्षण का लाभ मिल चुका है, उन्हें लॉटरी में शामिल नहीं किया जाए। इसके बावजूद भी इस बार हो रहे सातवें चुनाव में एससी वर्ग को लॉटरी में शामिल किया गया और उनके लिए ही सीट आरक्षित कर दी गई। जिसके चलते सात बार में से तीन बार एससी वर्ग को प्रतिनिधित्व मिल गया। जिससे आरक्षण रोटेशन नियमों की अवहेलना हुई है। इसलिए इन सीटों पर दिए गए एससी आरक्षण को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने तीनों पंचायतों के सरपंच पद के लिए निकाली गई लॉटरी को रद्द करते हुए आरक्षण रोटेशन से नए सिरे से लॉटरी निकालने के आदेश दिए हैं।

हाथी गांव बना आकर्षण का केंद्र

जयपुर। वन्यजीव सप्ताह 2026 के दूसरे दिन शनिवार को हाथीगांव में हाथियों के संरक्षण, कल्याण और उनके प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हाथियों के महत्व, उनके संरक्षण और मानव-हाथी सह-अस्तित्व का संदेश दिया गया।

उप वन संरक्षक वन्यजीव चिड़ियाघर जयपुर डॉ. आशीष व्यास ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण हाथी सजावट प्रतियोगिता रही, जिसमें हाथी महावतों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके साथ ही पशु कल्याण एवं देखभाल जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इसमें हाथियों की देखभाल, स्वास्थ्य, पोषण और कल्याण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई।

कन्हैयालाल हत्याकांड के पांच आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड से जुडे पांच आरोपियों को जमानत देने से इनकार करते हुए उनकी जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया है। सीजे संजय के. अग्रवाल और जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश आरोपी वसीम अली, मुस्लिम खान, मोहसिन खान, मोहम्मद मोहसिन और आरिफ हुसैन की जमानत याचिकाओं को खारिज करते हुए दिए।

- अदालत ने अपने आदेश में कहा कि दिन-दहाड़े पीड़ित की दुकान में घुसकर की गई बेरहम हत्या, और सांप्रदायिक अशांति व दहशत फैलाने के लिए इस जघन्य कृत्य को रिकॉर्ड कर फैलाना, राज्य की नींव पर प्रहार करता है। ऐसी संगठित आतंकी गतिविधि के लिए आपराधिक साजिश का समाज पर बहुत गहरा असर पड़ता है। मामले की परिस्थितियों और ट्रायल को देखते हुए केवल लंबे समय से हिरासत में रहने के आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि दिन-दहाड़े पीड़ित की दुकान में घुसकर की गई बेरहम हत्या, और सांप्रदायिक अशांति व दहशत फैलाने के लिए इस जघन्य कृत्य को रिकॉर्ड कर फैलाना, राज्य की नींव पर प्रहार करता है। ऐसी संगठित आतंकी गतिविधि के लिए आपराधिक साजिश का समाज पर बहुत गहरा असर पड़ता है। मामले की परिस्थितियों और ट्रायल को देखते हुए केवल लंबे समय से हिरासत में रहने के आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि प्रकरण में की गई टिप्पणियां केवल जमानत याचिकाओं की सुनवाई तक ही सीमित हैं और उन्हें मामले के साक्ष्यों के अंतिम आंकलन के रूप में नहीं माना जाएगा।

जमानत याचिकाओं में कहा गया कि कन्हैयालाल की दुकान के आसपास घटना से पहले उनकी मौजूदगी स्थापित करने वाला कोई सीधा साक्ष्य मौजूद नहीं है। इसके अलावा वे करीब चार साल से जेल में बंद हैं और अभी भी मामले की सुनवाई पूरी होने में लंबा समय लगने की संभावना है। जिसका विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक स्नेहदीप ने कहा कि सभी याचिकाकर्ता इस हत्याकांड की साजिश में सक्रिय और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। गवाहों के बयान और जांच के दौरान सामने आए साक्ष्यों से साबित है कि हत्या पूर्व नियोजित साजिश के तहत की गई थी। आरोपियों ने कन्हैयालाल की रैकी की और मुख्य आरोपियों तक उसकी तस्वीरे भेजी। इसके अलावा कॉल डिटेल और हथियारों की बरामदगी सहित अन्य साक्ष्य भी आरोपियों के खिलाफ हैं। एनआईए की ओर से कहा गया कि मामले की नियमित सुनवाई हो रही है। अभियोजन पक्ष के 180 गवाहों में से अब 89 गवाहों के बयान बाकी हैं और करीब तीस महत्वपूर्ण गवाहों के बयान दर्ज हो चुके हैं। इसलिए आरोपियों को जमानत नहीं दी जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया है।

गौरतलब है कि 28 जून, 2022 को कन्हैयालाल दर्जी अपनी दुकान पर काम कर रहे थे। इस दौरान उनकी बर्बरतापूर्वक गला काटकर हत्या कर दी गई और उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। मामले में एनआईए ने जांच करते हुए रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद सहित अन्य के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था। मामले में फरहाद मोहम्मद और मोहम्मद जावेद को जमानत मिल चुकी है। वहीं पाक निवासी सलमान और अबू इब्राहिम फरार चल रहे हैं।

रीको के औद्योगिक क्षेत्रों में 500 से अधिक भूखंड आवंटन के लिए उपलब्ध

"प्लग-एंड-प्ले" सुविधा के लिए 12 शहरों में 28 भूखंडों का होगा आवंटन

जयपुर । प्रदेश में औद्योगिक विकास और निवेश को बढ़ावा देने के लिए रीको ने विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में 500 से अधिक भूखंड ई-नीलामी के माध्यम से आवंटन के लिए उपलब्ध कराए हैं। इनमें औद्योगिक, व्यावसायिक, लॉजिस्टिक्स, आवासीय, ग्रुप हाउसिंग, अस्पताल, नर्सिंग होम, कियोस्क, स्कूल, दुकान और पेट्रोल पंप सहित विभिन्न श्रेणियों के भूखंड शामिल हैं। इनके लिए ऑनलाइन आवेदन और ईएमडी जमा कराने की अंतिम तिथि 13 और 14 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। रीको ने प्लग एंड प्ले, खेल सुविधाओं और कामकाजी आवास सुविधाओं के विकास के लिए भी ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत जयपुर, अजमेर, बीकानेर, भिवाड़ी-द्वितीय, भरतपुर, कोटा, किशनगढ़, सवाई माधोपुर, उदयपुर, झालावाड़, नागौर और श्रीगंगानगर में 28 भूखंड किराये के आधार पर आवंटित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, जयपुर के सीतापुरा स्थित फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स में गारमेंट एवं अपैरल, जेम्स एंड ज्वैलरी तथा आईटी क्षेत्र के उद्योगों के लिए प्लग एंड प्ले मॉड्यूल्स का लाइसेंस शुल्क आधार पर ई-नीलामी से आवंटन किया जा रहा है। इस पहल से उद्यिमयों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त तैयार औद्योगिक परिसर मिल सकेंगे। रीको का उद्देश्य बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराकर प्रदेश में निवेश, औद्योगिक विकास और रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देना है।

नकबजन गैंग के मुख्य सरगना सहित 2 बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। शिप्रापथ थाना पुलिस ने बंद मकानों को निशाना बनाने वाली एक शातिर नकबजन गैंग का पर्दाफाश करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गिरोह के मुख्य सरगना सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि उनके एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी हुआ माल और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई है।पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि 28 सितंबर को गायत्री नगर- , महारानी फार्म, दुर्गापुरा निवासी पराग कछवाहा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित के अनुसार, 26 सितंबर को वे परिवार के साथ निजी काम से पुष्कर गए थे। 27 सितंबर की रात करीब 2:25 बजे अज्ञात चोर बाउंड्री वॉल फांदकर घर में घुसे और ताले तोड़कर लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल, स्पीकर व चांदी के जेवरात चुरा ले गए।

"स्वच्छ फुलेरा-स्वस्थ फुलेरा"
प्रारूप-10
नियम 6 (7) देखिए

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय, नगर पालिका मण्डल, फुलेरा

क्रमांक / न.पा.फु./2026-27/2472 दिनांक 01/10/26

लोक सूचना

श्री नीतिश कुमार पुत्र श्री रघुनाथ निवासी ढाणी चांदमारी, फुलेरा जिला जयपुर राज. ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग (कृषि जिन्सो हेतु बनाये जाने वाले वेयर हाउसिंग एण्ड कोल्ड स्टोरेज) हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
जिला जयपुर जयपुर तहसील फुलेरा	फुलेरा	खसरा न. 1502/52 (1 खसरा)	0.1896 हैक्टेयर अर्थात् 1896 वर्गमीटर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोगार्थ हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अथोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 01.10.26 को जारी की गयी।
(महिमा सोनी) प्राधिकृत अधिकारी नगर पालिका मण्डल फुलेरा

"स्वच्छ फुलेरा-स्वस्थ फुलेरा"
प्रारूप-10
नियम 6 (7) देखिए

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय, नगर पालिका मण्डल, फुलेरा

क्रमांक / न.पा.फु./2026-27/2474 दिनांक 01/10/26

लोक सूचना

श्रीमती रामेश्वरी देवी पत्नि श्री रघुनाथ निवासी ढाणी चांदमारी, फुलेरा जिला जयपुर राज. ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग (कृषि जिन्सो हेतु बनाये जाने वाले वेयर हाउसिंग एण्ड कोल्ड स्टोरेज) हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
जिला जयपुर जयपुर तहसील फुलेरा	फुलेरा	खसरा न. 1503/52 (1 खसरा)	0.5940 हैक्टेयर अर्थात् 5940 वर्गमीटर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोगार्थ हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अथोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 01.10.26 को जारी की गयी।
(महिमा सोनी) प्राधिकृत अधिकारी नगर पालिका मण्डल फुलेरा

पंचायत चुनावों में निकाय चुनाव की प्रचंड विजय को दोहराएगी भाजपा : मदन राठौड़

जयपुर । राजस्थान में पंचायतीराज में 1 लाख 55 हजार से अधिक जनप्रतिनिधियों के होने वाले चुनाव के लिए भाजपा ने कमर कस ली है। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि भाजपा सरकार ने पिछले चुनाव से 20 प्रतिशत से अधिक जनप्रतिनिधियों की भागीदारी इस चुनाव में बढ़ाई है। इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश प्रभारी संजय भाटिया, सह प्रभारी कुलजीत चहल, कविता पाटीदार, प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार, सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने जिलों में प्रवास कर कार्यकर्ताओं से संवाद किया है। उन्होंने बताया कि इसके लिए संभाग स्तरीय चुनाव संचालन समिति का गठन किया गया है। मदन राठौड़ ने बताया कि पिछले 31 माह में राजस्थान के कांग्रेसी कुशासन से मुक्ति के बाद भजनलाल सरकार ने ग्रामीण विकास को नई गति प्रदान की है। जिस प्रकार शहरी निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को जनता के आशीर्वाद से प्रचंड बहुमत मिला, उसी प्रकार पंचायती राज चुनावों में भाजपा ऐतिहासिक सफलता हासिल करेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि जिस प्रकार निकाय चुनाव में बूथ तक पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सक्रिय होकर सहभागिता निभाई और उनके फीडबैक के आधार पर प्रत्याशियों का चयन किया गया था, उसी प्रकार पंचायती राज में चुनावी रणनीति के अनुसार काम करने की योजना बनी है। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि जयपुर संभाग में ओंकार सिंह लखावत, डॉ. अल्का गुर्जर और शंकर सिंह राजपुरोहित को शामिल किया गया है।

गर्भवती महिलाओं को समय पर अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था मजबूत करें : मुख्य सचिव

उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को शासन सचिवालय में 104 जननी एक्सप्रेस सेवा के संचालन एवं प्रबंधन की समीक्षा करते हुए गर्भवती महिलाओं, विशेषकर उच्च जोखिम वाली महिलाओं को समय पर अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं और जननी एक्सप्रेस के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया।

मुख्य सचिव ने प्रत्येक एम्बुलेंस के उपयोग का नियमित आकलन करने, मैदानी स्तर से रिपोर्ट लेने तथा कॉल सेंटर में सहायता के लिए आने वाले फोन से लेकर एम्बुलेंस उपलब्ध कराने तक की प्रक्रिया की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कॉल रिकॉर्ड और मासिक रिपोर्ट की समीक्षा प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य निदेशक के स्तर पर सुनिश्चित करने को कहा, ताकि जरूरतमंद महिलाओं को समय पर परिवहन सुविधा मिल सके। बैठक में एम्बुलेंस सेवा के आगामी संचालन के लिए खुली निविदा अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के माध्यम से संचालन के विकल्पों पर भी चर्चा हुई।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को शासन सचिवालय में 104 जननी एक्सप्रेस सेवा के संचालन एवं प्रबंधन की समीक्षा की। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. जोगाराम और चिकित्सा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ मौजूद थे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. जोगाराम ने बताया कि प्रदेश में जननी एक्सप्रेस सेवा के तहत 600 एम्बुलेंस उपलब्ध हैं। जनवरी 2021 से 10 दिसंबर 2025 तक 18 लाख 86 हजार 48 लाभार्थियों को इस सेवा का लाभ मिला। वर्तमान में सेवा का संचालन राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी के माध्यम से किया जा रहा है। जुलाई 2026 से सभी 600 एम्बुलेंस पूर्ण रूप से संचालित हैं।

बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री ए. राठौड़, वित्त विभाग के प्रतिनिधि, निदेशक जन स्वास्थ्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अतिरिक्त मिशन निदेशक, निदेशक वित्त, परियोजना निदेशक, भंडार अधिकारी और राज्य नोडल अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आम सूचना श्रीमती सीमा देवी पत्नी स्वर्गीय श्री ओमप्रकाश कुमावत ने मेरी अभिभाष्या फर्म बुनियादी विकास गृह निर्माण सहकारी समिति लि0, जयपुर की आवासीय योजना मनु एन्कलेव-फर्स्ट, सबरामपुरा, जयपुर में स्थित एक भूखण्ड संख्या-128, क्षेत्रफल 204.1 वर्गगज के हस्तान्तरण हेतु मूल आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र व मूल दस्तावेज प्रस्तुत किये तथा उक्त भूखण्ड के हस्तान्तरण हेतु समिति को कहा गया है। यदि उक्त भूखण्ड के हस्तान्तरण के सम्बन्ध मे किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, समिति या संगठन को कोई आपत्ति हो तो वो समिति कार्यालय मे या मेरे कार्यालय मे उक्त सूचना के प्रकाशन से 7 दिवस की अवधि मे सम्पर्क करे; अन्यथा समिति द्वारा उक्त भूखण्ड का हस्तान्तरण सीमा देवी के नाम कर दिया जायेगा, बाद मियाद गुजरने के कोई उज्र मान्य नहीं होगा।
(हेमन्त कुमार पलोड़) एडवोकेट, मोबाईल नं. 9314511091

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार मुकेश कुमार मीणा ग्राम गुवाड़ी, चौमू, जयपुर द्वारा श्री मुकेश कुमार जांगिड निवासी 147, जयसिंहपुरा गुवाड़ी, चौमू जयपुर के पक्ष में निष्पादित इकरारनामा दिनांक 14/01/2025 आर्शिवाद कुन्ज, प्लाट नम्बर-75 व 79, ग्राम जयसिंहपुरा, गुवाड़ी, चौमू जयपुर के द्वारा समयावधि में शेष विक्रय राशि अदा न करने तथा अनुबन्ध की शर्तो का उल्लघन करने के कारण निरस्त कर दिया गया है एवम् अग्रिम राशि 11,00,000/- रूपये जब्त की जाती है। उक्त प्लाट नम्बर-75 व 79 पर मुकेश कुमार जांगिड का कोई अधिकार नही है। कोई भी व्यक्ति इनके साथ उक्त भूखण्ड का लेन-देन या सौदा एवम् संव्यवहार न करें, अन्यथा स्वंय जिम्मेदार होगा। सूचित रहे।
जयपुर (संदीप चौधरी) एडवोकेट
दिनांक :- 3/10/26 मो.न. 9785856681

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार मुकेश कुमार मीणा ग्राम गुवाड़ी, चौमू, जयपुर द्वारा श्री छीतरमल जांगिड निवासी 147, जयसिंहपुरा गुवाड़ी, चौमू, जयपुर के पक्ष में निष्पादित इकरारनामा दिनांक 24/04/2024 आवासीय कॉलोनी, लक्ष्मी विहार, प्लाट नम्बर-5, ग्राम जयसिंहपुरा, गुवाड़ी, चौमू जयपुर के द्वारा समयावधि में शेष विक्रय राशि अदा न करने तथा अनुबन्ध की शर्तो का उल्लघन करने के कारण : निरस्त कर दिया गया है एवम् अग्रिम राशि 4,65,000 /- रूपये जब्त की जाती है। उक्त प्लाट नम्बर-5, पर छीतरमल जांगिड का कोई अधिकार नही है। कोई भी व्यक्ति इनके साथ उक्त भूखण्ड का लेन-देन या सौदा न करें, अन्यथा स्वंय जिम्मेदार होगा। सूचित रहे।
जयपुर (संदीप चौधरी) एडवोकेट
दिनांक :- 3/10/26 मो.न. 9785856681

आम सूचना हर आम व खास को सूचित किया जाता है, कि मेरे अभिभाष्य श्री गिर्राज रैगर पुत्र श्री पोखरराम रैगर, निवासी ग्राम फागी, तहसील-फागी, जिला जयपुर का है, जिसने आराजी खतोनी संख्या-334 खसरा नम्बर-3166 रकबा 0.3334 हैक्टेयर, खसरा नम्बर-3167/1 रकबा 0.3541 हैक्टेयर, खसरा नम्बर-3167/2 रकबा 0.1644 हैक्टेयर, खसरा नम्बर-3180 रकबा 1.1254 हैक्टेयर कुल किता-4 कुल रकबा-2.3773 हैक्टेयर पटवार हल्का फागी उत्तर, तहसील-फागी, जिला जयपुर के सम्बंध में एक वाद मय अस्थायी निषेधाज्ञा प्रार्थना-पत्र संख्या-51/2026 श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय फागी के समक्ष प्रस्तुत कर रखा है, जिसमे स्थगन आदेश प्रभावी है तथा उक्त प्रकरण में आगामी तारीख पेशी दिनांक-20.11.2026 नियत है। कोई भी व्यक्ति मेरे अभिभाष्य की उक्त सम्पत्ति के हक एवं हिस्से के सम्बंध मे कोई संव्यवहार नही करे, यदि ऐसा कोई संव्यवहार किया जाता है। तो ऐसा संव्यवहार प्रारम्भ से ही मेरे अभिभाष्य के अधिकारो के प्रति अवैध एवं शून्य प्रभावी होगा। सूचित रहे।
प्रतीक बंसल, एडवोकेट, मो.-9667488877

कार्यालय उपायुक्त, (मुरलीपुरा जोन), नगर निगम जयपुर
(मुरलीपुरा सब्जी मण्डी के पीछे, सामुदायिक केन्द्र मुरलीपुरा स्कीम, जयपुर)
क्रमांक-मु.जो. / ननिज / 2026/1695 दिनांक-23.09.2026
सार्वजनिक सूचना भूखण्ड संख्या 10, योजना 4 जी (मदन विहार) (मोती भवन गृह निर्माण सहकारी समिति) जयपुर का जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार के नाम कुल 266.66 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। प्रकरण में आवेदक श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र स्व श्री बनवारी लाल शर्मा द्वारा शपथ पत्र (अंडरटेकिंग), पंजीकृत पट्टा, रजि विक्रय पत्र एवं अन्य चैन दस्तावेजो के आधार पर स्वयं के नाम से नाम हस्तांतरण चाहा गया है आवेदक द्वारा उपलब्ध कराये गए दस्तावेजो के आधार पर उक्त भूखंड का श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र स्व श्री बनवारी लाल शर्मा के पक्ष में कुल क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज का नाम हस्तांतरण जारी किया जाना है। उक्त भूखंड के नाम हस्तांतरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के पश्चात विधिवत नियमानुसार नाम हस्तांतरण की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त मुरलीपुरा जोन नगर निगम जयपुर

नम्बर मिलाइए 8890333139

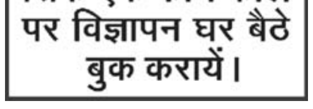

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

रजिस्ट्रेशन नं. 3726/84
मैसर्स :- बनिया एण्ड खींची लवण उद्योग, जाबदीनगर तहसील नावां जिला डीडवाना-कुचामन (राज.)
आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हमारी फर्म मैसर्स बनिया एण्ड खींची लवण उद्योग, जाबदीनगर जिला डीडवाना-कुचामन (राज.) पंजीयन सं. 3726/84 है। जिसमे पूर्व में हम निम्न भागीदार थे। 1. बिदामी देवी 2. दूदाराम । इसमे से भागीदार बिदामी देवी पत्नि सुरजमल खटीक दिनांक 29.09.2026 को इस फर्म से अपनी स्वेच्छा से रिटायर हो रही है। तथा दिनांक 29.09.2026 से शारदा देवी पत्नि गोविन्द यादव व सुमन देवी पत्नि राजेन्द्र यादव को इस फर्म मे उनके सम्पूर्ण हक हिस्से के भागीदारी अभ्यंश का बहिस्सा बराबर में हस्तान्तरण कर देना चाहती है। यदि किसी को आपत्ति हो तो रजिस्ट्रार ऑफ फर्मस डीडवाना-कुचामन के कार्यालय मे 7 दिन मे दर्ज करा सकते है। मियाद गुजरने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी ।
जारीकर्ता (वर्तमान एवं निवर्तमान भागीदार) मैसर्स बनिया एण्ड खींची लवण उद्योग जाबदीनगर
1. श्री दुदाराम चंदेलिया (पूर्व से शामिल भागीदार)
2. श्रीमति शारदा देवी (नये शामिल भागीदार)
3. श्रीमति सुमन देवी (नये शामिल भागीदार)

न्यायालय श्रीमान सिविल न्यायाधीश महोदय, रैणी (अलवर)
शिव कुमार पुत्र स्व. श्री रामचरण जाति ब्राह्मण उम्र 51 साल निवासी ग्राम झाकडा तहसील रैणी जिला अलवर
बनाम
1. शकुन्तला देवी पत्नी स्व. श्री नारायण उर्फ श्रीकांत जाति ब्राह्मण निवासी ग्राम झाकडा तहसील रैणी जिला अलवर हाल वासी ए/सी/51 हीरापुरा स्कूल के पास, वर्धमान जयपुर जिला जयपुर राजर
2. रेखा पुत्री स्व0 श्री नारायण उर्फ श्रीकांत जाति ब्राह्मण निवासी ग्राम झाकडा तहसील रैणी जिला अलवर हाल वासी वाटर वर्क्स कॉलोनी, वार्ड नम्बर 1 नया सुरतगढ-गंगानगर राज0
3. दीपेन्द्र उषाहरा पुत्र मेघराम उषाहरा जाति मीना निवासी ग्राम परवैणी तहसील रैणी जिला अलवर
4. आदित्य उषाहरा पुत्र श्री मेघराम उषाहरा जाति मीना निवासी परवेणी तहसील रैणी जिला अलवर
5. उप पंजीयक रैणी तहसील रैणी जिला अलवर राज0
दावा बाबत विशिष्ट पालना बय व घोषणात्मक व स्थाई निषेधाज्ञा बनाम प्रतिवादीगण संख्या 1 व 2 को सूचनार्थ
जो कि वादी ने हाल आराजी खसरा नम्बर 376 रकबा 0.62 है0, 377 रकबा 0. 52 है0. 521 रकबा 0.02 है0, 581 रकबा 0.40 है0 वाके ग्राम झाकडा तहसील रैणी जिला अलवर का 1/5 हिस्सा की बावत शरायत इकरारनामा बय दिनांक 19.05.2017 की पालना में शेष विक्रयशुदा राशी 75000/- रूपया प्रतिवादीगण को अदा कर वादी के नाम पर व वादी के हक में वादी के खर्चे पर बैयनामा निष्पादन व पंजीयन कराये जाने बावत तथा बयनामा दिनांक 05.03.2024 को शुन्य घोषित कराने की डिक्री दिये जाने बावत तथा उक्त आराजी का 1/5 हिस्सा को किसी प्रकार किसी दीगर शख्स के हक में रहन बय दान आदि के जरिये मुन्तकिल व मकफूल आदि ना करें और मिन वादी को विवादित आराजी से जबरन बेदखल कर कब्जा ना करें तथा ऐसा करने से बाज आवे व दिलाये जाने खर्चा मुकदमा व फरमाये जाने दीगर अनुतोष बावत वाद इस न्यायालय में पेश किया है। लिहाजा आप प्रतिवादी शकुन्तला देवी पत्नी स्व श्री नारायण उर्फ श्रीकांत जाति ब्राह्मण निवासी ग्राम झाकडा तहसील रैणी जिला अलवर हाल वासी ए/सी/51 हीरापुरा स्कूल के पास, वर्धमान नगर, जयपुर जिला जयपुर राज0 तथा रेखा पुत्री स्व. श्री नारायण उर्फ श्रीकांत जाति ब्राह्मण निवासी ग्राम झाकडा तहसील रैणी जिला अलवर हाल वासी वाटर वर्क्स कॉलोनी, वार्ड नम्बर । नया सुरतगढ-गंगानगर राज0 को सूचित किया जाता है कि उक्त वाद पत्र में यदि आप को कोई आक्षेप हो तो दिनांक 17/10/26 को न्यायालय के समक्ष असालतन या वकालतन हाजिर होकर वजह जाहिर करें। वरना वादी का वाद पत्र सुने व फैसल किये जायेंगे।
बसब्त मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से आज दिनाक 10/9/26 को जारी किया गया।
मोहर अदालत न्यायालय श्रीमान सिविल न्यायाधीश महोदय, रैणी (अलवर)

नागोया और जापान ने क्रिकेट के इतिहास में गर्व का एक नया अध्याय लिखा है। इस पल के लिए शानदार अभियान के लिए भारतीय टीम को बधाई और हर उस देश का दिल से धन्यवाद जिसने इसमें हिस्सा लिया। - जय शाह

आईसीसी अध्यक्ष, भारतीय टीम को बधाई देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — श्रेयस अय्यर

भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने एशियाई खेलों के फाइनल में पाकिस्तान पर मिली जीत को सामूहिक प्रयास का नतीजा करार देते हुए कहा कि अगर मुझे किसी शब्द का उपयोग करना है, तो मैं परमानंद ही कहूंगा क्योंकि जिस दिन से हम जापान पहुंचे, बारिश हो रही थी और हम लगभग एक सप्ताह तक अभ्यास नहीं कर सके। लेकिन लड़कों ने, जिस तरह से उन्होंने खुद को तैयार किया और साथ ही साथ अपनी ट्रेनिंग भी कर रहे थे, हमने कोई शिकायत नहीं की, हमने कोई कारण नहीं बताया। तो यह एक चैंपियन की ही निशानी थी, चैंपियन टीम। और आज तो बस उसी का प्रतिबिम्ब था।

क्या आप जानते हैं ?... एशियन गेम्स 2026 में भारत ने शानदार खेल दिखाते हुए कुल 85 पदक अपने नाम किए। हालांकि भारतीय टीम पिछले संस्करण (हांगझोउ 2023) के अपने रिकॉर्ड 107 पदकों के आंकडे को पार नहीं कर सकी।

भारत ने पाकिस्तान को हराकर जीता पुरुष क्रिकेट का स्वर्ण

निशिन, 3 अक्टूबर। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया है। भारत ने शनिवार को पुरुष क्रिकेट स्पर्धा के फाइनल में पाकिस्तान को 19 रनों से शिकस्त दी। भारत ने निशिन सिटी के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क 212 का टारगेट दिया, जिसके जवाब में पाकिस्तान ने छह गंवाकर 192 रन बनाए। यह भारत का मौजूदा एशियन गेम्स में 19वां गोल्ड है। पाकिस्तान के लिए हसन नवाज ने सर्वाधिक रन बनाए। उन्होंने 51 गेंदो में 96 रनों की पारी खेली, जिसमें पांच चौके और सात छक्के हैं। एक समय मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया था। पाकिस्तान को तीन ओवर मे 52 रन की जरूत दी थी लेकिन भारत ने जबर्दस्त गेंदबाजी की। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने सधी शुरुआत की। कप्तान साहिबजादा फरहान (11 गेंदों में 10) और माज सदाकत ने पहले विकेट के लिए 33 रन जोड़े। यह साझेदारी वॉशिंगटन सुंदर ने चौथे ओवर में फरहान को पवेलियन भेजकर तोड़ी।

नवाज और अयूब ने बढ़ाई भारत की टेंशन

जल्द ही पाकिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 39 हो गया। अक्षर पटेल ने पांचवें ओवर में विकेटकीपर उसमान खान (6 गेंदों में 3) और सातवें ओवर में सदाकत का शिकार किया। सदाकत ने 18 गेंदों में 23 रन बनाए, जिसमें तीन चौके हैं। इसके बाद, हसन नवाज और सईम अयूब ने चौथे विकेट के लिए 87 रनों की पार्टनरशिप की और काफी देर तक भारत की टेंशन बढ़ाई रखी। अयूब को शिवम दुबे ने 15वें ओवर में अपने जाल में फंसाकर भारत को राहत दिलाई। उन्होंने 22 गेंदों में दो चौकों और एक छक्के की मदद से 29 रन जुटाए। अब्दुल समद ने 9 गेंदों में 9 रन बनाए। उनका सुंदर ने 18वें ओवर में शिकार किया। पाकिस्तान को अंतिम दो ओवर में 44 रन चाहिए थे। सुंदर ने 19वें ओवर में सिर्फ 11 रन दिए। पाकिस्तान को 20वें ओवर में 33 रन की दरकार थी मगर दुबे ने 13 रन खर्च किए। उन्होंने मैच की आखिरी गेंद पर नवाज को आउट किया। साद मसूद 5 गेंदों में 12 रन बनाकर नाबाद रहे।

अभिषेक और तिलक ने लगाई तूफानी फिफ्टी

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने तूफानी अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 28 गेंदों में तीन चौकों और सात छक्कों की मदद से 61 रन बनाए। उन्होंने श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 42 रनों की साझेदारी की। अभिषेक को अराफात मिन्हास ने आठवें ओवर में स्टंप आउट कराया। अराफात ने 14वें ओवर में ईशान किशान (18 गेंदों में 20, तीन चौके) का शिकार किए। ईशान ने अय्यर के साथ चौथे विकेट के लिए 35 रन जोड़े। भारत को पांचवां झटका अय्यर के रूप में लगा। उन्होंने 24 गेंदों में दो चौकों के जरिए 21 रन बटोरे। उन्हें अबरार अहम ने 15वें ओवर में अपना शिकार बनाया। अय्यर जब लौटे, तब भारत का स्कोर 133 था। इसके बाद, शिवम दुबे और तिलक वर्मा ने तूफानी बैटिंग की। दोनों ने छठे विकेट लिए 30 गेंदों में 62 रन जोड़े। दानियाल ने 20वें ओवर की पहली गेंद पर दुबे को आउट किया। उन्होंने 15 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की बदौलत 27 रन की पारी खेली। उपकप्तान तिलक 22 गेंदों में 51 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने तीन चौके और चार छक्के ठोके। भारत ने आखिरी चार ओवर में 69 रन बटोरे।

वैभव सर्यवंशी से लेकर सैमसन स्सते में आउट

इससे पहले, भारत ने टॉस जीतकर निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 211 रन जुटाए। यह भारत का 20 में चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर है। भारत की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। वैभव सर्यवंशी 9 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें दो सिक्स हैं। उन्हें तीसरे ओवर में सईम अयूब ने पवेलियन भेजा। सूर्यवंशी ने अभिषेक शर्मा के साथ 28 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप की। संजू सैमसन (4 गेंदों में 2) भी सस्ते में लौटे। उन्हें अहमद दानियाल ने चौथे ओवर में आउट किया।

// एशियाई खेल //

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने मलेशिया को 5-1 से हराकर जीता स्वर्ण

आइची-नागोया, 3 अक्टूबर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने इतिहास रचते हुए एशियाई खेल 2026 में स्वर्ण पदक जीत लिया। शनिवार को गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए फाइनल में भारत ने मलेशिया को 5-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही भारत ने पहली बार एशियाई खेलों में पुरुष हॉकी का स्वर्ण लगातार दूसरी बार जीता है। यह एशियाई खेलों में पुरुष हॉकी में भारत का पांचवां स्वर्ण है। इससे पहले भारत ने 1966, 1998, 2014 और 2022 में स्वर्ण पदक जीता था। 2022 के बाद 2026 में भी खिताब जीतकर भारत ने लगातार दो एशियाई खेलों में चैंपियन बनने की उपलब्धि हासिल की। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। साथ ही पहली बार किसी एक एशियाई खेल में भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमों ने स्वर्ण पदक जीता है। शुक्रवार को भारतीय महिला टीम ने फाइनल में चीन को 1-0 से हराकर स्वर्ण जीता था। इस तरह हॉकी, कबड्डी और क्रिकेट के बाद एशियाई खेलों के एक ही संस्करण में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण जीतने वाला भारत का तीसरा टीम खेल बन गया।

पदक तालिका

क्रम	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1	चीन	169	89	83	341
2	जापान	83	85	91	269
3	द. कोरिया	39	43	68	150
4	भारत	21	27	37	85

पंघाल ने महिला 53 किग्रा. वर्ग में जीता रजत

आइची-नागोया, 3 अक्टूबर। भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल ने एशियाई खेल 2026 में महिला 53 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। शनिवार को खेले गए स्वर्ण पदक मुकाबले में अंतिम को जापान की मोए कियोका ने अंकों के आधार पर 9-1 से हराया। इसके बावजूद अंतिम ने इस वर्ग में भारत के लिए एशियाई खेलों का पहला रजत पदक हासिल किया। वह 2022 के एशियाई खेलों में इसी वर्ग में कांस्य पदक जीत चुकी हैं। स्वर्ण पदक मुकाबले में जापानी पहलवान ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा और अंतिम को वापसी का ज्यादा मौका नहीं दिया। अंतिम को 1-9 से हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

नीरज ने धीरज को हराकर पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में जीता कांस्य

आइची-नागोया, 3 अक्टूबर। भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने एशियाई खेलों की पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया है। कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में नीरज ने हमवतन धीरज बोम्मदेवरा को 6-4 से हराया। इसके साथ ही नीरज व्यक्तिगत रिकर्व में पदक जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए।

भारतीय पहलवान दीपक पूनिया ने 97 किग्रा. वर्ग में जीता कांस्य

60 साल बाद 97 किग्रा. वर्ग में भारत को दिलाया एशियाई खेल पदक

आइची-नागोया, 3 अक्टूबर। भारत के अनुभवी पहलवान दीपक पूनिया ने शनिवार को एशियाई खेल 2026 में पुरुषों के 97 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। दीपक ने कांस्य पदक मुकाबले में मंगोलिया के गंखुयाग गनबातर को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने इस भार वर्ग में एशियाई खेलों में भारत को 60 साल बाद पदक दिलाया। दीपक ने मुकाबले के शुरुआती दौर में दो अंक हासिल कर बढ़त बनाई। दूसरे दौर में मंगोलियाई पहलवान ने एक अंक हासिल कर वापसी की कोशिश की, लेकिन दीपक ने आखिरी क्षणों में शानदार रक्षात्मक कुश्ती का प्रदर्शन करते हुए अपनी बढ़त कायम रखी और 2-1 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भारतीय महिला गोल्फ टीम ने रचा इतिहास टीम स्पर्धा में पहली बार जीता रजत, प्रणवी ने व्यक्तिगत स्पर्धा में जीता स्वर्ण

आइची-नागोया, 3 अक्टूबर। भारत की प्रणवी उर्स ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेलों में महिला गोल्फ का पहला स्वर्ण पदक दिलाकर इतिहास रच दिया। मैसूर में जन्मी प्रणवी अंतिम दौर से पहले 15 अंडर 195 के स्कोर के साथ शीर्ष पर थीं और उनके पास सिंगापुर की शैनन शुआन यिन टैन पर तीन शॉट की बढ़त थी। चीन की रुओनिंग यिन तीसरे स्थान पर थीं। प्रणवी का यह प्रदर्शन भारतीय महिला गोल्फ के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है और एशियाई खेलों में महिला गोल्फ में भारत के पहले स्वर्ण पदक के रूप में दर्ज हुआ। भारत की महिला गोल्फ टीम ने एशियाई खेलों में इतिहास रचते हुए पहली बार टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता। प्रणवी उर्स, अदिति अशोक और दीक्षा डागर की भारतीय तिकड़ी ने संयुक्त रूप से 14 अंडर पार का स्कोर हासिल कर रजत पदक अपने नाम किया।

अमन ने 57 किग्रा. फ्रीस्टाइल में रचा इतिहास, विश्व चैम्पियन को हराकर जीता स्वर्ण

आइची-नागोया, 3 अक्टूबर। भारत के अमन सहरावत ने एशियाई खेल 2026 में पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती वर्ग में उत्तर कोरिया के मौजूदा विश्व चैंपियन हान चोंग सोंग को 11-7 से हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। यह एशियाई खेलों में 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में भारत का पहला स्वर्ण पदक है। विश्व रैंकिंग में 32वें स्थान पर मौजूद अमन ने फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त और 2025 विश्व चैंपियन हान चोंग सोंग को अंकों के आधार पर 11-7 से हराया। मुकाबला शुरुआत में बेहद करीबी रहा और दोनों पहलवान शुरुआती दौर में बराबरी पर रहे। अमन ने सबसे पहले अंक हासिल कर बढ़त बनाई। मुकाबला निर्णायक दौर में पहुंच चुका था लेकिन आखिरी मिनट से भी कम समय रहते अमन ने शानदार दांव लगाकर हान चोंग सोंग को पलटा और अहम अंक हासिल किए। इसके बाद भारतीय पहलवान ने अपनी बढ़त बनाए रखते हुए 11-7 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

कुमकुम मोहोद ने रचा इतिहास, एशियाई खेलों में रिकर्व व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी

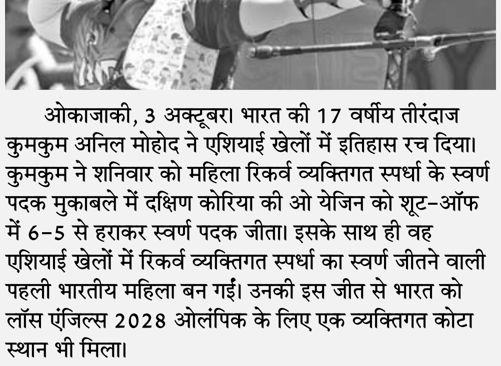

ओकाजाकी, 3 अक्टूबर। भारत की 17 वर्षीय तीरंदाज कुमकुम अनिल मोहोद ने एशियाई खेलों में इतिहास रच दिया। कुमकुम ने शनिवार को महिला रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा के स्वर्ण पदक मुकाबले में दक्षिण कोरिया की ओ येजिन को शूट-ऑफ में 6-5 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही वह एशियाई खेलों में रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा का स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। उनकी इस जीत से भारत को लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए एक व्यक्तिगत कोटा स्थान भी मिला।

51वीं सब जूनियर व जूनियर राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप का शुभारंभ

जयपुर, 3 अक्टूबर। योग स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के तत्वावधान में तथा योग फेडरेशन ऑफ इंडिया की देखरेख में आयोजित चार दिवसीय 51वीं सब जूनियर व जूनियर राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का भव्य एवं रंगारंग शुभारंभ शनिवार को अलंकार महिला पीजी महाविद्यालय, जयपुर परिसर में हुआ। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के 29 राज्यों से 900 से अधिक खिलाड़ी तथा 200 से अधिक तकनीकी अधिकारी भाग ले रहे हैं। चार दिवसीय प्रतियोगिता के दौरान सब जूनियर एवं जूनियर वर्ग के खिलाड़ी विभिन्न योगासन स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा, तकनीक, संतुलन, लचीलापन और प्रदर्शन कौशल का प्रदर्शन करेंगे। चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह में पूर्व मंत्री, राजस्थान डॉ. अरुण चतुर्वेदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि पूर्व मंत्री राजस्थान राजेंद्र सिंह यादव ने समारोह की अध्यक्षता की।

विंडीज ने जीता आखिरी वनडे, भारत ने सीरीज

निशिन, 3 अक्टूबर। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला आज न्यू चंडीगढ़ में खेला गया। इस मुकाबले को मेहमानों ने पांच विकेट से जीत लिया। भारत ने पहले करते हुए 50 ओवर में सात विकेट पर 351 रन बनाए। भारतीय टीम की तरफ से केएल राहुल ने शानदार शतक जड़ा जबकि रोहित शर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। जवाब में वेस्टइंडीज ने शाई होप की नाबाद शतकीय पारी और आमिर जांगू के अर्धशतक की मदद से 48.2 ओवर में 352 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत ने इसी के साथ 2-1 से सीरीज अपने नाम कर ली। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में पहले बल्लेबाजी करते हुए केएल राहुल के शतक और रोहित शर्मा की अर्धशतकीय पारी की मदद से 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 351 रन बनाए। भारत के लिए विकेटकीपर लोकेश राहुल ने नाबाद 129 रन बनाए। अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने 92 और ऋतुराज गायकवाड़ ने 57 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को तीसरे ओवर में दो बड़े झटके लगे। कप्तान शुभमन गिल एक रन और विराट कोहली बिना खाता खोले पहली गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। रोहित शर्मा 85 गेंद में 92 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

ऋतुराज गायकवाड़ 69 गेंद में 57 रन बनाकर आउट हुए। पहली बार बल्लेबाजी के लिए उतरे नमन धीर ने 21 गेंद में 30 रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड़ ने 69 गेंद में 57 रन की पारी खेली। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जस्टिन ग्रीव्स के शतक की बदौलत 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 295 रन बनाए। भारत ने ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में शुभमन गिल (110) और विराट कोहली (139) के शतकों की बदौलत 41.1 ओवर में 2 विकेट पर 300 रन बनाकर मैच अपने नाम किया।

टीम मेफेयर 84 ने जीती भावनगर पोलो ट्रॉफी

जयपुर, 3 अक्टूबर। वार्षिक सितम्बर जयपुर पोलो सीज़न 2026 के अंतर्गत भावनगर पोलो ट्रॉफी (8 गोल्स) का फाइनल शनिवार रात को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर फ्लडलाइट्स की रोशनी में खेला गया। फाइनल में टीम मेफेयर पोलो और टीम मेफेयर 84 आमने-सामने रहीं। इस रोमांचक मुकाबले में टीम मेफेयर 84 ने 9-8 के स्कोर से टीम मेफेयर पोलो को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। इस अवसर पर अभिनेत्री डायना पेंटी और लारिसा बोनेसी भी मौजूद रहीं। उनकी उपस्थिति ने फाइनल मुकाबले के आकर्षण को बढ़ाया। मैच में बड़ी संख्या में दर्शक आरपीसी ग्राउंड पहुंचे और नाइट पोलो के रोमांच का आनंद लिया। टूर्नामेंट के मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर का खिताब शमशीर अली ने जीता। विजेता टीम मेफेयर 84 से शमशीर अली ने 5 गोल और हुर्र अली ने 4 गोल कर टीम को जीत दिलाई। वहीं, टीम से प्रताप सिंह कानोता और अनय शाह भी खेले। दूसरी ओर, टीम मेफेयर पोलो से मार्टिन कार्लोस डोनोवन ने 5 गोल दागे। जबकि, जयवीरसिंह गोहिल ने 2 गोल और रणशय पुरोहित ने 1 गोल किया। टीम में कुलदीप सिंह राठौड़ भी शामिल रहे।

ऑल इंडिया सब-जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन

राजस्थान के 21 शटलरों में 6 जीते, 15 हारे

जयपुर, 3 अक्टूबर। सुबह के सत्र में राजस्थान के ज्यादातर खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन खुशी की जीत ने मेजबान खेमे में खुशी की लहर दौड़ा दी। राजस्थान की खुशी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आंध्र प्रदेश की तान्याश्री को 18-16, 15-10 से पराजित कर ऑल इंडिया सब-जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता के चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। अंडर-15 बालक वर्ग में राजस्थान के लक्ष्यराज सिंह नाथावत ने कर्नाटक के गौरव एस. को 15-13, 15-3 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। वहीं अंडर-17 बालक वर्ग में मानस परवालने तेलंगाना के ऋषिकेष विराट को तीन गेम तक चले मुकाबले में 9-15, 15-0, 15-9 से शिकस्त दी। अंडर-15 बालिका वर्ग में मिराया फगेरिया ने दिल्ली की भारती फोगाट को 15-11, 15-11 से पराजित किया। अंडर-17 बालक वर्ग में फराज अत्तारी ने महाराष्ट्र के वियोम अग्रवाल को 15-12, 15-11 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। हालांकि राजस्थान की काव्या चौधरीको तेलंगाना की शिवांगी ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में 11-15, 15-8, 15-13 से हराया। अंडर-17 बालक वर्ग में तेलंगाना के चरण ने राजस्थान के रुद्राक्ष मिड्ढा को 15-12, 15-6 से शिकस्त दी। अंडर-17 बालिका वर्ग में कर्नाटक की मरिसा ने राजस्थान कीरिद्धी बत्रा को 11-15, 15-6, 15-9 से हराया। इसी तरह महाराष्ट्र के आदित्य ने राजस्थान के आर्यन प्रजापत को 15-1, 15-1 से शिकस्त दी। अंडर-15 बालक वर्ग में कर्नाटक के विशाल डी.ने राजस्थान के आर्य प्रताप को 15-7, 15-9 से हराया। अन्य मुकाबलों में पश्चिम बंगाल की स्वामुदुति घोष ने महाराष्ट्र के मयुरेश को 18-16, 15-8 से तथा महाराष्ट्र के राघवेंद्र यादव ने कर्नाटक के शिवराज को 7-15, 15-7, 15-11 से पराजित किया।

जूनियर राज्य स्तरीय वुशू प्रतियोगिता का आयोजन भीलवाड़ा में होगा

जयपुर, 3 अक्टूबर। राजस्थान वुशू संघ व भीलवाड़ा जिला वुशू संघ के तत्वावधान में दिनांक 04 से 06 अक्टूबर 2026 तक 20वी जूनियर राज्य स्तरीय (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता का आयोजन भीलवाड़ा में किया जा रहा है। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि इस प्रतियोगिता में राज्य के 24 जिलो के लगभग 400 खिलाडी व अधिकारियों के भाग लेने की संभावना है। गौरव आचार्य, आयोजन अध्यक्ष व अध्यक्ष भीलवाड़ा जिला वुशू संघ ने बताया कि इस प्रतियोगिता की सभी फाइट नाकआउट आधार पर खेली जायेगी।

अंडर-19 सीजन से पहले आरसीए के चयन में बड़ा खेल, प्रमुख बल्लेबाज ही बाहर

जयपुर, 3 अक्टूबर। बीसीसीआई के आगामी घरेलू अंडर-19 सीजन से पहले राजस्थान क्रिकेट संघ में खिलाड़ियों के चयन को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। आरसीए की ओर से अंडर-19 संभावित खिलाड़ियों के लिए आयोजित अभ्यास मैचों में जिन खिलाड़ियों ने बल्ले और गेंद से प्रभावशाली प्रदर्शन किया, उनमें से कुछ को अंतिम टीम में जगह नहीं मिलने से चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर चर्चा शुरू हो गई है। खास तौर पर अभ्यास मैचों के आंकड़ों और घोषित टीम के बीच दिखाई दे रहे अंतर ने कई सवाल खड़े किए हैं। अभ्यास मैचों में शिफान खान तीन पारियों में 206 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उनका बल्लेबाजी औसत 103.00 रहा। इसी तरह यथार्थ भारद्वाज ने 158 रन, रक्षित श्रीमाल ने 151 रन और आराध्या अग्रवाल ने दो पारियों में 139 रन बनाए। गौरव सैनी ने 126, दर्शन पचार ने 124 और अभय शर्मा ने 113 रन बनाए। गेंदबाजी में सुमित तेजी तीन पारियों में सात विकेट लेकर सबसे आगे रहे। उनके बाद हेमेंद्र सिंह राव और शिवम सोखल ने पांच-पांच विकेट हासिल किए। सिद्धांत सोनी, जगदीश चौधरी और अजय सियाग ने चार-चार विकेट लिए, जबकि सुमित सैनी ने तीन विकेट हासिल किए। अर्थात अभ्यास मैचों में प्रदर्शन के स्तर पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में खिलाड़ियों के बीच स्पष्ट प्रतिस्पर्धा दिखाई दी। ऐसे में सवाल यह है कि टीम चयन के अंतिम निर्णय में प्रदर्शन के अलावा किन मानकों को आधार बनाया गया?

छह खिलाड़ियों को अचानक रिजर्व सूची में जोड़ने पर भी सवाल - चयन प्रक्रिया को लेकर सबसे अधिक चर्चा उन छह खिलाड़ियों को लेकर है, जिन्हें अचानक रिजर्व सूची में शामिल किया गया। उपलब्ध प्रदर्शन आंकड़ों को देखने के बाद सवाल उठ रहा है कि क्या सभी खिलाड़ियों के चयन में समान मापदंड अपनाए गए? यदि अभ्यास मैचों के प्रदर्शन को चयन का महत्वपूर्ण आधार माना गया था, तो शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के अंतिम चयन अथवा रिजर्व सूची में स्थान को लेकर चयन समिति को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। कुछ ऐसे खिलाड़ियों के नाम भी चर्चा में हैं, जिन्होंने अभ्यास मैचों में चयनित खिलाड़ियों की तुलना में बेहतर आंकड़े दर्ज किए, लेकिन उन्हें अंतिम 15 में स्थान नहीं मिला। ऐसे में खिलाड़ियों और उनके अभिभावकों के बीच चयन प्रक्रिया के पारदर्शी मानकों को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

रणजी के पहले दो मैचों के लिए राजस्थान टीम घोषित

मानव सुथार कप्तान, महिपाल लोमरोर उपकप्तान, तमिलनाडु और रेलवे से होंगे मुकाबले

जयपुर, 3 अक्टूबर। बीसीसीआई के आगामी रणजी ट्रॉफी सत्र के पहले दो मुकाबलों के लिए राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) ने 15 सदस्यीय सीनियर टीम घोषित कर दी है। श्रीगंगानगर के मानव सुथार को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि अनुभवी ऑलराउंडर महिपाल लोमरोर उपकप्तान होंगे। टीम का कैंप 4 अक्टूबर से आरसीए अकादमी, जयपुर में आयोजित किया जाएगा। राजस्थान अपने अभियान की शुरुआत11 अक्टूबर से तमिलनाडु के खिलाफ एसएमएस स्टेडियम, जयपुर मेंकरेगा। यह मुकाबला 14 अक्टूबर तक चलेगा। इसके बाद टीम18 से 21 अक्टूबर तक रेलवे के खिलाफदूसरा मुकाबला खेलेगी।

राजस्थान टीम - मानव सुथार (कप्तान)- श्रीगंगानगर, रोहन राजबार- जयपुर, सचिन यादव- अलवर, सुमित गोदारा- श्रीगंगानगर, महिपाल लोमरोर (उपकप्तान)- नागौर, कार्तिक शर्मा- भरतपुर, करण लांबा- जयपुर, अंशुल गढ़वाल- सीकर, मुकुल चौधरी (विकेटकीपर)- चूरू, अजय कूकना- श्रीगंगानगर, आकाश सिंह- भरतपुर, चेतन शर्मा- भरतपुर, हेमंत चौधरी- चूरू, दानिश भाम्बू- हनुमानगढ़, दर्शन जैन (विकेटकीपर)- बांसवाड़ा, राजस्थान बनाम तमिलनाडु : 11 से 14 अक्टूबर, एसएमएस स्टेडियम, जयपुर, राजस्थान बनाम रेलवे : 18 से 21 अक्टूबर, स्थान सूची में उल्लेखित नहीं, कैंप:4 अक्टूबर से आरसीए अकादमी, जयपुर।

राजकुमार और कुणाल पर आरसीए की क्रिकेट गतिविधियों में तत्काल रोक, तीन सदस्यीय जांच समिति गठित

जयपुर, 3 अक्टूबर। एएम स्क्वायर ग्राउंड, जयपुर में 2 अक्टूबर को खेले गए टीम-ए और टीम-सी के अभ्यास मैच के दौरान राजकुमार सैनी और कुणाल सिंह राठौड़ के बीच हुई गंभीर घटना को राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) ने गंभीरता से लिया है। मामले की जांच के लिए आरसीए एडमिनिस्ट्रेटर ने तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है। घटना के संबंध में मैच रेफरी, मैच अंपायरों के अलावा दोनों संबंधित खिलाड़ियों राजकुमार सैनी और कुणाल सिंह राठौड़ की रिपोर्ट एवं बयान प्राप्त हो चुके हैं। इन सभी रिपोर्ट और बयानों के आधार पर समिति मामले की विस्तृत जांच करेगी।

तीन सदस्यीय समिति गठित - जांच समिति मेंमैच रेफरी अतुल भैटा को अध्यक्ष, जबकिराजेश शर्मा (अंपायर)औरजाकिर हुसैन (सीनियर चयन समिति के सदस्य)को सदस्य बनाया गया है। समिति को उपलब्ध सभी रिपोर्ट और बयानों का परीक्षण कर अपने निष्कर्ष एवं सिफारिशें जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

जांच पूरी होने तक क्रिकेट गतिविधियों से बाहर - आरसीए ने जांच पूरी होने और समिति की रिपोर्ट आने तकराजकुमार सैनी और कुणाल सिंह राठौड़ को आरसीए की किसी भी क्रिकेट गतिविधि में भाग लेने से तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधितकर दिया है। ऐसे में दोनों खिलाड़ी फिलहाल आरसीए से जुड़ी किसी भी क्रिकेट गतिविधि में हिस्सा नहीं ले सकेंगे।

अंडर-23 में भीलवाड़ा और पाली की शानदार जीत

जयपुर, 3 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वावधान में शुक्रवार से शुरू हुई राज्य स्तरीय अंडर-23 क्रिकेट प्रतियोगिता के पहले दिनपाली और भीलवाड़ा ने जीत के साथ अभियान शुरू किया। पाली ने चूरू को सात विकेट से हराया, जबकि भीलवाड़ा ने अलवर को दो विकेट से शिकस्त दी।

चूरू 179 रन पर ढेर, पाली ने तीन विकेट पर हासिल किया लक्ष्य - चूरू की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए179 रन पर ऑलआउटहो गई। देवदक्ष सिंह ने 52, सचिन चौधरी ने 29 और आंजनेय शर्मा ने नाबाद 15 रन बनाए। पाली की ओर सेचंद्रपाल सिंह ने 13 रन देकर तीन विकेटलिए, जबकि अयन, समर्थ और केतन जोशी ने दो-दो विकेट झटके। जवाब में पाली नेतीन विकेट पर 180 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।काव्यांश राजपुरोहित ने 61, मितेश जांगिड़ ने 34, मोहित ने नाबाद 33 और महेश ने नाबाद 23 रन बनाए।

सौरभ का दोहरा शतक बेकार, सर्वज्ञ की 144 रन की पारी से भीलवाड़ा जीता - दूसरे मुकाबले में अलवर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए305 रनबनाए। सौरभ कुमार गोदारा ने शानदार 206 रनकी पारी खेली। शिवम ने 43 और मानव ने 26 रन का योगदान दिया। भीलवाड़ा के अंश चतुर्वेदी और अनिल दारा ने तीन-तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भीलवाड़ा नेपांच विकेट पर 307 रन बनाकर जीत दर्ज की।सर्वज्ञ पानेरी ने शानदार144 रनबनाए, जबकि ग़ज़ल शर्मा ने नाबाद 72 और अपूर्व शर्मा ने नाबाद 25 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। अलवर के राहुल ने दो विकेट लिए।

राजस्थान में अनेक नारियों ने त्याग, भक्ति व बलिदान की मिसाल कायम की - भजनलाल

मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति सम्मेलन में मीराबाई, पन्नाधाय, हाड़ी रानी, वीर बाला, कालीबाई व अमृता देवी के उदाहरण दिए

जयपुर, 3 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाएं समाज का अभिन्न हिस्सा ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण का

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान महिला निधि के तहत 3274 लखपति दीदियों को 25 करोड़ रूपए और वित्तीय समावेशन के तहत 2823 स्वयं सहायता समूहों को 93 करोड़ रूपए के ऋण वितरित किए।

आधार हैं। महिलाओं का सम्मान और सशक्तिकरण किसी भी सभ्य समाज की पहचान है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में हमेशा से नारीशक्ति का सम्मान रहा है और यहां तो कहा भी गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। मुख्यमंत्री शनिवार को यूनिवर्सिटी कॉमर्स कॉलेज में आयोजित "नारीशक्ति सम्मेलन एवं संवाद" कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की अनेक नारियों ने त्याग, समर्पण, भक्ति और बलिदान की मिसाल कायम की हैं। भक्त शिरोमणि मीराबाई ने कृष्ण-भक्ति और आध्यात्मिक साधना से राजस्थान की धरती को गौरवान्वित किया और पन्नाधाय ने अपने पुत्र का बलिदान देकर स्वामीभक्ति एवं कर्तव्यनिष्ठा का दुर्लभ उदाहरण प्रस्तुत किया। वहीं, हाडी रानी ने मातृभूमि की रक्षा और अपने कर्तव्य के लिए अद्वितीय साहस और बलिदान का परिचय दिया तथा वीर बाला कालीबाई ने अपने गुरु की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देकर गुरु भक्ति की अमर गाथा लिखी। उन्होंने कहा कि अमृता देवी ने प्रकृति और वृक्षों की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर पर्यावरण संरक्षण की अनूठी मिसाल कायम की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को यूनिवर्सिटी कॉमर्स कॉलेज में आयोजित "नारीशक्ति सम्मेलन एवं संवाद" कार्यक्रम को संबोधित किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने एनएचएम के तहत, 60 एम्बुलेंस, 9 आर्टिकुलेटिंग वाटर टावर तथा 185 ऑटो टिपर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा लखपति दीदियों को स्कूटी की चाबी सौंपी। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को मकानों की चाबी एवं 27 हजार से अधिक लाभार्थियों को 150 करोड रुपये से अधिक की राशि डीबीटी की। वहीं, 29 हजार 222 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना में 8.79 करोड रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान महिला निधि के तहत, मुख्यमंत्री लखपति दीदी ऋण योजना के अंतर्गत 3 हजार 274 लखपति दीदियों को 25 करोड़ रुपये तथा वित्तीय समावेशन के तहत, 2 हजार 823 स्वयं सहायता समूहों को 93 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया। उन्होंने एसएचजी समूह की महिलाओं को इससे संबंधित प्रतीकात्मक चेक सौंपे। इसी प्रकार, 3 हजार 300 एसएचजी को 25 करोड़ रुपये की आजीविका संवर्धन राशि से लाभान्वित किया गया।

मुंबईः बिना अनुमति प्रदर्शन पर दीपके सहित 500 लोगों पर मामला दर्ज

मुंबई, 03 अक्टूबर। मुंबई के छत्रपति शिवाजी पार्क में बिना अनुमति विरोध प्रदर्शन करने के मामले में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके सहित करीब 500 प्रदर्शनकारियों के

■ पुलिस के अनुसार शिवाजी मार्ग में बिना अनुमति भीड़ जुटाने, सार्वजनिक मार्ग पर सभा करने, लाउडस्पीकर या प्रयोग करने का आरोप है।

खिलाफ पुलिस ने शनिवार को मामला दर्ज किया है। पुलिस ने सार्वजनिक मार्ग पर सभा करने, भीड़ जुटाने, नारे लगाने और लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने के आरोप में यह कार्रवाई की है। इस मामले की गहन छानबीन की जा रही है, अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि 2 अक्टूबर को शाम 4 से 7 बजे के बीच शिवाजी पार्क इलाके में सीजेपी की ओर से विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था।

प्रदर्शन के लिए देशभर से युवाओं के पहुंचने का दावा किया गया। स्थानीय लोगों ने इस प्रदर्शन का विरोध किया था। इसके बावजूद सीजेपी की ओर से यहां प्रदर्शन किया गया था।

मथुरा के दिग्गज नेता पंडित श्याम सुंदर शर्मा की कांग्रेस में वापसी, मांट से आठ बार रहे विधायक

शर्मा के साथ आप पार्टी की प्रियंका कक्कड़ और पत्रकार रजत राकेश टंडन भी कांग्रेस में शामिल हुए

-कार्यालय संवाददाता-

मथुरा, 3 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश में तीन बार कैबिनेट मंत्री रहे मथुरा के दिग्गज नेता पंडित श्याम सुंदर शर्मा ने कांग्रेस में वापसी कर ली है। मथुरा के माँट से आठ बार विधायक रहे श्याम सुंदर शर्मा ने नई दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में कांग्रेस की सदस्यता ली। उनके साथ आम आदमी पार्टी की नेता प्रियंका कक्कड़ और पत्रकार रजत राकेश टंडन भी कांग्रेस में शामिल हुए हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस में शामिल होने से पहले पं. श्याम सुंदर शर्मा की कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात भी हुई थी।

■ श्याम सुंदर शर्मा पहली बार 1989 में कांग्रेस से विधायक बने थे और इसके बाद 1991 व 1993 में भी जीते।

■ पंडित श्याम सुंदर शर्मा 1989 से लेकर 2017 तक लगातार विधानसभा चुनाव जीते, पर 2022 में वे भाजपा के राजेश चौधरी से मामूली अंतर से हार गए थे।

■ कांग्रेस में वापसी से पहले तक वे तृणमूल कांग्रेस के सदस्य थे।

पूर्व विधायक श्याम सुंदर शर्मा ने कांग्रेस का हाथ थामने के बाद कहा कि लोग जाति और धर्म की बात करते हैं, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ऐसे एकमात्र नेता हैं, जो मानववाद की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन की सार्थकता की साध्यता करने के लिए मैं कांग्रेस में शामिल हुआ हूं। अब मैं राहुल गांधी के संघर्ष में उनका साथ दूंगा।

पूर्व विधायक श्याम सुंदर शर्मा ने कहा कि एक फिल्म आई थी "बागबान", उसमें एक डॉयलॉग है, "ये बुड्ढा किस काम का", आज मैं कहता हूँ, "ये बुड्ढा बहुत काम का है।" उन्होंने कहा कि मैं स्वतंत्रता सेनानी परिवार से हूं। जब तिवारी कांग्रेस बनी तो हम भ्रमवश तिवारी जी के साथ चले गए। पिछली बार कम मार्जिन से मैं हार गया था। उन्होंने कहा राजनीति का मतलब है, सेवा और ये सोच सिर्फ कांग्रेस के अंदर है, और लोग जाति और धर्म की बात करते हैं, लेकिन राहुल गांधी एकमात्र ऐसे नेता हैं, जो मानववाद व दानववाद की बात करते हैं। कांग्रेस पार्टी मानववाद के लिए समर्पित है। उनके साथ ही आम आदमी पार्टी की नेता एवं प्रवक्ता प्रियंका कक्कड भी कांग्रेस में हुई हैं। पत्रकार रजत राकेश टंडन भी कांग्रेस में शामिल हुए हैं। प्रियंका कक्कड ने कांग्रेस में शामिल होने के बाद कहा कि मुझे वो दिल्ली वापस चाहिए, जिसमें मैं बड़ी हुई थी। मुझे ग्रीन, क्लीन और सेफ दिल्ली चाहिए और वो सिर्फ कांग्रेस दे सकती है। देश में एकमात्र नेता, जो ऑथेंटिक है, वो हैं राहुल गांधी, उन्होंने कभी कैमरे के आगे आंसू नहीं बहाए।

इस दौरान कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि हम अगला चुनाव जरूर जीतेंगे, यूपी में बड़ा परिवर्तन होगा। यूपी में कल आराधना मिश्रा को अध्यक्ष बनाया है, कोई पार्टी आत्मघाती कदम क्यों उठाएगी। सोच समझ के साथ निर्णय लिए जाते हैं, अजय राय का भी सम्मान रहेगा। पार्टी हित में फैसले लिए जाते हैं, इसीलिए आराधना मिश्रा को प्रदेश अध्यक्ष का पद दिया गया।

जब एआई के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया, जिसे सैन्य अधिकारियों के बीच प्रसारित किया गया।

प्रस्तावित अभियान से कुछ ही समय पहले अधिकारियों ने रिपोर्ट की गहराई से जांच की तो उन्हें उसके एआई से जुड़े होने तथा उसमें हुई गलती का पता चला। एक सूत्र ने इस खुफिया जानकारी को "पूरी तरह गलत" बताया और कहा कि इसने युद्ध लगभग शुरु ही कर दिया था। जहाज पर मौजूद उस माल की सही प्रकृति, जिसकी गलत पहचान हुई थी, अब भी स्पष्ट नहीं है।

यह घटना आधुनिक युद्ध में एक भयावह नई कमज़ोरी को सामने लाती है। खतरा जरूरी नहीं कि यह हो कि एआई स्वायत्त हो जाएगा और मानवता के खिलाफ हो जाएगा। असली खतरा तो यह है कि इंसान ऐसी जानकारी के आधार पर कार्रवाई कर सकते हैं, जो मशीनों से प्राप्त हुई हो, सुनने में तो बेहद विश्वसनीय लगे, लेकिन वास्तव में पूरी तरह गलत हो।

अमेरिकी सेना तेजी से एआई को अपना रही है। इसका इस्तेमाल विशाल खुफिया डेटाबेस का विश्लेषण करने, संभावित लक्ष्यों की पहचान करने से लेकर लॉजिस्टिक्स, बजट और आपूर्ति-श्रृंखला प्रबंधन तक में किया जा रहा है। इसका आकर्षण स्पष्ट है, युद्ध की स्थिति में गति निर्णायक हो सकती है। वॉशिंगटन को यह भी डर है कि यदि उसने एआई को तेजी से नहीं अपनाया तो वह चीन और अन्य प्रतिद्वंदी देशों से तकनीकी रूप से पीछे रह सकता है।

जनवरी में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्सेलरेशन स्ट्रैटेजी की घोषणा की थी और सेना में एआई के प्रयोग तथा उसकी व्यापक उपलब्धता बढ़ाने का आ ान किया था। इस रणनीति में विभिन्न सुरक्षा-श्रेणियों के तहत लाखों सैन्य और असैन्य कर्मियों को उन्नत एआई मॉडल उपलब्ध कराने की बात की गई है थी।

लेकिन चीनी जहाज से जुडी घटना इस दृष्टिकोण की कमज़ोरी को उजागर करती है: एक समान सुरक्षा उपायों के बिना, तेजी से एआई को अपनाने से गलतियों को रोकने के बजाय वे और बढ़ सकती हैं।

अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, जो इस प्रणाली से परिचित हैं, सेना और खुफिया समुदाय में एआई को अपनाने की प्रक्रिया विकेंद्रीकृत है। अलग-अलग एजेंसियां और कमांड अलग-अलग उपकरणों, प्रक्रियाओं और सुरक्षा मानकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। एआई से तैयार जानकारी खुफिया तंत्र में शामिल होने से पहले उसकी पुष्टि किस तरह की जाए, इसे लेकर कोई एक समान ढांचा नहीं है।

यह बात तब बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है, जब एआई का इस्तेमाल प्रशासनिक कार्यों से आगे बढ़कर सैन्य लक्ष्यों से जुड़े फैसलों में होने लगे। बजट की गलत गणना को सुधारा जा सकता है। लेकिन परमाणु सामग्री ले जा रहे किसी जहाज के बारे में गलत आकलन दो परमाणु हथियार संपन्न देशों की सेनाओं को आमने-सामने ला सकता है।

एआई की "हैलुसिनेशन (मतिभ्रम)" समस्या से स्थिति और गंभीर हो जाती है, यानी ऐसे जवाब जो सुनने में विश्वसनीय लगते हैं, लेकिन, उनके पीछे मौजूद साक्ष्यों से समर्थित नहीं होते। आम नागरिक इस्तेमाल वाले एआई प्रयोगों, अनुप्रयोगों में ऐसी गलतियां पहले ही अच्छी तरह दर्ज की जा चुकी हैं। लेकिन खुफिया संगठनों के भीतर इनके परिणाम कहीं अधिक गंभीर हो सकते हैं।

इसमें मानवीय पहलू भी जुड़ा है। खबरों के मुताबिक, कुछ खुफिया अधिकारी चिंतित हैं कि एआई तेजी से रिपोर्ट तैयार करने का दबाव बढ़ा रहा है। वहीं, इन उपकरणों के साथ बड़े हुए युवा विश्लेषकों के उन पर भरोसा करने की संभावना अधिक हो सकती है। एक सूत्र ने इसे इस तरह कहा: "एआई आपको गलत विचार तक ज्यादा तेजी से पहुंचने देता है।"

शायद यही इस घटना से मिली सबसे महत्वपूर्ण सीख है। युद्ध शुरू करने के लिए एआई को खुद कोई कदम उठाने की जरूरत नहीं है। उसे तो केवल गलत समय पर किसी इंसान को यह विश्वास दिलाना है कि झूठी चेतावनी सच है। परमाणु संकटों में, जहां फैसले कुछ ही मिनटों में लेने पड़ते हैं, गलती की गुंजाइश बेहद कम होती है और जानकारी की पुष्टि को वैकल्पिक नहीं बनाया जा सकता।

12 आईएएस के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लगा दी और कई एक दर्जन से ज्यादा आईएएस अफसरों से भी रिकवरी के नोटिस जारी कर दिए। बताया जा रहा है कि इनमें वरिष्ठ आईएएस भास्कर सावंत, कुलदीप रांका, आनंद कुमार, श्रेया गुहा शामिल थे।

बताया जा रहा है कि, लेबर कोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि, वर्ष 2021 में तत्कालीन रोडवेज सीएमडी ने दो सर्कुलर जारी करके भुगतान की प्राथमिकता तय की थी। कोर्ट ने उन दो सर्कुलरों को श्रम कानूनों और संवैधानिक प्रावधानों के खिलाफ माना। हालांकि बताया जा रहा है कि यह दोनों सर्कुलरपूर्व के सीएमडी और हाईकोर्ट के विभिन्न आदेशों के तहत ही जारी किए थे। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि, रोडवेज में ओवरटाइम के लंबित मामलों की जांच और ऑडिट करवाई जाए, क्योंकि ऐसे प्रकरण अदालतों में बार-बार आ रहे हैं, जिनमें पिछले कई वर्षों का भुगतान बकाया बताया जा रहा है। अदालत के इस आदेश पर रोडवेज विभाग ने अपने यहां ऑडिट करायी, जिसमें 5 प्रतिशत मामलों को ही जायज़ माना गया।

इस मामले में सबसे रोचक बात बात यह है कि, लेबर कोर्ट के जज दिनेश गुप्ता पूर्व में कमर्शियल कोर्ट में कार्यरत थे। एक बहुचर्चित मामले में एक बड़ा ही विवादित आदेश पारित करने के बाद उन्हें वहां से हटाया गया था, परंतु सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद उन्हें जयपुर के लेबर कोर्ट में ही नियुक्ति दी गई थी। लेबर कोर्ट में उनके पास कर्मचारी व औद्योगिक विवादों के निस्तारण की जिम्मेदारी थी, परंतु लेबर कोर्ट के कानूनों से आगे बढ़ते हुए उन्होंने अपराधिक मामले दायर करने जैसे आदेश पारित कर डाले। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि गत 30 सितंबर को जज दिनेश गुप्ता सेवानिवृत्त हो चुके हैं, परंतु उनके द्वारा दिए गए आदेश आज भी सुर्खियों में हैं।

'विधायक के जाति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ता ने 3 जून 2024 को राज्य स्तरीय जांच समिति में अपील दायर की। राज्य स्तरीय जांच समिति में उसकी अंतिम बहस 9 जुलाई 2025 को हो गई। लेकिन्3ा अभी तक उस अपील पर फैसला नहीं हुआ है। जबकि राज्य सरकार के 18 मार्च 2011 के परिपत्र के अनुसार, राज्य स्तरीय जांच समिति में मामला दायर होने की तारीख से दो महीने में फैसला हो जाना चाहिए। यदि दो महीने में फैसला संभव न हो तो यह अवधि छह महीने तक बढाई जा सकती है। लेकिन उसकी अपील पर अंतिम बहस हुए ही एक साल से ज्यादा समय हो गया है। इसके अलावा उनकी चुनाव याचिका भी हाईकोर्ट में लंबित है। ऐसे में जांच समिति को अपील पर जल्दी फैसला करने के निर्देश दिए जाएं।

सीजेपी जंतर-मंतर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंतर तक मार्च करेंगे। अगर दिल्ली पुलिस हमें रास्ते में कहीं भी रोकती है तो जहां भी वे हमें रोकेंगे, वही जगह हमारा जंतर-मंतर बन जाएगी। लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की रक्षा की अपनी लड़ाई में हम महात्मा गांधी द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलेंगे।" यह घोषणा मुंबई के शिवाजी पार्क में पुलिस अनुमति न मिलने के बावजूद आयोजित रैली के ठीक एक दिन बाद आई है।

हॉकी की चैंपियन्स ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुभव का इस्तेमाल अलग-अलग हितों को साधने और संगठन के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर चलने में कर सकेंगे।

उनकी नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब राजा वड़िंग के इस्तीफे की पेशकश के बाद ये अटकलें लगाई जा रही थीं कि कांग्रेस किसी हिंदू चेहरे को चुन सकती है। विजय इंदर सिंगला का नाम भी चर्चा में था, हालांकि सिंगला ने खुद इस संभावना को खारिज कर दिया था।

इसलिए परगट सिंह का नाम सामने आना बहुत से लोगों के लिए हैरानी की बात थी। परगट सिंह के पक्ष में काम करने वाले कई कारक हैं। एक तो यह कि वे पार्टी के बड़े गुटों से दूर रहे हैं। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान के रूप में उनका रिकॉर्ड उन्हें पंजाब में पहचान और एक खास राजनीतिक कद देता है। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के भी कोई आरोप नहीं हैं। कम से कम कांग्रेस के चयन के पीछे कुछ ऐसी ही सोच दिखाई देती है। लेकिन इसका एक दूसरा राजनीतिक अर्थ भी निकाला जा रहा है। पंजाब के कुछ पर्यवेक्षकों का मानना है कि परगट सिंह को आगे बढ़ाए जाने से चन्नी को मजबूती मिलती है, क्योंकि परगट जालंधर कैंट सीट से विधायक हैं, जबकि चन्नी जालंधर से सांसद हैं। लेकिन इस नियुक्ति को इतना सरल समझना ठीक नहीं होगा। जब परगट सिंह पार्टी की राज्य इकाई का सर्वोच्च पद संभालेंगे, तो जाहिर है कि उनकी अपनी राजनीतिक सोच, विज़न और रणनीति होगी। उन्हें अहम जिम्मेदारी मिलने का मतलब यह नहीं है कि वे किसी खास गुट के ही आदमी बन जाएंगे। और कहानी सिर्फ नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के साथ खत्म नहीं होती। पंजाब का प्रभार संभालने के बाद से सचिन पायलट ने संगठन में बड़े बदलाव किए हैं। यह निर्णय पंजाब कांग्रेस की पंचायत विंग से लेकर यूथ कांग्रेस तक, पार्टी संगठन के विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। कांग्रेस अब पंजाब में अपने चुनाव अभियान के केन्द्र में राहुल गांधी और सचिन पायलट को रख रही है। उम्मीद है कि राहुल गांधी जल्द ही अमृतसर से अपने पंजाब दौरे की शुरुआत करेंगे तथा प्रियंका गांधी भी दौरे में साथ रहेंगी।

ऐसे समय में जब पार्टी फिर से एकजुट होने और अपने संगठन को मजबूत करने की कोशिश कर रही है, एक पूर्व हॉकी कप्तान को पार्टी की कमान सौंपना इस मुकाबले में एक दिलचस्प आयाम जोड़ता है। अब सवाल यह है कि क्या परगट सिंह राजनीतिक मैदान में वही कमाल कर पाएंगे, जो उन्होंने कभी हॉकी के मैदान पर दिखाया था, यानी मुश्किल मुकाबले को अपनी टीम के पक्ष में मोड़ देना, जब हालात टीम के खिलाफ लग रहे हों।

राहुल गांधी ने "सत्याग्रह" वैबसाइट लाँच की

इस वैबसाइट के द्वारा लोग अपने आंदोलनों व संघर्षों की जानकारी ऑनलाइन मंच पर साझा कर सकेंगे

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर। देश के विभिन्न हिस्सों में अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे लोगों को एक मंच पर जोड़ने के उद्देश्य से कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने "सत्याग्रह" नामक नई पहल शुरू की है। इस अभियान के तहत लोग अपनी समस्याओं, आंदोलनों और संघर्षों की जानकारी एक ऑनलाइन मंच पर साझा कर सकेंगे।

■ राहुल गांधी ने कहा कि लोग अपने अधिकारों के लिये अक्सर अकेले लड़ते हैं। इन आवाज़ों को एक मंच पर लाना जरुरी है।

राहुल गांधी ने "सत्याग्रह" अभियान की घोषणा करते हुए कहा कि देशभर में लोग अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अक्सर वे अकेले लड़ते हैं और उनकी आवाज दब जाती है। उन्होंने कहा कि छात्र, युवा, किसान, आदिवासी, दलित, महिलाएं और अन्य समुदाय अलग-अलग मुद्दों पर संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में इन आवाजों को एक मंच पर लाना जरूरी है।

इस पहल के तहत, लोगों से अपने आंदोलन या संघर्ष की जानकारी साझा करने की अपील की गई है। राहुल गांधी ने कहा कि कोई भी व्यक्ति, जो किसी अन्याय के खिलाफ लड़ रहा है, वह अपनी कहानी साझा कर सकता है। इसके बाद उसकी कहानी एक डिजिटल मैप पर दिखाई जाएगी। उनका कहना है कि इससे लोगों को यह भी पता चल सकेगा कि देश के अन्य हिस्सों में कौन-कौन समान मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहा है। कांग्रेस ने लोगों से सत्याग्रह वेबसाइट पर जाकर अपने आंदोलन की जानकारी दर्ज करने का आग्रह किया है। पार्टी ने कहा कि आंदोलन से जुड़ी जानकारी अपलोड करने के बाद संबंधित लोगों से संपर्क किया जाएगा और उनकी बात सुनी जाएगी। कांग्रेस ने दावा किया कि वह सत्य और न्याय की लड़ाई में लोगों के साथ खड़ी रहेगी और जहां संभव होगा, वहां सहयोग भी प्रदान करेगी। राहुल गांधी ने इस पहल को अपनी संवैधानिक और लोकतांत्रिक जिम्मेदारी से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के रूप में जहां भी सत्य को दबाया जा रहा है, वहां लोगों की मदद करना उनकी जिम्मेदारी है।

दुबई के क्राउन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रशंसा मिली है। उन्होंने मच्छार को यूएई की टीम और देश की उस भावना का हिस्सा बताया, जो करुणा, शांति और मानव जीवन के सम्मान को महत्व देती है।

'ड्रोन सेना का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वायुसेना के ड्रोनाथॉन-2026 कार्यक्रम के अनुरूप है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस कार्यक्रम में ऑपरेशनल स्थितियों के तहत, सर्विलांस, स्वार्म, ऑटोनॉमस, इलैक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और काउंटर- ड्रोन सिस्टम का परीक्षण किया गया। भारतीय वायुसेना ने उद्योग के लिए मानव रहित विमान प्रणाली (अनमैन्ड एयर क्राफ्ट सिस्टम) का रोडमैप भी जारी किया।

टीसीएफ चॉकलेट्स एंड गिफ्ट्स का फूड लाइसेंस निलंबित

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने मैसर्स टीसीएफ चॉकलेट्स एंड गिफ्ट्स प्रा. लि. का फूड लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए मंगाए गए खाद्य पदार्थ को लेकर मिली उपभोक्ता शिकायत के बाद किए गए निरीक्षण में खाद्य सुरक्षा से जुड़ी गंभीर खामियां पाए जाने के बाद की गई।

एफएसएसएआई ने शनिवार को बताया कि कंपनी के निरीक्षण के दौरान परिसर में साफ-सफाई और स्वच्छता की स्थिति खराब पाई गई। फूड-प्रोसेसिंग क्षेत्रों में पर्याप्त सफाई नहीं थी, कचरे का उचित निपटान नहीं किया जा रहा था और परिसर का रख-रखाव संतोषजनक नहीं पाया गया। निरीक्षण में फूड-प्रोसेसिंग क्षेत्रों में कीटों का प्रकोप और उनके नियंत्रण के लिए अपर्याप्त व्यवस्था सामने आई। परिसर में बिल्ली की बीट और खुली नालियां भी पाई गईं। इसके अलावा, एक्सपायर्ड फूड कलर और फ्लेवर भी मिले। सफाई में इस्तेमाल होने वाले रसायनों को कच्चे माल और खाद्य सामग्री के पास रखा गया था।

निरीक्षण में खाद्य पदार्थों को संभालने वाले कर्मचारियों के लिए जरूरी स्वच्छता और सुरक्षात्मक उपाय भी पर्याप्त नहीं मिले। खाद्य पदार्थों की हैंडलिंग संतोषजनक स्वच्छ परिस्थितियों में नहीं हो रही थी। कंपनी, निरीक्षण के दौरान अनिवार्य फूड-सेफ्टी रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर सकी। इनमें पेस्ट-कंट्रोल, सफाई, कर्मचारियों की मेडिकल जांच, प्रशिक्षण, उपकरणों के कैलिब्रेशन, लैब टेस्टिंग और ऑडिट से जुड़े रिकॉर्ड शामिल हैं।

यूक्रेन ने भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में लगातार हो रहे प्रयास का जिक्र करने के दूसरे दिन यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रि सिबिहा ने भी भारत का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि कीव के पास युद्ध-विराम के चार प्रस्ताव हैं। ये भारत, तुर्की, मिस्र और अमेरिका की ओर से आए हैं। इनमें भारत का प्रस्ताव सबसे व्यापक है।

अमेरिका में स्वामी नारायण मंदिर पर पथराव

ओहायो के ग्रेटर क्लीवलैंड में रिचमंड हाइट्स में यह घटना हुई, जिसमें मंदिर के शीशे टूट गए

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। अमेरिका के ओहायो के ग्रेटर क्लीवलैंड इलाके में एक हिंदू मंदिर में पथराव की घटना सामने आई है। बताया जाता है कि मंदिर में ईंटे फेंकी गई। जिससे खिड़कियों के शीशे टूट गए। यह दावा अमेरिका स्थित दो हिंदू संगठनों ने किया है।

■ अमेरिका के दो हिंदू संगठनों ने स्थानीय मेयर किम थॉमस से घटना की शिकायत की और त्वरित कार्यवाही करने की माँग की।

■ बताया जाता है कि जब मंदिर पर ईंटे फेंकी गई थीं, तब मंदिर में कई पुजारी और कुछ श्रद्धालु भी मौजूद थे।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन और कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका (सीओएचएनए) के अनुसार, उपनगरीय शहर रिचमंड हाइट्स में स्थित स्वामीनारायण मंदिर वडतालधाम को कथित हमले में निशाना बनाया गया और मंदिर की खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए गए।

संगठनों ने बताया कि घटना शुक्रवार दोपहर को हुई। सीओएचएनए के अनुसार, हमले के समय मंदिर के अंदर कई पुजारी और कुछ श्रद्धालु मौजूद थे। सीओएचएनए ने स्थानीय मेयर किम थॉमस से इस तरह की कट्टरता की निंदा करने की अपील की और पुलिस विभाग से घटना में शामिल लोगों के खिलाफ तेजी से कार्रवाई करने का आग्रह किया। इस बीच, हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कहा कि घटनास्थल की सीसीटीवी फुटेज की कानून प्रवर्तन एजेंसियां समीक्षा कर रही हैं।

सपा को साधन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने उनके काम को और मुश्किल बना दिया है।

अखिलेश यादव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, "समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन में हमारी सहयोगी है और एक मजबूत सहयोगी है। जिस तरह अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी को मजबूत किया है, वह बहुत अच्छा है।"

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव में गठबंधन के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यही गठबंधन भाजपा को लगातार चौथी बार विधानसभा चुनाव जीतने से रोकेगा। उन्होंने कहा, "2024 में जिस भाजपा ने पूरे देश में शानदार प्रदर्शन किया और '400 पार' का नारा दिया, उसे उत्तर प्रदेश की इसी धरती पर रोक दिया गया। इंडिया गठबंधन ने उसे रोका। इसलिए मैं कहूंगी कि यह गठबंधन मजबूत और प्रभावी है। हम 2027 में इसके परिणाम देखेंगे, और हम इस गठबंधन को पूरी ताकत के साथ आगे बढ़ाएंगे।"

2024 में इंडिया गठबंधन ने उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से 43 सीटें जीती थीं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908